ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड़, पौड़ी गढ़वाल

जनपद उत्तरकाशी के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने हेतु सिफारिशें

फरवरी 2021

प्रस्तावना

जनपद उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड, के पश्चिमी भाग में स्थित है, इस जनपद की स्थापना 24 फरवरी 1960 को हुई। जनपद का विस्तार 144.84 किमी0 लम्बाई में तथा 90.12 कि0मी0 चौड़ाई में फैला है। उत्तरकाशी जनपद उत्तर में हिमाचल प्रदेश और तिब्बत क्षेत्र, पश्चिम में देहरादून जनपद, पूर्व में चमोली तथा दक्षिण में टिहरी गढ़वाल और रूद्रप्रयाग जनपद से घिरा हुआ है।

पिछले 10 वर्षो में (वर्ष 2018 तक) 376 ग्राम पंचायतों से कुल 19893 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है। पिछले 10 वर्षों में (वर्ष 2018 तक) 111 ग्राम पंचायतों से 2727 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आंकड़ें दर्शाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है। पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं में कमी है। आकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 36 प्रतिशत पलायन 26 से 35 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया गया है।

जनपद उत्तरकाशी के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की समस्या आर्थिक विषमताओं; कृषि के उत्पादन में कमी; कम ग्रामीण आय और एक तनावग्रस्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कारण अनेक समस्याओं को जन्म दे रही है। इसी संदर्भ में आयोग ने जनपद उत्तरकाशी के प्रत्येक विकास खण्ड का एक विस्तृत सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण किया है। यह रिपोर्ट जनपद के सामाजिक–आर्थिक मापदंडों की विस्तार से पड़ताल करती है। जिले की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं, जो इन क्षेत्रों से लोगों के पलायन को कम करेगी। सिफारिशें करने से पहले राज्य और जिलास्तरीय अधिकारियों और स्थानीय लोगों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श भी किया गया था।

आयोग अपने अध्यक्ष श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन; श्रीमती मनीषा पवार, अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन को उनके सुझाव और समर्थन के लिए; जिलाधिकारी, उत्तरकाशी एवं उनके अधिकारियों की टीम; विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारी और कर्मचारी; जिले के सभी जनप्रतिनिधि; जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी; एन.जी.ओ. और ग्रामीणों, श्री रोशन लाल, सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों को विनम्रता के साथ स्वीकार करता है।

फरवरी, 2021

डॉ0 शरद सिंह नेगी

उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय 1.	परिचय	1 – 12
अध्याय 2.	जनपद में वर्तमान ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक परिवेश एवं विकास कार्यक्रमों का उल्लेख	14 – 39
अध्याय 3.	पलायन की स्थिति	40 – 51
अध्याय 4.	ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद उत्तरकाशी में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण	52 – 112
अध्याय 5.	विश्लेषण एवं सिफारिशें	113 –129
	Annexure I	130

अध्याय–1

परिचय

जनपद उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड, के सुदूर पश्चिमी भाग में स्थित है, इस जनपद की स्थापना 24 फरवरी 1960 को हुई। सम्पूर्ण सीमान्त जनपद हिमालय की गोद में बसा हुआ है, जनपद का विस्तार 144.84 किमी0 लम्बाई तथा 90.12 कि0मी0 चौड़ाई में फैला है। मैदानी क्षेत्र में स्थित वाराणासी (काशी), पर्वतीय क्षेत्र में स्थित उत्तरकाशी (काशी) दोनों पवित्र स्थान गंगा नदी के तट पर विराजमान है, जिनका नाम समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है।

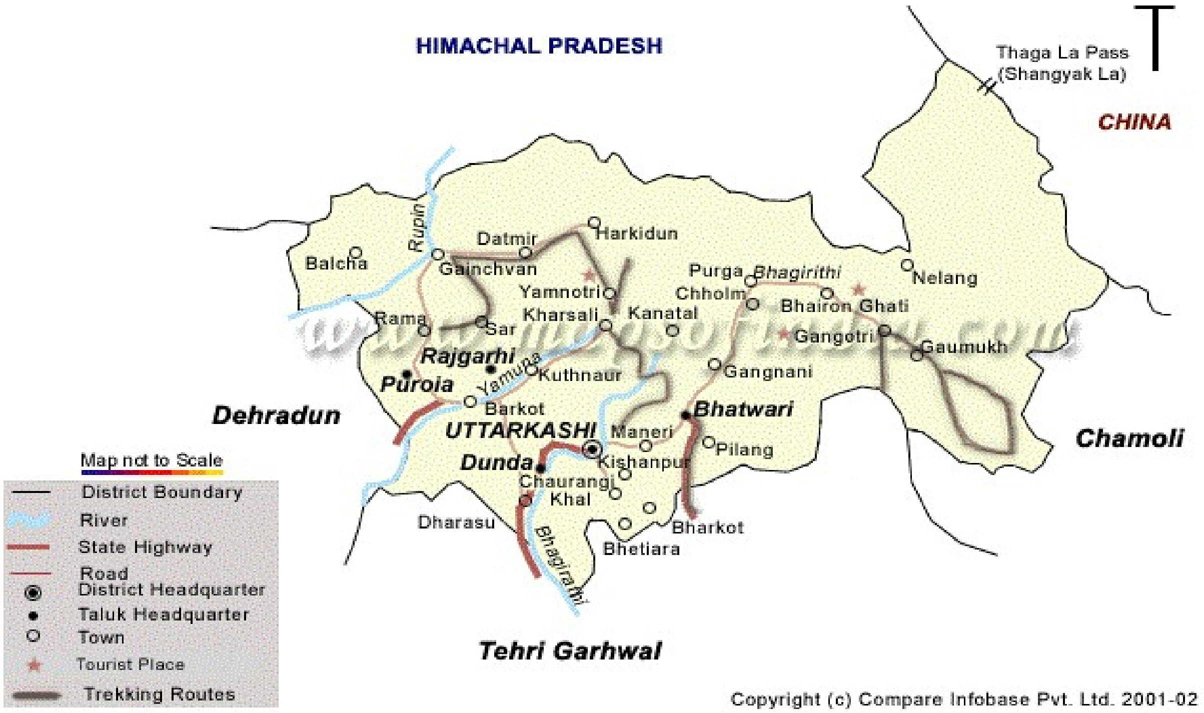

Source: District Uttarakashi website

➢ भौगोलिक परिदृश्य

यह जनपद राज्य के शीर्ष के उत्तर–पश्चिम कोने में 8016 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 15% है। उत्तरकाशी भागीरथी नदी के किनारे पर स्थित है। अधिकांश इलाके पहाड़ी और ऊँची–ऊँची चोटियों, पहाडियों और पठारों से युक्त हैं, जहाँ हिमालय पर्वतमाला, गंगा और यमुना नदियों का उद्‌गम स्थान भी मौजूद है, जो हजारों तीर्थयात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उत्तरकाशी जनपद उत्तर में हिमाचल प्रदेश और तिब्बत क्षेत्र, पश्चिम में देहरादून जनपद, पूर्व में चमोली तथा दक्षिण में टिहरी गढ़वाल और रूद्रप्रयाग जनपद से घिरा हुआ है। जनपद में विकासखण्ड मोरी का क्षेत्रफल 88.83 वर्ग कि0मी0, पुरोला का 56.00 वर्ग कि0मी0, नौगांव 421.00 वर्ग कि0मी0, डुण्डा का 127.00 वर्ग कि0मी0, चिन्यालीसौड का 133.00 वर्ग कि0मी0 तथा भटवाड़ी का 249.00 वर्ग कि0मी0 है।

➢ ऋतु एवं जलवायु

उत्तरकाशी नाम से ही स्पष्ट होता है कि उत्तर की काशी, जो सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है, समुद्र तल से 1352 मीटर की ऊँचाई पर प्रसिद्ध नदी भागीरथी के तट पर स्थित है। जहाँ देश–विदेश से बड़ी संख्या में यात्री आते हैं क्योंकि यहाँ बहुत आश्रम एवं मंदिर स्थित हैं।

उत्तरकाशी में गर्मी का मौसम मध्यम होता है और इस क्षेत्र में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। ग्रीष्मकाल में न्यूनतम तापमान लगभग 15 डिगी सेल्सियस रहता है। अप्रैल, मई और जून का महीना गर्मियों के, मानसून का मौसम जुलाई, अगस्त और सितम्बर ये तीन महीने आम तौर पर अच्छी मात्रा में वर्षा का अनुभव कराते हैं। वर्षा का मुख्य कारण दक्षिण पश्चिम मानसून है।

उत्तरकाशी में सर्दियों का मौसम आम तौर पर अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी और फरवरी के महीने में रहता है। इन पांच महीनों में आमतौर पर अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम शून्य डिग्री सेल्सियस के आसपास का अनुभव होता है।

जनपद में वर्षीय जलवायु एवं तापमान का विवरण

माह	माह के शुरू में		माह के अन्त में	
	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम
जनवरी	19^0C	2^0C	16^0C	7^0C
फरवरी	18^0C	5^0C	14^0C	15^0C
मार्च	27^0C	12^0C	18^0C	15^0C
अप्रैल	31^0C	15^0C	37^0C	23^0C
मई	38^0C	22^0C	32^0C	20^0C
जून	34^0C	21^0C	37^0C	27^0C
जुलाई	38^0C	30^0C	34^0C	27^0C
अगस्त	31^0C	26^0C	33^0C	26^0C
सितम्बर	33^0C	26^0C	35^0C	22^0C
अक्टूबर	36^0C	22^0C	27^0C	6^0C
नवम्बर	27^0C	7^0C	18^0C	3^0C
दिसम्बर	18^0C	3^0C	14^0C	1^0C

➢ संस्कृति और विरासत

उत्तरकाशी जनपद की भूमि उन युगों से भारतीयों द्वारा पवित्र रखी गई है जहां संतो और ऋषियों ने सांत्वना और आध्यात्मिक आकांक्षाएं पाई थी और उन्होंने तपस्या की और वैदिक भाषा ज्यादा प्रसिद्ध और बोली जाती थी। लोग वैदिक भाषा सीखने के लिए यहां आए थे। महाभारत में दिए गए एक तथ्य के अनुसार, जदाभारता के एक महान ऋषि ने उत्तरकाशी में तपस्या की। स्कंद पुराण के केदारखण्ड में उत्तरकाशी और नदियों भागीरथी, जाहनवी और भील गंगा का वर्णन है।

उत्तरकाशी में गढ़वाली और हिंदी भाषाऐं बोली जाती हैं। भेड़ की ऊन, लकड़ी की मूर्तियाँ, पर्यावरण के अनुकूल बास्केट, ऊनी कपड़े, गढ़वाली संगीत, उत्तरकाशी के लोगों द्वारा आनंदित पारंपरिक संगीत कलायें है। सांस्कृतिक मेलों, प्रसिद्ध माघ मेला और धार्मिक मेले, जिला प्रशासन द्वारा उत्तराखण्ड के कृषि मेले आदि के अवसर पर सभी विषयों के लोगों को आमंत्रित करते हैं। जिला मुख्यालय होने के कारण इन मेलों से बड़ी संख्या में आगंतुक और पर्यटक आकर्षित होते हैं।

➢ भूमि व्यवस्था

उत्तरकाशी जनपद 8016 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्रफल में फैला है, जिसका श्रेणीवार एवं विकासखण्डवार विवरण तालिका में दर्शाया गया है। जनपद का अधिकांश भाग लगभग 721664 हेक्टेयर घने जंगलो से आच्छादित है। वर्ष 2015–16 से वर्ष 2016–17 के मध्य कृषि योग्य बंजर भूमि के क्षेत्रफल में 37 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है, जिसमें वर्ष 2017–18 में 5 हेक्टेयर की गिरावट देखी जा सकती है। इसी तरह वर्तमान परती भूमि, ऊसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि तथा कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि में विचलन देखने को मिलता है, जबकि अन्य परती भूमि में लगातार गिरावट देखने को मिलती है।

विस्तृत तथा उबड़–खाबड़ क्षेत्र होने के कारण विभिन्न प्रकार की मिट्टियाँ पायी जाती है। मिट्टी का स्वरूप मूलतः अपनी मूल चट्टान पर निर्भर करती है। नदी घाटियों या बगड़ों में नवीन जलोढ़ मिट्टी खड़िया, डोलोमाईट तथा चूने के पत्थर के क्षेत्र में बलुई सफेद मिट्टी पायी जाती है, जिसका खनन कर घरों की पुताई में प्रयोग किया जाता है।

जनपद में विकासखण्डवार भूमि उपयोग (हेक्टेयर में)							
वर्ष / विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि
2015–16	812689	721664	2380	573	3473	40401	5932
2016–17	812689	721664	2417	826	2506	40401	5939
2017–18	812689	721664	2412	557	1796	40951	5984
विकासखण्डवार 2017–18							
मोरी	22153	3641	491	104	600	11575	422
पुरोला	11628	2877	446	97	97	5586	631
नौगांव	28283	2002	446	99	388	14012	1789
डुण्डा	17745	4586	156	75	95	4574	1245
चिन्यालीसौड	14084	3694	148	90	89	4415	986
भटवाड़ी	15330	1398	725	92	527	4089	931
योग गमीण	109223	18198	2412	557	1796	40951	5984
वन क्षेत्र	703466	703466	0	0	0	0	0
ग्रामीण क्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	812689	721664	2412	557	1796	40951	5984

source : DSTO UTK

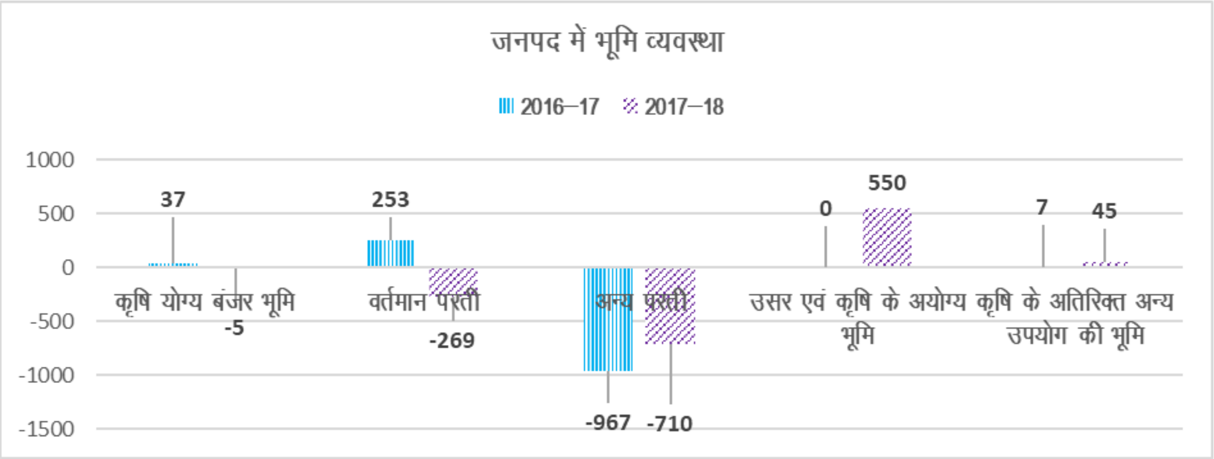

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता है कि जनपद में अन्य परती वाली भूमि के प्रतिवेदित क्षेत्रफल में सबसे अधिक कमी हुई है साथ ही कृषि योग्य बंजर भूमि में भी गिरावट देखने को मिलना इस ओर इशारा करते है कि जनपद में पिछले सालों की अपेक्षा पलायन में बढ़ोत्तरी हुई है इसका आशय होता है कि जनपद में आजीविका के अवसर कम मौजूद हैं।

➢ **प्रशासनिक व्यवस्था**

जनपद उत्तरकाशी 06 तहसीलों क्रमशः मोरी, भटवाड़ी, पुरोला, राजगढ़ी (बड़कोट), डुण्डा व चिन्यािलीसौड़ के साथ–साथ छः विकासखण्डों में विभाजित है जो क्रमशः मोरी, पुरोला, नौगांव, डुण्डा, चिन्यािलीसौड एवं भटवाड़ी हैं। जनपद में 03 नगरपालिका परिषद उत्तरकाशी, बड़कोट और चिन्यािलीसौड़ तथा 03 नगर पंचायत गंगोत्री, नौगांव, पुरोला का सृजन किया गया है। जनगणना 2019 के अनुसार जनपद उत्तरकाशी में कुल 508 ग्राम पंचायतें तथा 36 न्याय पंचायतें हैं, जिनके अन्तर्गत कुल 663 ग्राम मौजूद हैं, जिनका विवरण निम्न तालिकाओं में दर्शाया गया है।

जनपद	तहसील	नगरपालिका	नगरपंचायत	विकासखण्ड	न्याय पंचायत की संख्या	ग्राम पंचायत की संख्या
उत्तरकाशी	मोरी	उत्तरकाशी	नौगांव	मोरी	4	68
	पुरोला			पुरोला	3	43
	भटवाड़ी	बड़कोट	पुरोला	भटवाड़ी	7	84
	बड़कोट			नौगांव	10	131
	डुण्डा	चिन्यािली	गंगोत्री	डुण्डा	6	101
	चिन्यािलीसौड़			चिन्यािलीसौड़	6	81
योग	6	3	3	6	36	508

DPRO UTK

क्र0स0	ग्राम	जनगणना 2012–13 के अनुसार ग्राम	31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार ग्राम	अन्तर
1	आबाद ग्राम	672	663	–9
2	गैर आबाद ग्राम	7	8	1
3	आबाद वन ग्राम	28	28	0
4	गैर आबाद वन ग्राम	0	0	0
कुल ग्राम		707	699	8

DSTO UTK

❖ जनसंख्या विवरण

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तरकाशी की कुल जनसंख्या 3.29 लाख है, जिसमें राज्य की कुल आबादी का 3.25 प्रतिशत है। 13 जनपदों के मध्य लिंगानुपात के लिए यह जनपद 9वें स्थान पर है, क्योंकि प्रति 1000 पुरूषों पर 959 महिलाओं का अनुपात देखा गया। उत्तरकाशी में प्रति वर्ग किमी में 41 लोगों का जनसंख्या घनत्व है जो उत्तरकाशी को सबसे कम घनी आबादी वाला जनपद का दर्जा देता है। राज्य की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 19.17% है जबकि उत्तरकाशी जनपद की वृद्धि दर 11.75% है। जनपद में शहरी जनसंख्या 7.35% है जबकि राज्य में शहरी जनसंख्या 30.55% है।

जनपद उत्तरकाशी की जनसंख्या वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल 2,95,013 है, जो वर्ष 2011 की जनगणना में बढ़कर 3,30,086 हुई, इनमें 1,68,597 पुरूष तथा 1,61,489 महिलाएं हैं। जनपद उत्तरकाशी की जनसंख्या, सम्पूर्ण प्रदेश की जनसंख्या का कुल 3.25 प्रतिशत है, जिसका जनसंख्या घनत्व 41 व्यक्ति प्रति वर्गकिलोमीटर है, जो वर्ष 2001 में 37 व्यक्ति प्रति वर्गकिलोमीटर था।

जनपद में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या वृद्धि दर 23.07% थी जो वर्ष 2011 में 11.18% गिरावट होने के पश्चात 11.89% हो जाता है। वर्ष 2001 की अपेक्षा वर्ष 2011 में जनसंख्या घनत्व में 11% की वृद्धि हुई है जो बहुत कम है जिसका विवरण तालिका में दर्शाया गया है।

वर्ष	जनपद	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	जनसंख्या वृद्धि दर	कुल जनसंख्या			जनसंख्या घनत्व
				पुरूष	महिला	योग	
2001	उत्तरकाशी	8016	23.07%	152016	142997	295013	37
2011	,,	8016	11.89%	168597	161489	330086	41
दशकीय परिवर्तन ±			-11.18%	16581	18492	35073	4
			–	10.91%	12.93%	11.89%	11%

CENCUS UTK

जनपद की कुल जनसंख्या में 0 से 59 आयु वर्ग द्वारा कुल जनसंख्या में 91% का योगदान किया जाता है, जबकि इससे अधिक आयु वर्ग के पुरूष व महिलाओं द्वारा मात्र 9% का ही योगदान रहता है, अर्थात जनपद में औसत आयु दर कम है।

परन्तु 0 से 24 साल की आयु वर्ग के भीतर यह देखने को मिलता है कि पुरूषों की जनसंख्या की अपेक्षा स्त्रियों की जनसंख्या में 2% की गिरावट हुई है जो कि जनपद उत्तरकाशी में लिंगानुपात के लिए मामूली अन्तर है। आंकड़ें तालिका से स्पष्ट होते है।

जनपद में आयु वर्गानुसार जनसंख्या (जनगणना – 2011)							
आयु वर्ग	कुल			ग्रामीण		नगरीय	
	पुरूष	स्त्रियां	योग	पुरूष	स्त्रियां	पुरूष	स्त्रियां
सभी आयु	168597	161489	330086	155375	150406	13222	11083
5–09	35610	32830	68440	33782	31401	2228	1029
10–14	21165	19707	40872	19585	18492	1580	1215
15–19	18761	17412	36173	17271	16118	1490	1294
20–24	15614	15467	31081	14350	14433	1264	1034
योग	91150	85416	176566	84988	80444	6562	4572
25–29	13012	12848	25860	11976	11775	1036	1073
30–34	11161	10868	22029	10109	9904	1052	964
35–39	10508	10433	20941	9559	9526	949	907
40–44	9024	8730	17754	8136	8016	888	714
45–49	7770	7503	15273	6957	6885	813	618
50–54	6652	6180	12832	5985	5723	667	457
55–59	5048	4910	9958	4582	4661	466	249
योग	63175	61472	124647	57304	56490	5871	4982
60–64	5621	5888	11509	5368	5637	253	251
65–69	3365	3440	6805	3207	3267	158	173
70–74	2472	2506	4978	2315	2377	157	129
75–79	1289	1220	2509	1215	1147	74	73
>=80	1291	1363	2654	1182	1284	109	79
आयु नहीं बताई	234	184	418	196	160	38	24
योग	14272	14601	28873	13483	13872	789	729
महायोग	168597	161489	330086	155775	150806	13222	10283

DSTO UTK तालिका 1.6

उत्तरकाशी जनपद में वर्ष 1901 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में हुए दशकीय बदलाव को निम्न तालिका में दर्शाया गया है, जिसमें वर्ष 1951 से वर्ष 1981 के मध्य जनसंख्या में वृद्वि दर देखी गयी है जबकि वर्ष 1981 में बढ़कर 29.19% हो गया था। वर्ष 1991 से जनसंख्या में हर दशक में गिरावट होते हुए वर्ष 2011 तक जनसंख्या में 11.89% की वृद्धि दर पर पहुँच चुकी है, जिससे जनपद से पलायन की पुष्टि होती है।

वर्ष 1901 की स्थिति से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में दशकीय बदलाव						
जनपद	जनगणना वर्ष	जनसंख्या	पूर्ववर्ती जनगणना के बाद से बदलाव		पुरूष	महिला
			शुद्व बदलाव	प्रतिशत		
उत्तरकाशी	1901	69,209	–	–	34,343	34,866
	1911	77,429	+8,220	+11.88	38,213	39,216
	1921	81,958	+4,529	+5.85	40,282	41,676
	1931	89,978	+8,020	+9.79	44,611	45,367
	1941	1,02,280	+12,302	+13.67	51,758	50,522
	1951	1,06,058	+3,778	+3.69	53,214	52,844
	1961	1,22,836	+16,778	+15.82	62,534	60,302
	1971	1,47,805	+24,969	+20.33	77,832	69,973
	1981	1,90,948	+43,143	+29.19	1,01,533	89,415
	1991	2,39,709	+48,761	+25.54	1,24,978	1,14,731
	2001	2,95,013	+55,304	+23.07	1,52,016	1,42,997
	2011	3,30,086	+35,073	+11.89	1,68,597	1,61,489

CENCUS UTK

जनपद में कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
वर्ष / विकासखण्ड	200 से कम	200–499	500–999	1000–1499	1500–1999	2000–4999	5000 या अधिक	योग
2015–16	262	286	98	14	7	2	0	669
2016–17	200	298	127	27	5	8	0	665
2017–18	186	309	142	41	7	8	1	694
विकासखण्डवार 2017–18								
मोरी	20	49	19	3	1	0	0	92
पुरोला	27	30	17	2	1	2	0	79
नौगांव	55	88	29	7	1	1	0	181
डुण्डा	27	53	24	13	2	2	0	121
चिन्यालीसौड	23	45	25	7	1	0	1	102
भटवाड़ी	17	41	26	9	1	3	0	97
योग विकासखण्ड	169	306	140	41	7	8	1	672
वन क्षेत्र	17	3	2	0	0	0	0	22
योग जनपद	186	309	142	41	7	8	1	694

DSTO UTK

200 से कम या 10000 से ऊपर जनसंख्या वाले ग्रामों की संख्या का विवरण निम्न तालिका में वर्षवार एवं विकासखण्ड़वार उपलब्ध है। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में 200 से कम जनसंख्या वाले 186 ग्राम, 200 से 499 तक की जनसंख्या वाले 309 ग्राम, 500 से 999 की जनसंख्या वाले 142 ग्राम तथा 1000 से 1499 की जनसंख्या वाले 41 ग्राम हैं, इससे अधिक जनसंख्या वाले मात्र 16 ग्राम हैं।

क्र0स0	विकासखण्ड का नाम	जनसंख्या		दशकीय परिवर्तन	
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	संख्या	प्रतिशत
1	भटवाड़ी	51995	56405	4410	8.48%
2	चिन्यालीसौड	43962	49641	5679	12.92%
3	डुण्डा	55848	59843	3995	7.15%
4	नौगांव	57685	65668	7983	13.84%
5	पुरोला	27187	31863	4676	17.20%
6	मोरी	33374	39691	6317	18.93%
विकासखण्ड योग		270051	303111	33060	12.24%
वन बस्तियों की जनसंख्या		2044	2670	626	30.63%
नगरीय जनसंख्या		22918	24305	1387	6.05%
महायोग		**295013**	**330086**	**35073**	**11.89%**

DSTO UTK

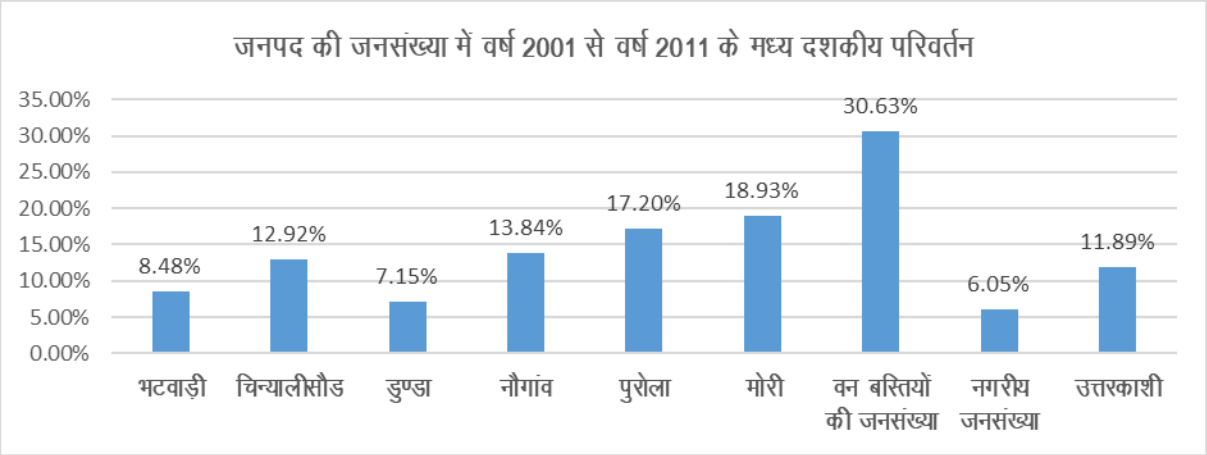

जनपद उत्तरकाशी में विकासखण्डवार जनसंख्या में वर्ष 2011 के लिए दशकीय परिवर्तन देखें तो आंकड़ों से ज्ञात होता है कि विकासखण्ड मोरी में सबसे अधिक 19.93% व विकासखण्ड डुण्डा में सबसे कम 7.15% दशकीय परिवर्तन देखा जा सकता है। जबकि इसके उलट वन बस्ती जनसंख्या में 30.63% व नगरीय जनसंख्या में 6.05% दशकीय परिवर्तन हुआ है।

❖ अर्थव्यवस्था

जनपद उत्तरकाशी में मौजूदा कीमतों पर अर्थव्यवस्था का सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी वर्ष 2011–12 में 227097 लाख रूपये, वर्ष 2012–13 में 252692 लाख रूपये, वर्ष 2013–14 में 297209 लाख रूपये, वर्ष 2014–15 में 305338 लाख रूपये, वर्ष 2015–16 के लिए 327121 लाख रूपये अनुमानित एवं वर्ष 2016–17 के लिए अनंतिम रूप से 361225 लाख रूपये का अनुमान है। अर्थव्यस्था की वृद्धि यानि जीडीपी लगातार कीमतों पर वर्ष 2011–12 में 227097 रूपये, वर्ष 2012–13 में 223977 रूपये, वर्ष 2013–14 में 252930 रूपये, वर्ष 2014–15 में 263741 रूपये, वर्ष 2015–16 के लिए 276800 एवं वर्ष 2016–17 के लिए 293578 रूपये अनंतिम रूप से अनुमानित है।

प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2011–12 में 61471 रूपये, वर्ष 2012–13 में 67402 रूपये, वर्ष 2013–14 में 76362 रूपये, वर्ष 2014–15 में 77596 रूपये, वर्ष 2015–16 के लिए 81954 एवं वर्ष 2016–17 के लिए 89190 रूपये अनंतिम रूप से अनुमानित है।

जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण वर्ष 2011

श्रमिक और गैर श्रमिक							
कुल श्रमिक	मुख्य कर्म करों की जनसंख्या	सीमान्त कमकरों की जनसंख्या	गैर श्रमिक की जनसंख्या	कुल श्रमिकों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	मुख्य कर्म करों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	सीमान्त कमकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	गैर श्रमिक का कुल जनसंख्या से प्रतिशत
157276	128367	28909	172810	47.65%	38.89%	8.76%	52.35%

DSTO UTK

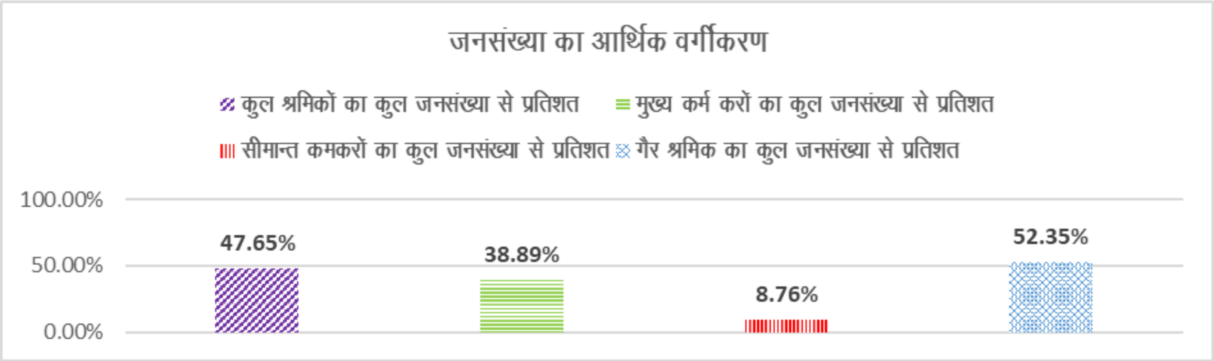

जनपद में जनसंख्या के आर्थिक वर्गीकरण से स्पष्ट होता है कि गैर श्रमिकों का आंकड़ा अन्य से अधिक है जिसका आशय है कि जनपद में रोजगार हेतु मैन पावर उपलब्ध है जिन्हें रोजगार उपलब्ध कराकर पलायन पर अंकुश लगाया जा सकता है। जिसे तालिका और ग्राफ के आकडों से समझा जा सकता है।

कुछ प्रमुख मदों के विकासखण्डवार संकेतक							
क्र0 सं0	विकासखण्ड	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0 2011	अनु0जाति/जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011	कुछ मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011	कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011
1	मोरी	446.57	29.98	47.18	90.92	0.79	63.49
2	पुरोला	569.02	36.62	41.53	85.62	0.73	73.82
3	नौगांव	155.98	30.17	42.22	87.77	1.62	73.3
4	डुण्डा	471.2	26.14	37.12	82.69	1.06	76.12
5	चिन्यालीसौड	373.24	26.71	32.68	81.88	0.55	74.73
6	भटवाड़ी	226.53	13.1	39.21	62.97	2.62	82.72
समस्त विकासखण्ड		282.00	26.29	39.67	81.73	1.33	74.69

DSTO UTK

जनपद में विकासखण्डवार प्रमुख मदों के संकेतांक तालिका में दिये गये है, जिसके आंकडों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2011 के लिए विकासखण्ड नौगांव में जनसंख्या का घनत्व सबसे कम 155.98 प्रति वर्ग किमी तथा सबसे अधिक पुरोला विकासखण्ड का 569.02 प्रति वर्ग किमी रहता है अर्थात नौगांव विकासखण्ड से पलायन अधिक हुआ है तत्पश्चात भटवाड़ी व चिन्यालीसौड विकासखण्ड से हुआ है।

विकासखण्ड भटवाड़ी में अनु0 जाति/जनजाति का कुल जनसंख्या में अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा एवं सभी विकासखण्ड के औसत से भी कम 13.1 व्यक्ति निवास करते है। इसी कारण से इस विकासखण्ड में कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत सभी विकासखण्डों के औसत से भी कम 62.97 प्रतिशत रहता है। जनपद में पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत सबसे कम चिन्यालीसौड में देखने को मिलता है, जो जनपद के लिए मात्र 1.33 प्रतिशत पर रूक जाता है जिसे बढाने की अति आवश्यकता है जिससे जनपद से हो रहे पलायन को रोका जा सकता है।

जनपद में विकास खण्डवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण

वर्ष/विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1991	89177	1516	819	23481	114993	6438	121431
2001	85990	941	1467	26444	114842	21062	135904
2011	96836	2389	1960	27182	128367	28909	157276

विकासखण्डवार 2011							
मोरी	16206	821	148	1552	18727	2228	20955
पुरोला	11085	244	96	1807	13232	1589	14821
नौगांव	23762	573	448	2942	27725	5182	32907
डुण्डा	18154	215	236	3608	22213	7122	29335
चिन्यालीसौड	13209	76	89	2850	16224	6475	22699
भटवाड़ी	13545	383	579	7612	22119	4838	26957
समस्त विकासखण्ड	95961	2312	1596	20371	120240	27434	147674
वन क्षेत्र	340	12	101	522	975	418	1393
ग्रामीण क्षेत्र	96301	2324	1697	20893	121215	27852	149067
नगर क्षेत्र	535	65	263	6289	7152	1057	8209
योग जनपद	96836	2389	1960	27182	128367	28909	157276

तालिका के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद के सभी विकासखण्ड में कृषक कर्मकरों की संख्या की अपेक्षा पारिवारिक उद्योगों की संख्या बहुत कम है। वर्ष 1991 से वर्ष 2011 के मध्य मुख्य कर्मकरों की संख्या में मामूली वृद्धि देखने को मिलती है, जबकि सीमान्त कर्मकरों की संख्या में इन दशकों के मध्य अधिक वृद्धि वाले आंकड़ें दर्ज हुए है।

प्राथमिक क्षेत्र

उत्तराखण्ड कृषि सांख्यिकी रिपोर्ट 2009–10 के अनुसार जनपद का लगभग 88.6% भूमि जंगल से आच्छादित है, कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 3.38% खेती के लिए उपलब्ध है। चावल, गेहूँ, मक्का और बाजरा जनपद की प्राथमिक फसलें हैं। जनपद में उगाए जाने वाली मुख्य दालें राजमा, काले चने, गहत और सोयाबीन है। 30975 हैक्टेयर के कुल भौगोलिक क्षेत्र में से केवल 6241 हेक्टेयर में सिंचाई होती है अर्थात 20.15%, जबकि 79.85% क्षेत्र वर्षा पर आधारित है। जनपद की अर्थवयवस्था मुख्य रूप से कृषि और सम्बद्ध गतिविधियों पर निर्भर है।

द्वितीयक क्षेत्र

राज्य के अन्य जनपदों की तुलना में जनपद में औद्योगीकरण बहुत कम है। एक भी बड़ा और मध्यम उद्यम नहीं है, इसका श्रेय कठिन भूभाग और पहाड़ी क्षेत्रों के स्थलाकृति को दिया जा सकता है। जिला औद्योगिक केन्द्र के अनुसार जनपद में 2349 लघु उद्योग पंजीकृत हैं, जिनमें लगभग 4685 दैनिक श्रमिक काम करते हैं। वर्ष 2010–11 के लिए उद्योगों के लिए कुल निवेश 2941.32 लाख रूपये था। जनपद में कुछ प्रमुख सूक्ष्म, छोटे और रेडीमेड परिधान और कढ़ाई (610 इकाइयाँ), लकडी पर आधारित इकाइयाँ 189, कृषि–आधारित प्रसंस्करण इकाइयाँ 102, ऊनी रेशम कृत्रिम धागा आधारित कपडे इकाइयाँ 45, हथकरघा इकाइयाँ 29, और हस्तकला इकाइयाँ 26 आदि हैं।

तृतीयक क्षेत्र

जनपद सुन्दर, मनमोहक परिदृश्यों के दुर्लभ दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है जो धार्मिक व साहसिक पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। जनपद दो महत्वपूर्ण तीर्थस्थानों यानि गंगोत्री और यमुनोत्री के कारण महत्व प्राप्त करता है। इसके अलावा अन्य आकर्षण स्थलों में विश्वनाथ मन्दिर, शक्ति मन्दिर, गोविन्द नेशनल पार्क, हर की दून, दयारा बुग्याल और हर्षिल आदि है। वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली कार्यक्रम के तहत बेरोजगार युवाओं को अनुदान का सर्मथन मिला है।

वर्कफॉर्स वितरण

जनपद उत्तरकाशी में वर्ष 2022 तक जनसंख्या का 372551 तक पहुँचनें का अनुमान है जो वर्ष 2012 के लिए 333370 और 2017 के लिए 352416 अनुमान जताया गया था। उत्तराखण्ड राज्य के लिए जनपदवार कुशल गेप अध्ययन के आंकड़ों के अनुसार वृद्धिशील जनशक्ति 2022 तक 0.83 लाख तक बढ़ेगी।

साक्षरता

जनपद की औसत साक्षरता 75.81 प्रतिशत है जिसमें पुरूषों की 62.35 प्रतिशत और महिलाओं की 88.79 प्रतिशत की भागीदारी है। विकासखण्ड मोरी में साक्षरता दर सबसे कम और विकासखण्ड भटवाड़ी में अधिक साक्षरता दर देखने को मिलती है। जिसका विवरण तालिका में दर्शाया गया है।

वर्ष / विकासखण्ड	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता का प्रतिशत		
	पुरूष	स्त्रियां	कुल	स्त्रियां	पुरूष	कुल
1991	70134	21865	91999	68.74	23.57	47.23
2001	105663	55498	161161	83.60	46.69	65.71
2011	128237	86889	215126	88.79	62.35	75.81
विकासखण्डवार 2011						
मोरी	12996	8040	21036	76.4	49.87	63.49
पुरोला	11965	8216	20181	86.73	60.67	73.82
नौगांव	24447	16321	40768	88.81	59.44	73.3
डुण्डा	23420	16042	39462	91.09	61.39	76.12
चिन्यालीसौड	18490	13211	31701	90.16	60.29	74.73
भटवाड़ी	24610	16284	40894	93.88	70.14	82.73
योग गमीण	115928	78114	194042	88.23	60.84	74.69
वन क्षेत्र	1167	700	1867	90.68	66.73	79.92
ग्रामीण क्षेत्र	11142	8075	19217	94.84	81.46	88.72
योग जनपद	128237	86889	215126	88.79	62.35	75.81

DSTO UTK

❖ प्रक्रिया और पद्धति

यह रिपोर्ट जनपद की सामाजिक–आर्थिक मानकों का, विशेषतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है का विस्तार से जांच करती है। माध्यमिक जानकारी का आधार जनपद के रेखीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों की प्रकाशित और अप्रकाशित सूचनाएं हैं। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियो और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संकलित की गई सूचनाओं पर आधारित है। विकास खण्डवार आंकडे एकत्रित कर विश्लेषण किया गया है।

इस रिपोर्ट में जनपद की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिये सिफारिशें प्रस्तुत की गयी हैं जिससे पलायन को कम किया जा सके। इससे स्थानीय सामाजिक–अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिल सकता है एवं पलायन पर अंकुश भी लगेगा।

अध्याय–2

जनपद में वर्तमान ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक परिवेश एवं विकास कार्यक्रमों का उल्लेख

जनपद एक दृष्टि				
मद	इकाई	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
भौगोलिग क्षेत्रफल	वर्ग कि0मी0	**8016.05**	**8016.05**	**0**
जनसंख्या				
पुरूष	संख्या	152.02	168.6	16.58
स्त्री	संख्या	143	161.49	18.49
योग	संख्या	295.01	330.09	35.08
ग्रामीण	संख्या	272.1	305.78	33.68
नगरीय	संख्या	22.92	24.3	1.38
अनुसूचित जाति	संख्या	67.47	80.57	13.1
अनुसूचित जनजाति	संख्या	2.68	3.54	0.86
साक्षर व्यक्तियों की संख्या				
कुल	संख्या	161.16	215.15	53.99
पुरूष	संख्या	105.66	128.24	22.58
स्त्री	संख्या	55.5	86.89	31.39
ग्रामों की संख्या				
आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	672	663	-9
गैर आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	7	8	1
वन ग्राम	संख्या	28	28	0
कुल ग्राम	संख्या	707	699	-8
नगर एंव नगर समूह	संख्या	3	6	3
नगर पालिका परिषद	संख्या	1	3	2
छावनी परिषद	संख्या	0	0	0

नगर पंचायत	संख्या	2	3	1
कृषि				
शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	29	30.597	1.597
एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	13	11.685	-1.315
शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	5	5.476	0.476
सकल सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	9	9.107	0.107
कृषि उत्पादन				
खाद्यान्न	हे0 मी0 टन	59.55	55.997	-3.553
गन्ना	हे0 मी0 टन	0	0	0
तिलहन	हे0 मी0 टन	1.09	0.967	-0.123
आलू	हे0 मी0 टन	18	20.587	2.587
जलवायु				
वर्षा				
वास्तविक	मि0मी0	1255	947.9	-307.1
पशुपालन	इकाई	वर्ष 2007	वर्ष 2012	**बदलाव**
कुल पशुधन	संख्या	347563	365718	18155
मद	इकाई	वर्ष 2011–12	वर्ष 2018–19	**बदलाव**
पशु चिकित्सालय	संख्या	25	26	1
पशुधन सेवा केन्द्र	संख्या	34	44	10
कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	संख्या	23	47	24
कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	**संख्या**	**19**	**0**	**-19**
उद्योग				
औद्योगिक अधिनियम 1948 के अन्तर्गत पंजीकृत कार्यरत कारखाने	संख्या	0	0	0
खादी उद्योग एवं लघु औद्योगिक इकाईयां				
संख्या	संख्या	475	749	274
कार्यरत व्यक्ति	संख्या	735	3081	2346

महत्वपूर्ण मदों के जिला विकास संकेतांक			
मद	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	7.77	7.36	-0.41
जनसंख्या का घनत्व (प्रतिवर्ग कि0मी0)	37	41	4
1981–91 दशक तथा 2001–11 दशक में जनसंख्या वृद्धि प्रतिशत	1981-91	2001-2011	बदलाव
	23.07	11.89	-11.18
कुल जनसंख्या में अनु0जाति / जनजाति का प्रतिशत	23.78	25.48	1.7
राज्य कुल अनु0जाति की जनसंख्या में जनपद में अनु0जाति के व्यक्तिों का प्रतिशत	4.447	4.26	-0.187
लिंगानुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	941.00	958	17
कुल मुख्य कर्मकरों का जनसंख्या से प्रतिशत			
ग्रामीण	39.55	39.64	0.09
नगरीय	31.57	29.43	-2.14
योग	38.93	38.89	-0.04
कृषि कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत (कृषक तथा कृषि श्रमिक)	29.47	30.06	0.59
कृषि श्रमिक करों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	0.32	0.72	0.4
कुल मुख्य कर्मकरों का प्रतिशत			
कृषक	74.88	75.44	0.56
कृषि श्रमिक	0.82	1.86	1.04
पारिवारिक उद्योग	1.28	1.53	0.25
अन्य	23.03	21.18	-1.85
	वर्ष 2005–2006	वर्ष 2015–16	बदलाव
समस्त जोतों में लघु एवं सीमान्त जोतों का प्रतिशत	86.64	90.09	3.45
समस्त जोतों के अर्न्तगत क्षेत्रफल में लघु एवं समीन्त जोतों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	53.06	99.39	46.33
सीमान्त जोतों का औसत आकार (हेक्टेयर)	0.33	0.38	0.05
समस्त जोतों का औसत आकार (हेक्टेयर)	0.91	0.54	-0.37
	वर्ष 2007	वर्ष 2011–12	बदलाव
प्रति 100 हे0 प्रतिवेदित क्षेत्रफल पर पशुधन संख्या	42.77	45.00	2.23
प्रति 1000 जनसंख्या पर पशुधन संख्या	1054.23	1107.94	53.71

प्रति 100 जनसंख्या पर दूध देने वाले पशुओं की सूंख्या	18.72	17.73	-0.99
प्रति 1000 जनसंख्या पर कुक्कुट संख्या	101.98	82.90	-19.08
मद	वर्षवार विवरण		
	2015-16	2016-17	2017-18
कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में वनों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	88.79	88.79	88.79
कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये गये के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	3.72	3.68	5.2
फसल सघनता	1.39	1.37	1.38
सकल बोये गये क्षेत्रफल में वाणिज्यिक फसलों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का प्रतिशत	10.39	8.08	9.96
खाद्यान्न फसलों की औसत उपज (कुन्तल)	15.5	15.62	15.61
प्र0हे0 उर्वरक उपभाग (कि0ग्रा0)	92.26	136.3	168.08

षष्टम आर्थिक गणना				
क्र0सं0	मद	ग्रामीण	नगरीय	योग
1	उद्यम			
	अ. कृषि उद्यम	1575	43	1618
	• स्वकार्य उद्यम	1348	43	1391
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	227	1	228
	ब. गैर–कृषि उद्यम	8406	1995	10371
	• स्वकार्य उद्यम	5688	1288	6976
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	2718	677	3395
	स. कुल उद्यम	9981	13009	22990
	• स्वकार्य उद्यम	7036	12331	19367
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	2945	678	3623
2	संरचना के अनुसार उद्यम			
	• निवास के बाहर निश्चित ढांचे में	5876	1659	7535
	• निवास के बाहर बिना निश्चित ढांचे में	1329	151	1480
	• निवास के भीतर	2776	198	2974

3	उद्यमों में कार्यरत व्यक्ति			
	अ. कृषि उद्यम			
	• वैतनिक पुरूष	330	1	331
	• वैतनिक महिला	14	0	14
	• अवैतनिक पुरूष	1705	15	1720
	• अवैतनिक महिला	1013	40	1053
		2035	16	2051
	• कुल महिला	1027	40	1067
	ब. गैर कृषि उद्यम			
	• वैतनिक पुरूष	5748	1926	7674
	• वैतनिक महिला	3258	323	3581
	• अवैतनिक पुरूष	6765	2051	8816
	• अवैतनिक महिला	1068	194	1262
	• कुल पुरूष	12513	3977	16490
	• कुल महिला	4326	517	5843
4	8 या अधिक कार्यरत व्यक्तियों वाले उद्यम			
	• उद्यम	204	56	260
	• कार्यरत व्यक्ति	3176	1041	4217
5	हस्तषिल्प/हस्तकरघा उद्यम			
	• उद्यम	512	10	522
	• कार्यरत व्यक्ति	850	22	872

क्र0सं0	विकासखण्ड	सकल बोये गये क्षेत्रफल का शुद्ध बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत			खाद्यान्न फसलों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का सकल बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2015–16	2016–17	2017–18	2015–16	2016–17	2017–18
1	मोरी	163.04	160.55	161.53	71.17	72.02	69.92
2	पुरोला	127.27	125.35	126.14	92.74	93.84	91.11
3	नौगांव	134.16	132.14	132.96	77.70	78.61	76.32
4	डुण्डा	146.95	144.74	145.65	86.46	87.48	84.93
5	चिन्यालीसौड	146.24	144.03	144.94	108.46	109.75	106.54
6	भटवाड़ी	128.93	126.94	127.74	98.44	90.51	91.19
समस्त विकासखण्ड		139.44	137.33	138.19	86.34	87.36	87.18

क्र0सं0	विकासखण्ड	प्रति हे0 सकल बोये गये क्षेत्रफल पर उर्वरक का उपभोग (कि0ग्रा0)			सकल सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2015–16	2016–17	2017–18	2015–16	2016–17	2017–18
1	मोरी	12. 76	8.72	17.07	135.02	131.26	122.43
2	पुरोला	8.57	5.68	3.72	170.25	165.48	154.35
3	नौगांव	15.69	8.14	0.42	188.03	182.72	170.45
4	डुण्डा	8.14	9.54	0.84	198.95	193.41	113.47
5	चिन्यालीसौड	12.43	6.1	6.59	237.79	231.16	251.81
6	भटवाड़ी	4.31	4.33	1.3	166.36	161.90	150.99
समस्त विकासखण्ड		10.84	7.34	5.95	183.36	178.26	166.3

क्र0सं0	विकासखण्ड	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत			राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2015–16	2016–17	2017–18	2015–16	2016–17	2017–18
1	मोरी	19.06	20.45	21.41	74.06	76.18	81.67
2	पुरोला	20.42	21.91	22.95	58.73	60.43	64.79
3	नौगांव	10.75	11.54	12.08	53.18	54.73	58.66
4	डुण्डा	19.00	20.39	21.35	50.26	51.7	88.13
5	चिन्यालीसौड	16.52	17.73	18.79	42.05	43.26	46.34
6	भटवाड़ी	14.38	15.41	16.12	60.10	61.77	66.23
समस्त विकासखण्ड		15.94	17.09	17.89	54.54	56.09	60.12

क्र0सं0	विकासखण्ड	प्रतिलाख जनसंख्या पर कुल पक्की सड़कों की लम्बाई (कि0मी0)			प्रति हजार वर्ग कि0मी0 पर कुल पक्की सड़कों की लम्बाइ(कि0मी0)		
		2015–16	2016–17	2017–18	2015–16	2016–17	2017–18
1	मोरी	358.92	329.82	374.72	1600.67	1470.89	1671.12
2	पुरोला	300.14	489.16	311.19	1707.86	2783.39	1770.71
3	नौगांव	388.18	600.69	633.92	605.49	946.46	988.79
4	डुण्डा	319.20	469.06	330.49	1578.68	2210.24	1557.32
5	चिन्यालीसौड	379.22	415.28	451.24	1415.41	1550.00	1684.21
6	भटवाड़ी	507.7	389.84	378.07	1150.08	883.09	856.42
समस्त विकासखण्ड		382.25	450.32	428.62	1077.81	1269.75	1208.56

वर्ष	शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल से प्रतिशत	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत	विद्युतिकृत ग्रामों का आबाद ग्रामों से प्रतिशत	प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग (कि0वाट घण्टा)
2009—10	3.65	15.92	100	140.06
2010—11	3.73	14.26	100	157.78
2011—12	3.61	16.09	100	141.82
2012—13	3.60	18.82	100	173.19
2013—14	3.36	18.82	100	186.27
2014—15	3.52	15.00	100	184.81
2015—16	3.50	17.01	100	193.12
2016—17	3.72	15.94	100	116.76
2017—18	3.68	17.09	100	112.84
2018—19	3.76	17.89	100	180.46

जनसंख्या घनत्व का विकासखण्डवार विवरण				
क्र0सं0	विकासखण्ड	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	मोरी	375.71	446.57	70.86
2	पुरोला	485.48	569.02	83.54
3	नौगांव	137.02	155.98	18.96
4	डुण्डा	439.54	471.2	31.66
5	चिन्यालीसौड	330.54	373.24	42.7
6	भटवाड़ी	208.82	226.53	17.71
जनपद		251.25	282.00	30.75

विकासखण्डवार अनु0जाति एवं जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत का विवरण				
क्र0सं0	विकासखण्ड	अनु0जाति/जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	मोरी	26.63	29.98	3.35
2	पुरोला	35.23	36.62	1.39
3	नौगांव	27.75	30.17	2.42
4	डुण्डा	24.87	26.14	1.27

5	चिन्यालीसौड	25.33	26.71	1.38
6	भटवाड़ी	12.87	13.1	0.23
जनपद		24.51	26.29	1.78

विकासखण्डवार मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत का विवरण				
क्र0सं0	विकासखण्ड	कुछ मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	मोरी	40.19	47.18	6.99
2	पुरोला	32.75	41.53	8.78
3	नौगांव	45.67	42.22	-3.45
4	डुण्डा	38.71	37.12	-1.59
5	चिन्यालीसौड	36.67	32.68	-3.99
6	भटवाड़ी	40.8	39.21	-1.59
जनपद		39.85	39.67	-0.18

विकासखण्डवार कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत का विवरण				
क्र0सं0	विकासखण्ड	कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	मोरी	85.66	90.92	5.26
2	पुरोला	78.41	85.62	7.21
3	नौगांव	89.77	87.77	-2
4	डुण्डा	79.14	82.69	3.55
5	चिन्यालीसौड	82.66	81.88	-0.78
6	भटवाड़ी	64.89	62.97	-1.92
जनपद		80.21	81.73	1.52

विकासखण्डवार पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत का विवरण				
क्र0सं0	विकासखण्ड	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	मोरी	2.33	0.79	-1.54

2	पुरोला	1.26	0.73	-0.53
3	नौगांव	0.72	1.62	0.9
4	डुण्डा	1.98	1.06	-0.92
5	चिन्यालीसौड	0.63	0.55	-0.08
6	भटवाड़ी	1.19	2.62	1.43
जनपद		1.3	1.33	0.03

विकासखण्डवार साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत का विवरण				
क्र0सं0	विकासखण्ड	साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	मोरी	51.37	63.49	12.12
2	पुरोला	63.47	73.82	10.35
3	नौगांव	59.64	73.3	13.66
4	डुण्डा	67.27	76.12	8.85
5	चिन्यालीसौड	62.27	74.73	12.46
6	भटवाड़ी	73.64	82.72	9.08
जनपद		63.78	74.69	10.91

जनपद में ग्रामीण जनसंख्या की प्रति 10 वर्ष की जनसंख्या वृद्धि (जनगणना – 2011)				
वर्ष / विकासखण्ड	ग्रमीण जनसंख्या			गत दशक में प्रतिशत वृद्धि
	व्यक्ति	पुरूष	स्त्री	
1981	177676	93086	84590	25.31
1991	222448	114733	107725	25.19
2001	272095	138737	133358	22.32
2011	305781	155375	150406	12.38
विकासखण्डवार 2011				
मोरी	39691	20392	19299	18.93
पुरोला	31865	16141	15724	17.21
नौगांव	65668	33343	32325	13.84

डुण्डा	59843	29858	29985	7.15
चिन्यालीसौड	49641	24289	25352	12.92
भटवाड़ी	56405	29903	26502	8.48
योग ग्रामीण	303113	153926	149187	12.24
वन क्षेत्र	2668	1449	1219	30.53
योग जनपद	305781	155375	150406	12.38

जनपद में विकास खण्डवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण							
वर्ष / विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1981	78337	572	1075	19545	99529	6066	105595
1991	89177	1516	819	23481	114993	6438	121431
2001	85990	941	1467	26444	114842	21062	135904
2011	96836	2389	1960	27182	128367	28909	157276
विकासखण्डवार 2011							
मोरी	16206	821	148	1552	18727	2228	20955
पुरोला	11085	244	96	1807	13232	1589	14821
नौगांव	23762	573	448	2942	27725	5182	32907
डुण्डा	18154	215	236	3608	22213	7122	29335
चिन्यालीसौड	13209	76	89	2850	26224	6475	22699
भटवाड़ी	13545	383	579	7612	22119	4838	26957
समस्त विकासखण्ड	95961	2312	1596	20371	120240	27434	147674
वन क्षेत्र	340	12	101	522	975	418	1393
ग्रामीण क्षेत्र	96301	2324	1697	20893	121215	27852	149067
नगर क्षेत्र	535	65	263	6289	7152	1057	8209
योग जनपद	96836	2389	1960	27182	128367	28909	157276

जनपद में आयु वर्गानुसार जनसंख्या (जनगणना – 2001 एवं 2011 के अनुसार)									
आयु वर्ग	कुल जनसंख्या			ग्रामीण जनसंख्या			नगरीय जनसंख्या		
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव

सभी आयु	295013	330086	**35073**	272095	305781	**33686**	22918	24305	**1387**
0—09	72758	68440	**-4318**	68411	64383	**-4028**	3777	3257	**-520**
10—14	36965	40872	**3907**	34014	38077	**4063**	2951	2795	**-156**
15—19	31215	36173	**4958**	28479	33389	**4910**	2736	2784	**48**
20—24	25776	31081	**5305**	21499	28783	**7284**	2277	2298	**21**
25—29	22543	25860	**3317**	20552	23751	**3199**	1991	2109	**118**
30—34	19090	22029	**2939**	17266	20013	**2747**	1824	2016	**192**
35—39	17878	20941	**3063**	16086	19085	**2999**	1792	1856	**64**
40—44	14880	17754	**2874**	13461	16152	**2691**	1419	1602	**183**
45—49	13092	15273	**2181**	11961	13842	**1881**	1131	1431	**300**
50—54	11010	12832	**1822**	10235	11708	**1473**	775	1124	**349**
55—59	8333	9958	**1625**	7833	9243	**1410**	500	715	**215**
60—64	8266	11509	**3243**	7849	11005	**3156**	417	504	**87**
65—69	5600	6805	**1205**	5306	6474	**1168**	294	331	**37**
70—74	3990	4978	**988**	3782	4692	**910**	208	286	**78**
75—79	1764	2509	**745**	1667	2362	**695**	97	147	**50**
>=80	1564	2654	**1090**	1448	2466	**1018**	116	188	**72**
आयु नहीं बताई	289	418	**129**	246	356	**110**	43	62	**19**

जनपद में विकासखण्डवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत						
वर्ष / विकासखण्ड	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता का प्रतिशत		
	पुरूष	स्त्रियां	कुल	स्त्रियां	पुरूष	कुल
1991	70134	21865	91999	68.74	23.57	47.23
2001	105663	55498	161161	83.60	46.69	65.71
2011	128237	86889	215126	88.79	62.35	75.81
विकासखण्डवार 2011						
मोरी	12996	8040	21036	76.4	49.87	63.49
पुरोला	11965	8216	20181	86.73	60.67	73.82
नौगांव	24447	16321	40768	88.81	59.44	73.3
डुण्डा	23420	16042	39462	91.09	61.39	76.12
चिन्यालीसौड	18490	13211	31701	90.16	60.29	74.73
भटवाड़ी	24610	16284	40894	93.88	70.14	82.73

योग गमीण	115928	78114	194042	88.23	60.84	74.69
वन क्षेत्र	1167	700	1867	90.68	66.73	79.92
ग्रामीण क्षेत्र	11142	8075	19217	94.84	81.46	88.72
योग जनपद	128237	86889	215126	88.79	62.35	75.81

जनपद में कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
वर्ष / विकासखण्ड	200 से कम	200—499	500—999	1000—1499	1500—1999	2000—4999	5000 या अधिक	योग
2015—16	262	286	98	14	7	2	0	669
2016—17	200	298	127	27	5	8	0	665
2017—18	186	309	142	41	7	8	1	694
विकासखण्डवार 2017—18								
मोरी	20	49	19	3	1	0	0	92
पुरोला	27	30	17	2	1	2	0	79
नौगांव	55	88	29	7	1	1	0	181
डुण्डा	27	53	24	13	2	2	0	121
चिन्यालीसौड	23	45	25	7	1	0	1	102
भटवाड़ी	17	41	26	9	1	3	0	97
योग विकासखण्ड	169	306	140	41	7	8	1	672
वन क्षेत्र	17	3	2	0	0	0	0	22
योग जनपद	186	309	142	41	7	8	1	694

जनपद में विकासखण्डवार भूमि उपयोग (हेक्टेयर में)							
वर्ष / विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि
2013—14	812689	721664	2366	1836	2863	40401	5927
2014—15	812689	721664	2369	1935	2868	40401	5929
2015—16	812689	721664	2380	573	3473	40401	5932
2016—17	812689	721664	2417	826	2506	40401	5939
2017—18	812689	721664	2412	557	1796	40951	5984
विकासखण्डवार 2017—18							

मोरी	22153	3641	491	104	600	11575	422
पुरोला	11628	2877	446	97	97	5586	631
नौगांव	28283	2002	446	99	388	14012	1789
डुण्डा	17745	4586	156	75	95	4574	1245
चिन्यालीसौड	14084	3694	148	90	89	4415	986
भटवाड़ी	15330	1398	725	92	527	4089	931
योग गमीण	109223	18198	2412	557	1796	40951	5984
वन क्षेत्र	703466	703466	0	0	0	0	0
ग्रामीण क्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	812689	721664	2412	557	1796	40951	5984
जनपद में वर्ष 2013—14 से वर्ष 2017—18 के मध्य भूमि उपयोग में बदलाव	0	0	46	-1279	-1067	550	57

वर्ष / विकासखण्ड	चारागाह	उद्यानों, बागों, वृक्षों, एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	सकल बोया गया क्षेत्रफल			
					कुल	रबी	खरीफ	जायद
2013—14	4548	4468	28616	10999	39615	39615	26583	0
2014—15	4548	4470	28505	11949	40454	13239	27215	0
2015—16	4548	4457	30251	11931	42182	14979	27203	0
2016—17	4848	4460	29928	11171	41099	13912	27187	0
2017—18	4345	4383	30597	11685	42282	14949	27933	0
विकासखण्डवार 2017—18								
मोरी	676	1048	3455	2076	5581	2626	2992	0
पुरोला	143	460	4610	1240	5815	1771	4035	0
नौगांव	529	1056	8408	2800	11180	3208	7944	0
डुण्डा	1080	451	5555	2508	8091	2837	5257	0
चिन्यालीसौड	531	336	3887	1730	5634	1255	4346	0
भटवाड़ी	1386	1032	4682	1331	5981	2652	3359	0
योग गमीण	4345	4383	30597	11685	42282	14349	27933	0

वन क्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0	0
ग्रामीण क्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	4345	4383	30597	11685	42282	14349	27933	0
जनपद में वर्ष 2013—14 से वर्ष 2017—18 के मध्य बदलाव	-203	-85	1981	686	2667	-24666	1350	0

जनपद में विकासखण्डवार विभिन्न साधनों द्वारा श्रोतानुसार वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			
वर्ष / विकासखण्ड	नहरें	अन्य	योग
2015—16	3109	1712	4821
2016—17	3148	1968	5116
2017—18	4089	2148	9107
विकासखण्डवार 2017—18			
मोरी	591	94	1143
पुरोला	683	554	1819
नौगांव	794	496	1728
डुण्डा	862	494	1983
चिन्यालीसौड	555	260	1191
भटवाड़ी	604	250	1243
योग गमीण	4089	2148	9107
वन क्षेत्र	0	0	0
ग्रामीण क्षेत्र	0	0	0
योग जनपद	4089	2148	9107

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसलों के अर्न्तगत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)				
वर्ष / विकासखण्ड	चावल खरीफ		कुल चावल	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015—16	10737	4672	10737	4672
2016—17	10107	5016	10107	5016
2017—18	10249	4892	10249	4892
विकासखण्डवार 2017—18				
मोरी	703	334	703	334

पुरोला	2178	993	2178	993
नौगांव	2007	1350	2007	1350
डुण्डा	1977	755	1977	755
चिन्यालीसौड	1646	818	1646	818
भटवाड़ी	1738	642	1738	642
योग गमीण	10249	4892	10249	4892
नगर क्षेत्र	0	0	0	0
योग जनपद	10249	4892	10249	4892

वर्ष / विकासखण्ड	गेहँ		जौ	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015—16	11582	3337	166	8
2016—17	11153	3432	189	19
2017—18	10668	3386	244	29
विकासखण्डवार 2017—18				
मोरी	1217	503	25	3
पुरोला	1268	532	31	3
नौगांव	2249	330	57	8
डुण्डा	2062	717	43	3
चिन्यालीसौड	1830	674	46	3
भटवाड़ी	2042	630	42	9
योग गमीण	10668	3386	244	29
नगर क्षेत्र	0	0	0	0
योग जनपद	10668	3386	244	29

वर्ष / विकासखण्ड	मक्का खरीफ		कुल मक्का		मडुंवा	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015—16	405	1	405	1	5162	0
2016—17	434	0	434	0	4915	0
2017—18	472	0	472	0	5229	0
विकासखण्डवार 2017—18						
मोरी	65	0	65	0	715	0
पुरोला	90	0	90	0	603	0

नौगांव	124	0	124	0	1171	0
डुण्डा	54	0	58	0	1331	0
चिन्यालीसौड	75	0	75	0	909	0
भटवाड़ी	60	0	60	0	500	0
योग गमीण	472	0	472	0	5229	0
नगर क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	472	0	472	0	5229	0

वर्ष / विकासखण्ड	कुल दालें		कुल खाद्यान		लाही / सरसों	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015—16	4766	399	36422	8317	999	150
2016—17	4959	474	35906	8714	740	154
2017—18	4944	306	35862	8613	977	252
विकासखण्डवार 2017—18						
मोरी	787	66	3902	939	176	51
पुरोला	761	47	5298	1661	195	54
नौगांव	1048	46	8533	1360	220	54
डुण्डा	750	35	6872	1761	121	28
चिन्यालीसौड	790	51	6003	1564	119	28
भटवाड़ी	808	61	5254	1570	146	37
योग गमीण	4944	306	358662	8855	977	252
नगर क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	4944	306	35862	8855	977	252

वर्ष / विकासखण्ड	मसूर		चना		मटर		अरहर	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2015—16	312	43	0	0	816	356	396	0
2016—17	186	13	3	0	556	219	298	0
2017—18	228	5	5	3	620	294	448	0
विकासखण्डवार 2017—18								
मोरी	27	0	0	0	86	63	45	0
पुरोला	27	0	0	0	103	48	51	0

नौगांव	58	1	2	1	128	44	92	0
डुण्डा	33	1	1	1	91	35	104	0
चिन्यालीसौड	33	1	2	1	130	51	92	0
भटवाड़ी	50	2	0	0	82	53	64	0
योग गमीण	228	5	5	3	620	294	448	0
नगर क्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	228	5	5	3	620	294	448	0

वर्ष / विकासखण्ड	कुल तिलहन		आलू		राजमा			
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित		
2015—16	1869	150	2502	118	0	0		
2016—17	1955	154	2443	138	1502	15		
2017—18	1869	252	2887	95	1465	4		
विकासखण्डवार 2017—18								
मोरी	328	51	221	12	367	1		
पुरोला	344	54	221	16	294	1		
नौगांव	424	54	812	33	219	1		
डुण्डा	259	28	518	9	146	0		
चिन्यालीसौड	254	28	217	12	73	0		
भटवाड़ी	260	37	898	13	366	1		
योग ग्रामीण	1869	252	2887	95	1465	4		
नगर क्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	1869	252	0	0	2887	95	1465	4

जनपद में क्रियात्मक जोतों के आकार वर्गानुसार संख्या एवं क्षेत्रफल (कृषि गणना 2010—11)						
वर्ष / विकासखण्ड	आकार वर्ग हेक्टेयर					
	0.5 हेक्टेयर से कम		0.5 से 100 हेक्टेयर		1.00 से 2.00 हेक्टेयर	
	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
1990—91	16869	2999	5813	4200	6799	9549
1995—96	20182	3212	6346	4132	6670	9510
2000—01	18949	3320	5594	4061	6294	9078

2005—06	19220	3644	6863	4964	6838	9761
2010—11	20571	4154	7426	5271	6883	9738
विकासखण्डवार 2010—11						
मोरी	2182	511	932	608	666	1009
पुरोला	2296	590	1018	649	891	1146
नौगांव	3880	766	1534	1104	1716	2469
डुण्डा	4831	834	1416	996	1379	2031
चिन्यालीसौड	3414	649	1113	882	1159	1513
भटवाड़ी	3968	804	1413	1032	1072	1570
योग गमीण	20571	4154	7426	5271	6883	9738
योग जनपद	20571	4154	7426	5271	6883	9738

वर्ष / विकासखण्ड	आकार वर्ग हेक्टेयर			
	2.00 से 4.00 हेक्टेयर		4.00 से 10 हेक्टेयर	
	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
1990—91	4482	12113	1003	5214
1995—96	4282	11673	1014	5326
2000—01	4418	12131	1072	5559
2005—06	4160	11272	895	4706
2010—11	3816	10416	824	4306
विकासखण्डवार 2010—11				
मोरी	481	1304	111	651
पुरोला	589	1542	155	785
नौगांव	1126	3140	239	1229
डुण्डा	681	1752	125	637
चिन्यालीसौड	472	1371	94	477
भटवाड़ी	467	1307	100	527
योग ग्रामीण	3816	10416	824	4306
योग जनपद	3816	10416	824	4306

वर्ष / विकासखण्ड	आकार वर्ग हेक्टेयर

	10 हेक्टेयर या उससे अधिक		कुल जोतों की संख्या	
	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
1990—91	18	235	34984	34310
1995—96	21	257	38151	34110
2000—01	27	334	36354	34483
2005—06	21	271	37997	34619
2010—11	16	220	39536	34105
विकासखण्डवार 2010—11				
मोरी	2	19	4379	4116
पुरोला	5	59	4981	4806
नौगांव	3	37	8574	8840
डुण्डा	2	33	8401	6244
चिन्यालीसौड	2	21	6232	4875
भटवाड़ी	2	51	6969	5224
योग गमीण	16	220	39536	34105
योग जनपद	16	220	39536	34105

जनपद में विकासखण्डवार उर्वरक वितरण (मी0 टन)				
वर्ष / विकासखण्ड	नाइट्रोजन	फास्फोरस	पोटास	योग
2010—11	246	331	130	707
2011—12	215	281	137	633
2012—13	174.505	200.758	69.418	444.641
2014—15	185.02	238.86	47.32	471.20
2015—16	193.70	213.02	29.92	436.64
2016—17	175.99	224.09	57.10	457.18
विकासखण्डवार 2016—17				
मोरी	0	50.45	20.6	71.05
पुरोला	12.25	24.6	12.85	49.7
नौगांव	62.55	90.75	21.75	175.05
डुण्डा	49.84	13.75	1.9	65.73
चिन्यालीसौड	40.75	13.99	0	69.9
भटवाड़ी	10.6	29.15	0	25.75

योग गमीण	175.99	224.09	57.10	457.18
योग जनपद	175.99	224.09	57.10	457.18

जनपद में विकासखण्ड पशुधन एवं कुक्कुट आदि पक्षियों की संख्या (पशु गणना 2012)				
वर्ष/विकासखण्ड	गोजातीय (देसी)			
	3 वर्ष से अधिक के नर	3 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल
1998	46417	30681	19757	96855
2003	43361	29595	22752	95708
2007	46867	29393	20460	96720
2012	42729	27332	19121	89182
विकासखण्डवार 2012				
मोरी	5420	6862	4029	16311
पुरोला	5894	3514	2545	11953
नौगांव	12046	7725	6139	25910
डुण्डा	7623	2930	2275	12828
चिन्यालीसौड	5595	1660	900	8458
भटवाड़ी	5493	4413	3117	13023
योग गमीण	42729	27332	19121	89182
वन क्षेत्र	4	12	13	29
नगर क्षेत्र	651	216	103	970
योग जनपद	42729	27332	19121	89182

वर्ष/विकासखण्ड	गोजातीय (देसी)				कुल गोताजीय स्तम्भ
	2,5 वर्ष से अधिक के नर	2,5 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल	
1998	1150	2504	1899	5553	102408
2003	2162	4803	4154	11119	106827
2007	1421	6678	5783	13882	110602
2012	3003	10709	8556	22268	111450

विकासखण्डवार 2012					
मोरी	871	3089	2058	6018	22329
पुरोला	208	1099	908	2215	14168
नौगांव	122	1006	749	1877	27787
डुण्डा	402	1226	1132	2760	15588
चिन्यालीसौड	37	115	79	231	8389
भटवाड़ी	1225	3280	2842	7347	20370
योग गमीण	2865	9815	7768	20448	108631
वन क्षेत्र	122	215	155	492	521
नगर क्षेत्र	16	679	633	1328	2298
योग जनपद	3003	10709	8556	22268	111450

वर्ष / विकासखण्ड	महिष जातीय			
	3 वर्ष से अधिक के नर	3 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल
1998	338	28726	9530	38594
2003	427	25833	12430	38690
2007	298	25632	12112	38042
2012	319	20487	10223	31029
विकासखण्डवार 2012				
मोरी	6	403	177	586
पुरोला	22	1744	923	2989
नौगांव	58	4924	2319	7301
डुण्डा	75	4931	2647	7653
चिन्यालीसौड	77	5311	2442	7860
भटवाड़ी	23	2121	1122	3266
योग गमीण	261	19434	9660	29355
वन क्षेत्र	57	602	403	1062
नगर क्षेत्र	1	451	160	612
योग जनपद	319	20487	10223	31029

वर्ष / विकासखण्ड	भेड़ देशी	भेड़ क्रास	कुल भेड	कुल बकरा एवं	कुल घोड़े	सुअर	सुअर क्रास

		ब्रीड		बकरी	एवं टट्टू	देशी	ब्रीड
1998	35504	36863	72367	84242	2331	211	1
2003	48137	53131	101268	95593	1489	325	155
2007	32930	56794	89724	100451	1329	125	109
2012	29485	64431	93916	1209998	1898	195	73
विकासखण्डवार 2012							
मोरी	10820	42663	53483	42565	304	0	0
पुरोला	1882	2796	4678	9932	304	0	0
नौगांव	7164	239	7403	29716	771	27	0
डुण्डा	5706	781	6487	12458	94	26	7
चिन्यालीसौड	670	5	675	10675	121	0	0
भटवाड़ी	3188	17870	21058	14343	165	0	0
योग गमीण	29430	64354	93784	119689	1759	53	0
वन क्षेत्र	6	5	11	516	130	0	0
नगर क्षेत्र	49	72	121	790	9	142	66
योग जनपद	29485	64431	93916	1209998	1898	195	73

वर्ष / विकासखण्ड	कुल सुअर	अन्य पशु	कुल पशु	कुल मुर्गे, मुर्गियां एवं चूजे	अन्य कुक्कुट	कुल कुक्कुट
1998	212	4706	304860	10219	0	10219
2003	480	11800	356147	39429	0	39429
2007	234	7181	347563	33593	27	33620
2012	268	6159	365718	27359	6	27365
विकासखण्डवार 2012						
मोरी	0	696	119963	4771	0	4771
पुरोला	0	764	32535	923	0	923
नौगांव	27	2239	75244	2480	0	2480
डुण्डा	33	688	43001	8980	0	8980
चिन्यालीसौड	0	589	28309	4045	6	4051
भटवाड़ी	0	794	59996	2876	0	2876

योग गमीण	60	5770	359048	24075	6	24081
वन क्षेत्र	0	2	2245	0	0	0
नगर क्षेत्र	208	387	4425	3284	0	3284
योग जनपद	268	6159	365718	27359	6	27365

जनपद में विकासखण्डवार पशु चिकित्सालय एवं अन्य सेवायें (संख्या)						
वर्ष / विकासखण्ड	पशुचिकित्सालय	पशुधन विकास केन्द्र	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	पशु प्रजनन फार्म	भेड़ विकास केन्द्र
2010–11	25	34	37	0	2	25
2011–12	25	34	39	0	2	25
2012–13	25	34	23	19	2	25
2014–15	25	39	42	0	2	25
2015–16	25	43	42	0	2	25
2016–17	25	43	42	0	2	25
2017–18	26	43	47	0	2	25
2018–19	26	44	47	0	2	25
विकासखण्डवार 2018–19						
मोरी	2	6	5	0	0	10
पुरोला	2	2	2	0	1	2
नौगांव	3	8	7	0	0	4
डुण्डा	5	7	9	0	1	1
चिन्यालीसौड	4	13	8	0	0	2
भटवाड़ी	4	7	8	0	0	5
योग गमीण	20	43	39	0	2	24
वन क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
नगर क्षेत्र	6	1	8	0	0	1
योग जनपद	26	44	47	0	2	25

पर्यटन

क्र0सं0	मद	वर्ष	इकाई	विवरण
1	पर्यटन सुविधायें			
	• मुख्य पर्यटन स्थल	2018–19	संख्या	30

	• पर्यटन आवास गृह	2018–19	संख्या	21
	• रैन बसेरा	2018–19	संख्या	5
	• पर्यटन आवास गृहों में उपलब्ध शैयायें	2018–19	संख्या	654
	• रैन बसेरा में उपलब्ध शैयायें	2018–19		238
	• होटल तथा पेइंगैस्ट हाउसों की संख्या	2018–19	संख्या	159
	• धर्मशालाओं की संख्या (31 मार्च 2019 तक)	2018–19	संख्या	2
2	**पर्यटकों के आंकड़े (वर्ष 2017–18 में)**			
	पर्यटकों की कुल संख्या (तीर्थ यात्री सहित)			
	• भारतीय पर्यटक/विदेशी पर्यटक (गंगोत्री)	2018–19	संख्या	447581
	• भारतीय पर्यटक/विदेशी पर्यटक (गंगोत्री)	2018–19	संख्या	401705
	महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यानों में कुल पर्यटक			
	• भारतीय पर्यटक	2018–19	संख्या	11406
	• विदेशी पर्यटक	2018–19	संख्या	1213

जनपद के मनमोहक पर्यटक स्थल

गंगोत्री धाम

गंगोत्री, गंगा नदी का उद्गम स्थान है उत्तराखण्ड के चार धाम तीर्थस्थानों में से एक देवी गंगा का उद्गम स्थल भी है। उद्गम स्थान पर नदी को भागीरथी के नाम से जाना जाता है, जिन्हें देवप्रयाग से गंगा नाम की प्राप्ति होती है। जहां वह अलकनंदा से मिलती है, पवित्र नदी का उद्गम स्थान गौमुख है, जो गंगोत्री से 19 किलो मीटर की दूरी पर गंगोत्री ग्लेशियर में स्थित है। सभी नदियों में से सबसे पवित्र गंगा माता को माना जाता है, गंगा शुद्धता का प्रतीक है माना जाता है कि मां गंगा सभी के पापों को जन्म से लेकर मृत्यु तक दूर करती हैं। पवित्र तीर्थ गंगोत्री समुद्र तल से 3200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जहां सड़क मार्ग से पहुँचा जाता है जिसकी दूरी ऋषिकेश से लगभग 248 किमी है। उक्त स्थान पर आगंतुको के निवास के लिए कई आश्रम उपलब्ध हैं।

यमुनोत्री धाम

यह उत्तराखण्ड के चार तीर्थ धामों में से एक धाम है। यमुनोत्री, यमुना नदी का स्रोत है और हिन्दू धर्म में देवी यमुना का पवित्र तीर्थ स्थान है। यमुनोत्री में मुख्य आकर्षण माँ यमुना का मन्दिर और पवित्र तापीय झरनों का समावेश किया हुआ है।

गोमुख

गोमुख गंगोत्री ग्लेशियर में भागीरथी नदी का उद्‌गम स्थल है, जो गंगा नदी के मुख्य धाराओं में से एक है। यह जगह उत्तरकाशी जिले में 13200 फीट (4023 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित है। जहां गंगोत्री से 19 किमी0 के ट्रैक के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। उद्‌गम स्थान मन को मोह लेने की शक्ति रखता है।

दयारा बुग्याल

जंगल के मध्य 9 किमी0 का ट्रैक के माध्यम से दयारा बुग्याल पहुँचा जाता है, जो एक प्राचीन स्थान 2600 मीटर से शुरू होते हुए 3500 मीटर तक की ऊंचाई पर स्थित है, गर्मियों में चरवाहे अपने मवेशियों के साथ यहां पहुँचते हैं और सर्दियों की शुरूआत तक रहते है। सर्दियों में यह भूमि स्कींग और बर्फ की गतिविधियों की क्षमता के साथ बर्फ की भूमि मे बदल जाती है।

कालिंदी दर्रा

कालिंदी दर्रा गंगोत्री से शुरू होकर 110 किमी0 के ट्रैक के बाद बद्रीनाथ में समाप्त होता है, कालिंदी दर्रा में 40 से अधिक हिमालयी चोटियों को देखा जा सकता है, कालिंदी दर्रा एएसएल के 5990 मीटर की दूरी पर यह दर्रा गंगोत्री घाटी को बद्रीनाथ घाटी से जोड़ता है। कालिंदी दर्रा दुनिया में उच्चतम ट्रैकिंग दर्रों में जाना जाता है।

हर्षिल

हर्षिल घाटी समुद्र तल से 2660 मीटर की दूरी पर स्थित है, जहां ग्रीष्मकाल में वह चीजें पाई जाती हैं, जो अन्य स्थानों में शीतकाल में मिलती हैं। हर्षिल नैसर्गिक सौन्दर्य के लिए जाना जाता है। यहां पर पर्यटकों का आना–जाना लगा रहता है।

गर्तांग गली

गर्तांग गली लकड़ी का एक पुल है जो भारत और तिब्बत का व्यापारिक मार्ग था। खानाबदोश (भोटिया जनजाति) द्वारा अपने माल को याक पर लादते हुए इस पुल के माध्यम से अन्य देशों के हिस्सों में पहुँचाया जाता था।

डोडिताल

उत्तरकाशी जनपद में यह एक मीठे पानी की झील है। असि गंगा डोडिताल से निकलती है और भागीरथी मे मिलती है, संगम गंगोरी में है। डोडिताल पहुँचने के लिए उत्तरकाशी से छोटे वाहन का उपयोग करते हुए 19 किमी0 की दूरी पार करके संगम चट्‌टी तक पहुँचा जाता है। जहां से 24 किमी0 की पैदल यात्रा का एक साधारण ट्रैक है। जिसमें अगोरा और बेबरा गांव में रात भर ठहरने के विकल्प उपलब्ध हैं। अगोरा संगम चट्‌टी से 6 किमी0 दूर है। अगोरा से लगभग 2 किमी0 दूर बेबरा गांव पड़ता है, ट्रैक के दूसरे दिन सरलता से डोडिताल आना–जाना किया जा सकता है। डोडिताल में वन विश्राम गृह है जहां उत्तरकाशी के वन कार्यालय में परमिट लेकर वहीं ठहरने की बुकिंग कर सकते है। वैकल्पिक रूप से पर्यटक स्वंय का टैंट ले

जाकर स्वयं का शिविर लगा सकते हैं। यहां एक बुनियादी कैंटीन है, जहां भोजन व्यवस्था उपलब्ध रहती है। डोडिताल से पर्यटक आगे धरवा टॉप होते हुए हुनमान चट्टी की ओर उतरने के लिए चांग गुर्जर हट पार कर सकते हैं।

पोखू देवता

नेटवाड, मोरी से 12 किमी और चकराता से लगभग 69 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। यहां टोंस नदी के दूसरी ओर पोखू देवता का मंदिर स्थित हैं। पोखु देवता मंदिर, कर्ण मंदिर, सरनौल और दुर्योधन मंदिर, सौर सभी तीनों मंदिर एक ही क्षेत्र में स्थित हैं, जो कि देवदार और चीड के जंगलों से घिरे हुए हैं। सभी 14 किलोमीटर के दायरे में स्थित हैं।

कपिल मुनि आश्रम

कपिल मुनि आश्रम मोरी पुरोला से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर एक आकर्षक घाटी के गुंडियात गांव में स्थित है। पुरोला के उत्तर पश्चिम में दस किलोमीटर दूर गुंडियात नामक एक गांव है जोकि समुद्र तल से 4500 फीट ऊपर एक हरी घाटी में स्थित है यहाँ की मुख्य फसल आलू है, जिसमें सभी घरों में काले स्लेट की छतें और छोटी खिड़कियाँ हैं। मान्यता है कि कपिल नामक ऋषि ने भगवान शिव को प्रसन्न करने और वरदान प्राप्त करने के लिए ध्यान लगाया था, जहां शिव प्रकट हुए थे, उस स्थान को चिन्हित कर अब शिवलिंग स्थापित है जिसे कपिलेश्वर महादेव कहा जाता है। वहीं 5 किमी दूर, राम नामक गांव में, यहाँ भगवान राम का प्राचीन मंदिर स्थित है।

कर्ण देवता मंदिर

नेटवाड से सरनौल नामक गाँव तक पहुँचने क लिए डेढ़ मील की चढ़ाई चढनी पड़ती है। यह अपनी शांति और आकर्षण के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि यहां एक समय में एक महान योद्धा राजा रहते थे, जिन्हे भुब्रूवाहन कहा जाता था। कर्ण भुब्रूवाहन का प्रशंसक था, इसलिए तत्कालीन लोगों ने इनकी स्मृति में मंदिर का निर्माण करवाया।

दुर्योधन मंदिर

सौड गाँव मोरी और हर–की–दून रोड पर स्थित है जो नेटवाड से 12 किमी0 दूर स्थित है जहाँ पर लोगों ने भुब्रूवाहन के प्रशंसकों कर्ण और दुर्योधन के मंदिरों का निर्माण उनकी स्मृति में करवाया। भुब्रूवाहन महाभारत के युद्ध में अहम भूमिका निभाते हैं, क्योंकि उन्हें उस तरफ से लड़ना था, जिस तरफ की सेना हार रही हो।

शनि मन्दिर

शनि मन्दिर खरसाली गांव में स्थित है जो जानकी चट्टी से लगभग 1 किमी, यमुनोत्री से 6.5 किमी और हनुमान चट्टी से 8 किमी की दूरी पर है। यहाँ जाने के दो रास्ते हैं जो यमुना नदी के दोनों किनारे से जाते हैं जिसमें से बायें किनारे वाला रास्ता खरसाली जाता है। खरसाली गांव के दोनों ओर दो मन्दिर हैं जो यमुना के भाई, शनि को समर्पित हैं। यह पांच मंजिला पत्थर और लकड़ी से निर्मित मन्दिर में समुद्रतल से 7000 फीट की ऊँचाई पर शनि महाराज की कांस्य प्रतिमा स्थित है।

विश्वनाथ मन्दिर

विश्वनाथ मन्दिर इस क्षेत्र में सबसे प्राचीन मन्दिरों में से एक है जो ऋषिकेश–गंगोत्री मार्ग पर ऋषिकेश से 154 किमी की दूरी पर स्थित है। इस मन्दिर में भगवान शिव की पूरे दिन पूजा–अर्चना की जाती है। विश्वनाथ मन्दिर के प्रागंण के भीतर, मन्दिर के सामने शक्ति मन्दिर है जो शक्ति देवी को समर्पित है। विश्वनाथ के मन्दिर का निर्माण राजा गुणेश्वर के द्वारा किया गया है जिनके पुत्र द्वारा एक 26 फीट ऊचें त्रिशूल का निर्माण करवाया गया है। इस त्रिशूल का आधार 8 फीट 9 इंच है।

अध्याय–3

पलायन की स्थिति

इस अध्याय में जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कराए गए सर्वेक्षण के आधार पर एकत्र किये गये आकड़ों का विश्लेषण कर जनपद में पलायन के कई पहलुओं को सामने लाया गया है।

मुख्य व्यवसाय

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जनपद के ग्रामों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, तत्पश्चात मजदूरी और सरकारी सेवा है। जनपद तथा राज्य में ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आंकड़ों को नीचे दी गई तालिकाएं स्पष्ट करती हैं।

Table: Gram panchayat level main occupation (district average)

जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)						
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	**Total**
Uttarkashi	22.56	55.32	6.23	0.99	9.40	5.50	100.00

Table Gram panchayat level main occupation(State average)

State Name	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)						
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	**Total**
Uttarakhand	32.22	43.59	2.11	2.64	10.82	8.63	100.00

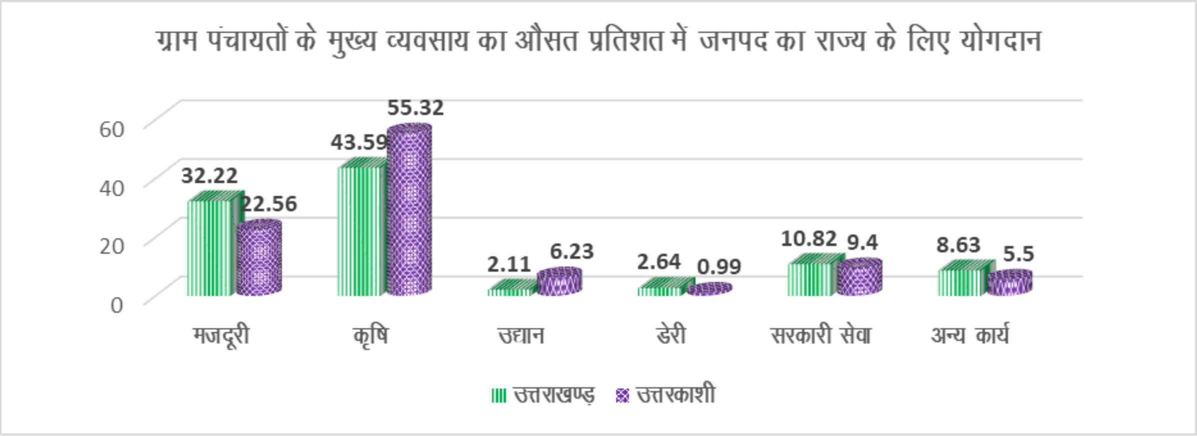

अस्थायी और स्थायी पलायन

इस खण्ड के अन्तर्गत अस्थायी और स्थायी पलायन की जानकारी का मूलरूप से विश्लेषण किया गया है। पिछले 10 वर्षो में (वर्ष 2018 तक) 376 ग्राम पंचायतों से कुल 19893 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में (वर्ष 2018 तक) 111 ग्राम पंचायतों से 2727 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आंकड़ें दर्शातें हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

Table: District and Block wise migrants in last 10 years from gram panchayats

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
Uttarkashi	Bhatwari	72	5,263	3	51
Uttarkashi	Chinalisaur	71	3,169	29	369
Uttarkashi	Dunda	80	4,158	38	1,350
Uttarkashi	Mori	16	260	NA	NA
Uttarkashi	Naugaon	95	4,766	28	702
Uttarkashi	Purola	42	2,277	13	255

State Name	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता होः	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो):
Uttarakhand	6,338	383,726	3,946	118,981

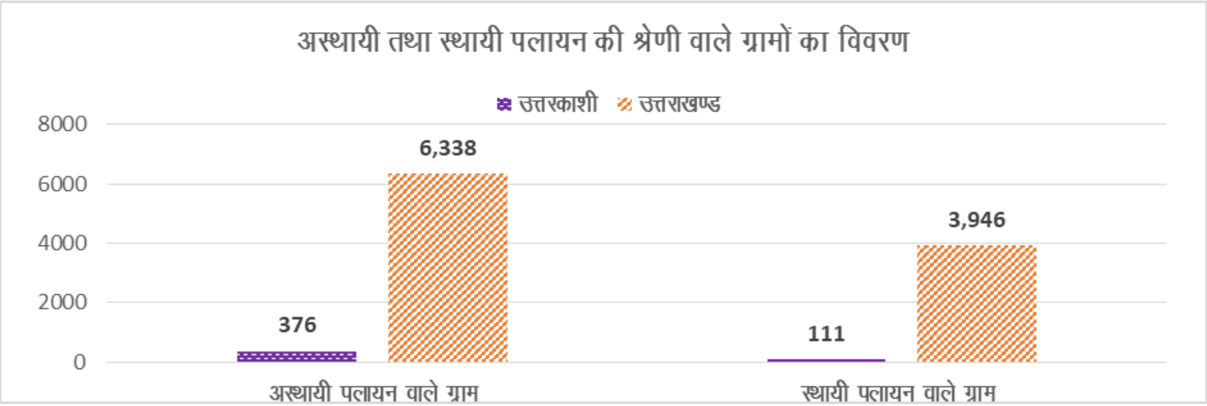

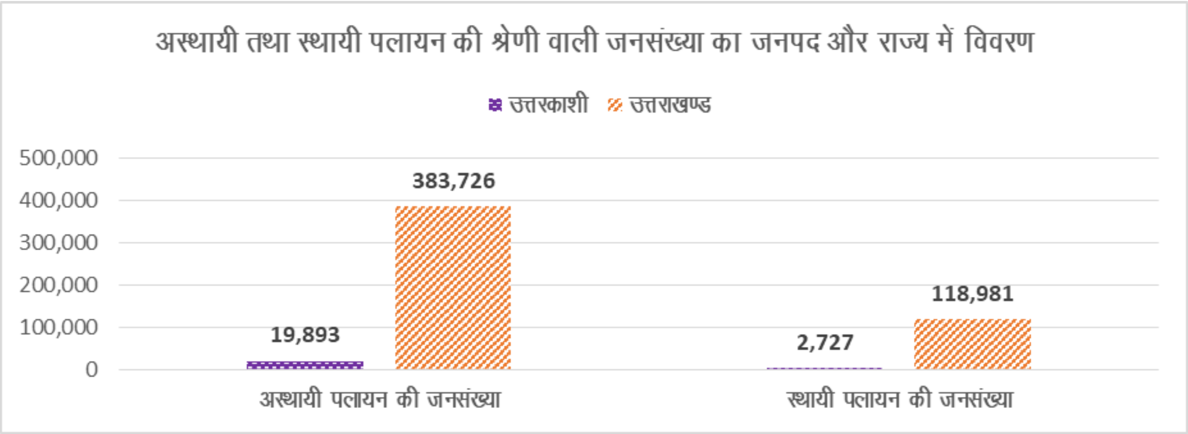

पलायन के मुख्य कारण

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं में कमी है। विस्तृत आंकड़ें नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत है।

Table: District and Block wise main reasons for migration from gram panchayats

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								Total
		आजीविका/रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Uttarkashi	Bhatwari	32.64	1.50	24.64	1.71	9.14	1.43	5.07	23.86	100.00
Uttarkashi	Chinalisaur	26.57	6.29	13.23	2.11	8.90	1.06	4.15	37.68	100.00

Table: District and Block wise main reasons for migration from gram panchayats										Total
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								
		आजीविका/रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Uttarkashi	Dunda	49.23	6.32	17.67	1.14	7.77	3.54	5.70	8.63	100.00
Uttarkashi	Mori	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
Uttarkashi	Naugaon	37.88	7.40	20.95	4.91	7.76	2.53	4.36	14.21	100.00
Uttarkashi	Purola	70.03	4.80	17.82	0.70	1.15	1.68	0.62	3.20	100.00

Table: District wise main reasons for migration from gram panchayats									Total
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								
	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Uttarkashi	41.77	6.04	17.44	2.29	7.14	2.10	4.04	19.17	100.00

Table: State wise main reasons for migration from gram panchayats									Total
State Name	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								
	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता/ पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Uttarakhand	50.16	8.83	15.21	3.74	5.44	2.52	5.61	8.48	100.00

आयु वर्गवार पलायन

इस खण्ड में ग्राम पंचायतों से पलायन करने वालों की आयु का विश्लेषण किया गया है। आकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 36 प्रतिशत पलायन 26 से 35 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया गया है। विभिन्न विकासखण्डों और जनपद की विस्तृत जानकारी निम्न तालिका में दी गई है।

Table: District and Block wise age of migrants from gram panchayats

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	**Total**
Uttarkashi	Bhatwari	38.18	33.09	28.73	100.00
Uttarkashi	Chinalisaur	24.22	34.75	41.03	100.00
Uttarkashi	Dunda	27.77	38.77	33.46	100.00
Uttarkashi	Mori	NA	NA	NA	NA
Uttarkashi	Naugaon	37.73	36.36	25.91	100.00
Uttarkashi	Purola	40.32	38.79	20.89	100.00

Table District and Age wise Migration Status from gram panchayats

जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			**Total**
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
Uttarkashi	30.68	36.56	32.77	100.00

Table State and Age wise Migration Status from gram panchayats

State Code	**State Name**	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			**Total**
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
	Uttarakhand	28.66	42.25	29.09	100.00

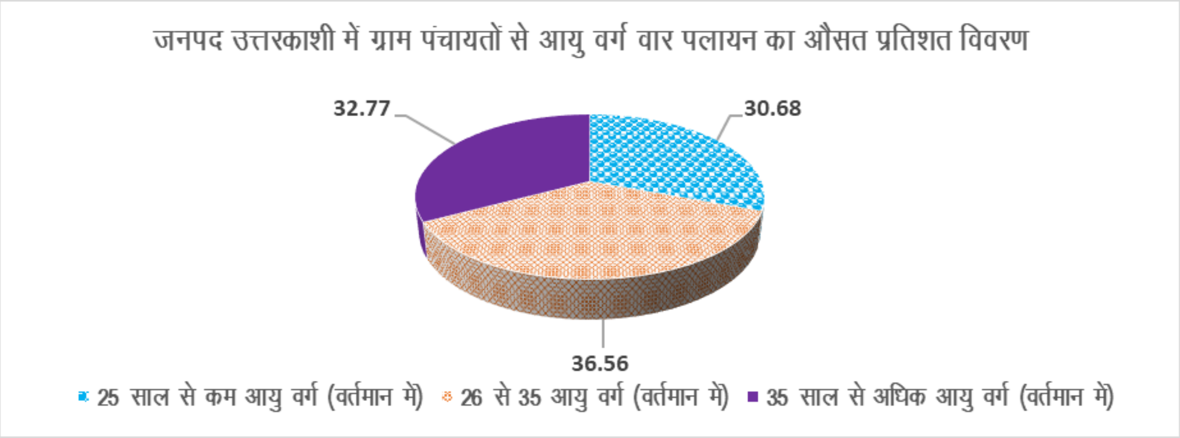

पलायन के गन्तव्य

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गन्तव्य का विश्लेषण कर सामने आये आकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से लगभग 22 प्रतिशत पलायन राज्य के अन्य जनपदों में है जबकि 17 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है। सबसे अधिक पलायन नजदीकी कस्बों में हुआ है (39%)।

Table: District and Block wise destination of migrants from Gram Panchayats

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहाँ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
		नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	**Total**
Uttarkashi	Bhatwari	20.71	41.07	20.43	17.79	0.00	100.00
Uttarkashi	Chinalisaur	41.75	18.91	16.45	22.25	0.64	100.00
Uttarkashi	Dunda	20.71	27.92	24.69	24.49	2.18	100.00
Uttarkashi	Mori	NA	NA	NA	NA	NA	NA
Uttarkashi	Naugaon	64.17	8.03	19.23	8.40	0.17	100.00
Uttarkashi	Purola	49.34	12.28	28.50	9.66	0.22	100.00

Table: District wise destination of migrants from Gram Panchayats

जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहाँ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					**Total**
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Uttarkashi	39.14	20.27	22.37	17.34	0.89	100.00

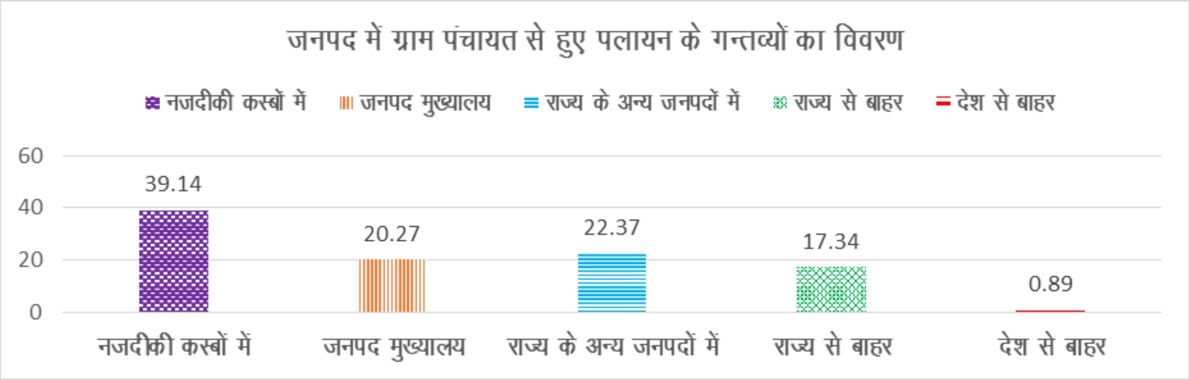

Table: State wise destination of migrants from Gram Panchayats						
State Name	ग्राम पंचायत से पलायन कहाँ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					**Total**
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Uttarakhand	19.46	15.18	35.69	28.72	0.96	100

वर्ष 2011 के बाद निर्जन ग्रामों की संख्या

इस खण्ड में 2011 के बाद निर्जन हुए राजस्व ग्रामों/तोकों/मजरों का विकासखण्डवार एवं जनपदीय सारांश प्रस्तुत किया गया है तथा जिनमें सड़क सुविधा का अभाव, बिजली का अभाव, पेयजल का अभाव और पी.एच.सी उपलब्धता 1 किमी के अन्दर नहीं है, वाले ग्रामों का विवरण निम्न तालिकाओं के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (De-populated After 2011)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम / तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	9
Uttarkashi	Chinalisaur	6
Uttarkashi	Dunda	11
Uttarkashi	Mori	18
Uttarkashi	Naugaon	26

Table: District wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (De-populated After 2011)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	70
Total (state)	**734**

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Not Connected by Road)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	8
Uttarkashi	Chinalisaur	2
Uttarkashi	Dunda	5
Uttarkashi	Mori	11
Uttarkashi	Naugaon	12

Table: District wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Not Connected by Road)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	38
Total(state)	**482**

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Drinking water not within 1Km)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	1
Uttarkashi	Chinalisaur	1
Uttarkashi	Dunda	3
Uttarkashi	Mori	16
Uttarkashi	Naugaon	9

Table: District wise Number of revenue uninhabited villages/toks at Gram Panchayat Level (Drinking water not within 1Km)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	30
Total (State)	**399**

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (PHC not available)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	7
Uttarkashi	Chinalisaur	5
Uttarkashi	Dunda	6
Uttarkashi	Mori	15
Uttarkashi	Naugaon	23

Table: District wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (PHC not available)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	56
Total(state)	**660**

ऐसे ग्राम जहां अन्य दूसरे ग्रामों/कस्बों/तोकों से पिछले 10 वर्षो में लोग पलायन कर निवास कर रहे हैं–

यह भाग उन ग्रामों का जिले एवं विकासखण्डवार संख्या का विवरण प्रस्तुत करता है, जहां दूसरे ग्राम/कस्बों/तोकों के लोग पलायन कर बस गए हैं।

Table: District and Block wise Number of villages where people have in-migrated and settled in last 10 years from other villages/ towns or small towns		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/ कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे हो:
Uttarkashi	Bhatwari	8
Uttarkashi	Chinalisaur	1
Uttarkashi	Dunda	3
Uttarkashi	Mori	1

Table: District and Block wise Number of villages where people have in-migrated and settled in last 10 years from other villages/ towns or small towns		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/ कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे हो:
Uttarkashi	Naugaon	2
Uttarkashi	Purola	1

Table: District wise Number of villages where people have in-migrated and settled in last 10 years from other villages/ towns or small towns	
जनपद का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे हो:
Uttarkashi	16
Total (State)	**850**

ऐसे गांव जहां 2011 की जनगणना के बाद 50% तक पलायन हुआ है–

यह खण्ड उन राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या को जनपद और विकासखण्ड वार सांराश का विवरण प्रस्तुत करता है जिनमें मोटर मार्ग का अभाव, विद्युत का अभाव, एक किमी तक पानी का अभाव, पी0एच0सी0 की अनुपलब्धता, वाले ग्राम शामिल हैं, जिनकी जनसंख्या 2011 के बाद 50 प्रतिशत कम हुई है।

Table: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	4
Uttarkashi	Chinalisaur	6
Uttarkashi	Mori	17
Uttarkashi	Naugaon	29
Uttarkashi	Purola	7

Table: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	63
Total (state)	**565**

Table: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (Not Connected by Road)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	4
Uttarkashi	Chinalisaur	2
Uttarkashi	Mori	9
Uttarkashi	Naugaon	11
Uttarkashi	Purola	6

Table: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (Not Connected by Road)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	32

Table 4: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (Drinking water not within 1Km)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Chinalisaur	2
Uttarkashi	Mori	16
Uttarkashi	Naugaon	8
Uttarkashi	Purola	7

Table: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Drinking water not within 1Km)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	33
Total (State)	**203**

Table: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (PHC not available)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	3
Uttarkashi	Chinalisaur	5
Uttarkashi	Mori	12
Uttarkashi	Naugaon	22
Uttarkashi	Purola	7

Table: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (PHC not available)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	49
Total (State)	**510**

अध्याय–4

ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु जनपद उत्तरकाशी में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण

इस अध्याय के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित किये जा रहे कार्यक्रमों के आंकड़ें प्रस्तुत किये जा रहें है जो कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होंगे।

ग्राम्य विकास विभाग

विभाग द्वारा मनरेगा, आजीविका, विधायक निधि, सांसद निधि, उत्तराखण्ड सीमान्त एवं पिछड़ा विकास क्षेत्र आदि योजनाओं का जनपद में संचालन किया जाता है जिनके आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत दिया जा रहा है।

मनरेगा के तहत विभाग द्वारा कुल रूपये 7358.15 लाख का परिव्यय करते हुए 27.234 मानव दिवस सृजित किये गये जिसके माध्यम से 59584 परिवारों का लाभान्वित किया गया।

आजीविका योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा रूपये 211.46 लाख के सापेक्ष रूपये 209.14 लाख का परिव्यय करते हुए 552 स्वयं सहायता समूहों को गठित करते हुए 13800 परिवरों को समूहो में जोड़ा गया है, जबकि विभाग का लक्ष्य 571 स्वयं सहायता समूहों को गठित करते हुए लाभ पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित था।

उत्तराखण्ड सीमान्त एवं पिछड़ा विकास क्षेत्र योजना में विभाग द्वारा स्वीकृत कुल रूपये 335.22 लाख के सापेक्ष 247.79 लाख की धनराशि का व्यय करते हुए 18 योजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया गया जबकि 7 योजनायें निर्माणाधीन हैं। उक्त सभी योजनाओं के आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित हैं।

ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं का विवरण									
क्र0 सं0	योजना का नाम	वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए जारी धनराशि (लाख में)	जारी की गई कुल राशि की तुलना में खर्च की गई धनराशि (लाख में)	कुल व्यय	लक्ष्य	इकाई	पूर्ति	सृजित मानव दिवस	लाभान्वित परिवार
1	मनरेगा	7358.15	7358.15	7358.15	26.354	मानव दिवस	27.234	27.234	59584
2	आजीविका	211.46	209.14	209.14	571	समूह सं0	552	0	13800
3	पी0एन0ए0वाई / आई0ए0वाई	0	0	0	0	0	0	0	0

4	डी0यू0जी0ए0वाई0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	डी0पी0ए0पी0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	आई0डब्लू0डी0पी0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	उत्तराखण्ड सीमान्त एवं पिछड़ा विकास क्षेत्र	335.22	247.79	247.79	25	योजना सं0	18	0	8 ग्रामों के समस्त परिवार

मनरेगा :– मनरेगा योजना देशव्यापी योजना है, जिसमें देश के हर राज्य के हर जनपद में पंजीकृत मजदूरों को रोजगार दिये जाने की गारण्टी का प्राविधान किया गया है। जनपद उत्तरकाशी के 6 विकासखण्डों एवं 508 ग्राम पंचायतों में विभाग द्वारा कुल 0.856 लाख जॉबकार्ड वितरित किये गये हैं, जिनमें से अभी भी लगभग 13 प्रतिशत जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं, जबकि पंजीकृत कुल 1.791 लाख श्रमिकों में से वर्ष 2019–20 तक लगभग 33 प्रतिशत श्रमिकों को रोजगार से वंचित रखा गया है। इसके लिए विभाग को ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाते हुए सभी जॉबकार्ड धारकों एवं श्रमिकों को आच्छादित करने की सभी विकासखण्डों में कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए जिसके आंकड़ें निम्नवत तालिका के शीर्ष में दिये गये हैं–

ग्राम्य विकास विभाग				
राज्य : उत्तराखण्ड	जनपद : उत्तरकाशी			
विकासखण्ड़ों की कुल संख्या	6			
ग्राम पंचायत की कुल संख्या	508			
जॉब कार्ड				
जारी की गई जॉबकार्ड की कुल संख्या (लाख में)	0.856			
श्रमिकों की कुल संख्या (लाख में)	1.791			
सक्रिय जॉबकार्ड की कुल संख्या (लाख में)	0.745			
सक्रिय श्रमिकों की कुल संख्या (लाख में)	1.194			
(i) सक्रिय श्रमिकों की तुलना में अनुसूचित जाति के श्रमिक (%)	17.79			
(ii) सक्रिय श्रमिकों की तुलना में अनुसूचित जनजाति के श्रमिक (%)	0.571			
II प्रगति	वित्तीय वर्ष 2016–2017	वित्तीय वर्ष 2017–2018	वित्तीय वर्ष 2018–2019	वित्तीय वर्ष 2019–2020
स्वीकृत श्रम बजट (लाख में)	18.01	19.18	29.38	28.354
अब तक सृजित कार्य–दिवस (लाख में)	28.27	30.22	29.76	27.234
कुल एल.बी. का %	156.96	157.53	101.293	96.05
आनुपातिक एल.बी. के अनुसार %	0	0	0	0
कुल कार्य दिवस में अनुसूचित जाति के लोगों का कुल कार्य दिवस का %	17.65	17.91	18.14	17.26
कुल कार्य दिवस में अनुसूचित जनजाति के लोगों का कुल कार्य दिवस का %	0.59	0.68	0.65	0.412
कुल (%) में से महिला कार्य दिवस	51.96	52..31	53.18	52.22

प्रति घर प्रदान किये गये रोजगार के औसत दिन	49.55	53.18	52.78	48.56
प्रतिदिन प्रतिव्यक्तियों औसत मजदूरी दर (रू.)	173.98	175	174.99	181.99
मजदूरी के 100 दिन पूरे किए हाउस होल्ड की कुल संख्या	1796	3264	3634	3966
कुल घरों ने काम किया (लाख में)	0.57	0.57	0.708	0.595
काम करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	0.79	0.80	0.904	0.895
काम करने वाले विकलांग व्यक्तियों की संख्या	78	106	34	395
III कार्य				
शून्य अनुभव के साथ ग्राम पंचायत की संख्या	12	12	0	0
शुरू किए गए कार्यों की कुल संख्या (नया + पिछला रूका हुआ) (लाख में)	0.14	0.15	0.117	0.094
चालू कार्यों की संख्या (लाख में)	0.08	0.07	0.05	0.05
पूरा किए गए कार्यों की संख्या	5129	8789	6922	4239
एन.आर.एम. व्यय का % सार्वजनिक + व्यक्तिगत)	82.79	84.21	86.40	86.74
श्रेणी बी के कार्य का %	10.17	15.52	8.00	21.4
कृषि और कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय का %	84.1	82.22	63.62	59.42

जनपद में वर्ष 2016—17 से वर्ष 2019—20 के मध्य सृजित कार्य—दिवस के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में यह आंकड़ा वर्ष 2016—17 से भी 1.04 लाख कम हुआ है। जनपद के विकासखण्डों के आंकड़ों को देखे तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2019—20 में विकासखण्ड पुरोला (2.91 लाख मानव दिवस), विकासखण्ड मोरी (3.40 लाख मानव दिवस) एवं विकासखण्ड भटवाड़ी (3.66 लाख मानव दिवस), की स्थिति सृजित कार्य—दिवस में प्रगति कम है जिसका वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत ग्राफों में प्रदर्शित किया गया है।

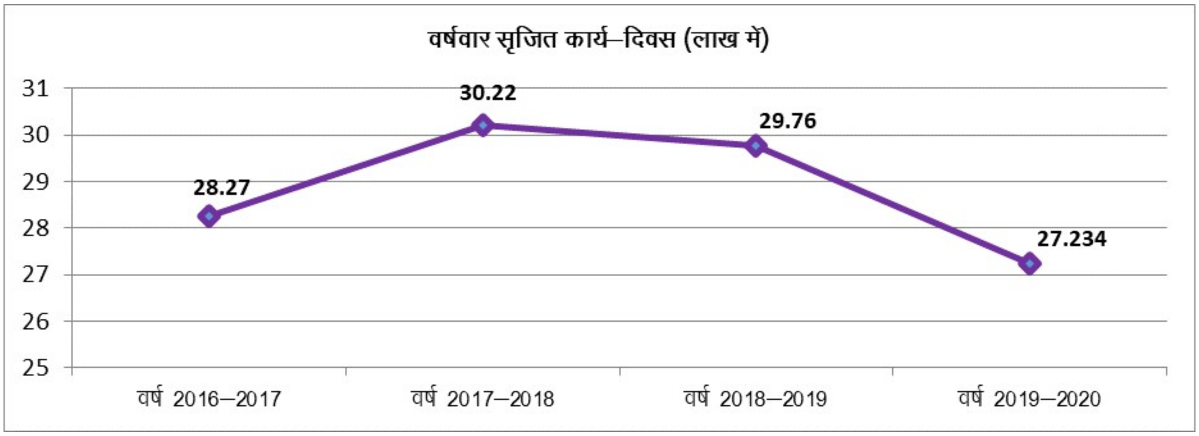

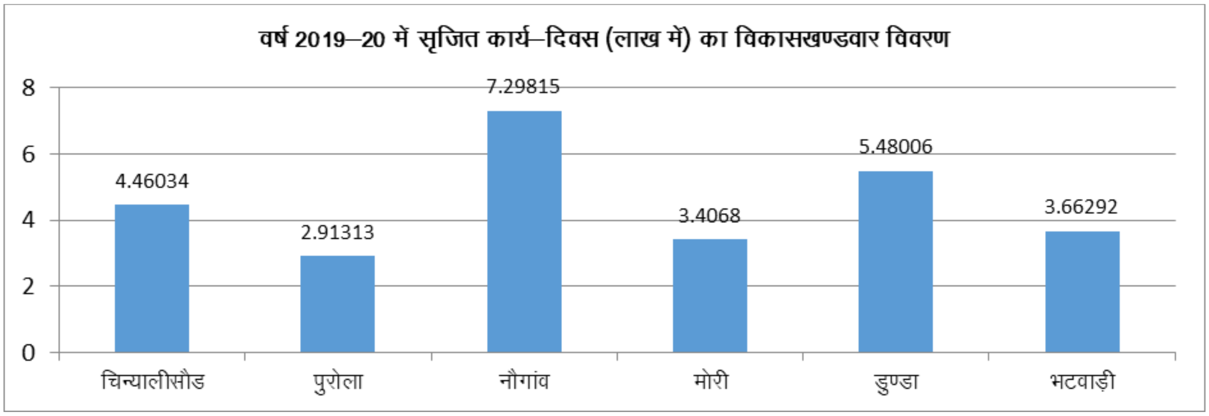

जनपद का वर्षवार कुल लेबर बजट का प्रतिशत साल दर साल घटता चला गया आंकड़ों को देखे तो वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य कुल 60.91 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है, जो जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के हित में नहीं है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफ में दर्शाया गया है–

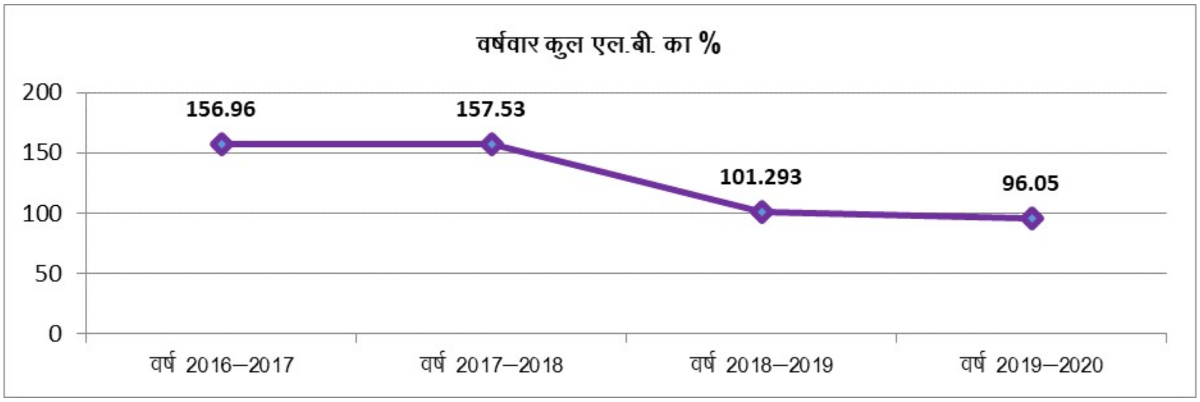

जनपद में मनरेगा के अन्तर्गत कुल कार्य–दिवस में अनुसूचित जनजाति के लोगों का कुल कार्य–दिवसों का प्रतिशत देखे तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2017–18 से निरन्तर गिरावट होती जा रही है वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य यह गिरावट 27 प्रतिशत हो चुकी है। इस आंकड़ें को विकासखण्ड के स्तर से देखे तो स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड चिन्यालीसौड में सबसे कम 0.02 प्रतिशत के माध्यम से अनुसूचित जनजाति के लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जिसके वर्षवार और विकासखण्डवार आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में प्रदर्शित किये गये है–

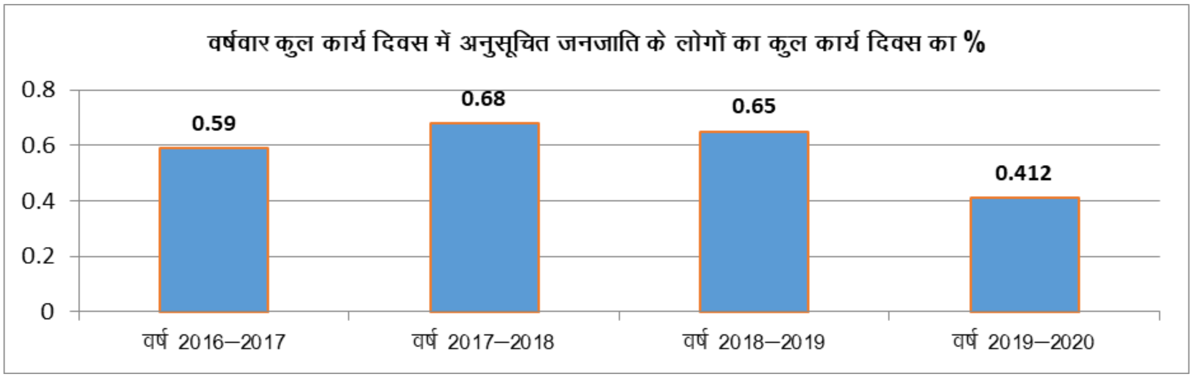

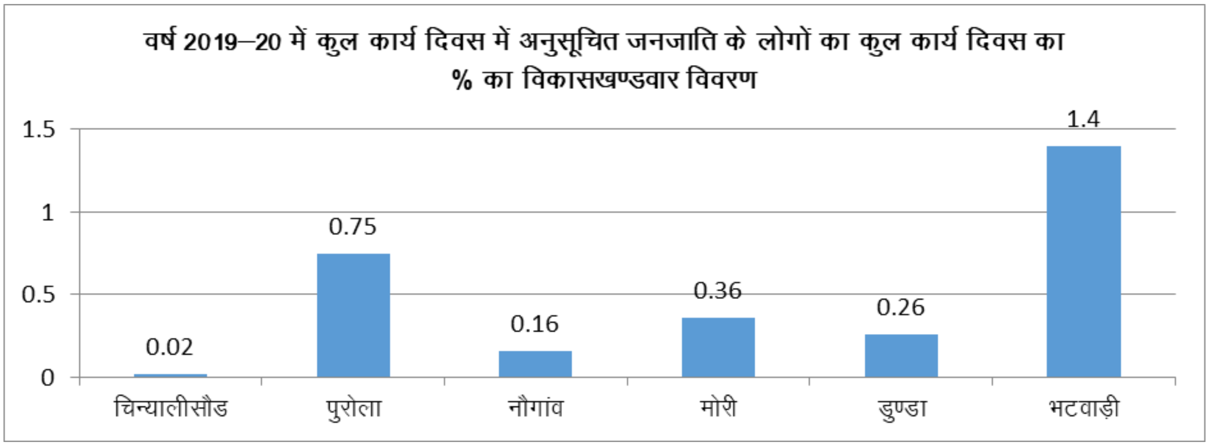

मनरेगा में मजदूरी के 100 दिन पूरे करने वाले परिवारों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में अभी तक पंजीकृत कुल 0.856 लाख परिवारों में से मात्र लगभग 5 प्रतिशत परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया गया है, जो कि बहुत ही न्यून है जिसमें सबसे कम विकासखण्ड मोरी द्वारा 344 के माध्यम से योगदान किया गया है जिसको बढ़ाने के लिए विभाग को ठोस रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि ज्यादा से ज्यादा परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया जा सके। आंकड़ों का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत ग्राफों में दिया गया है–

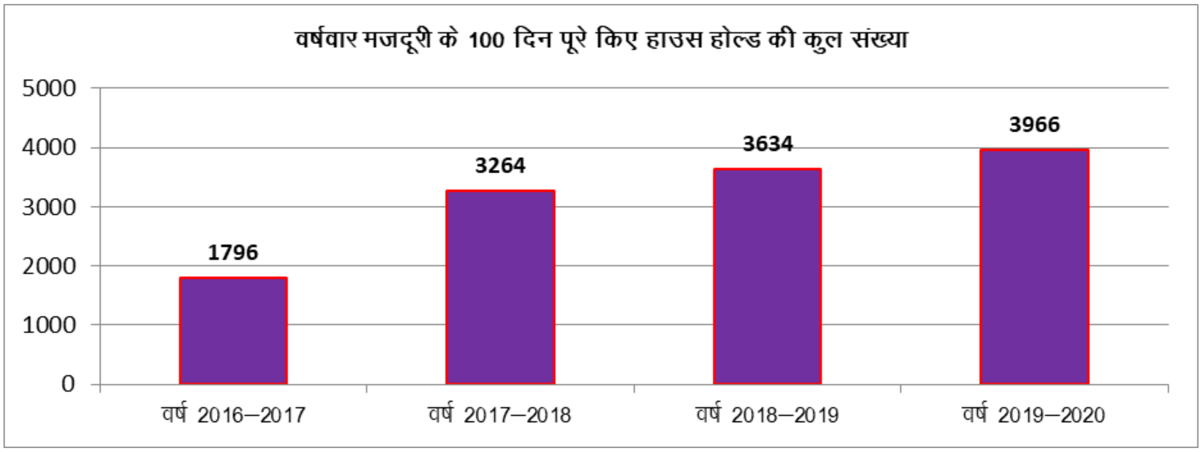

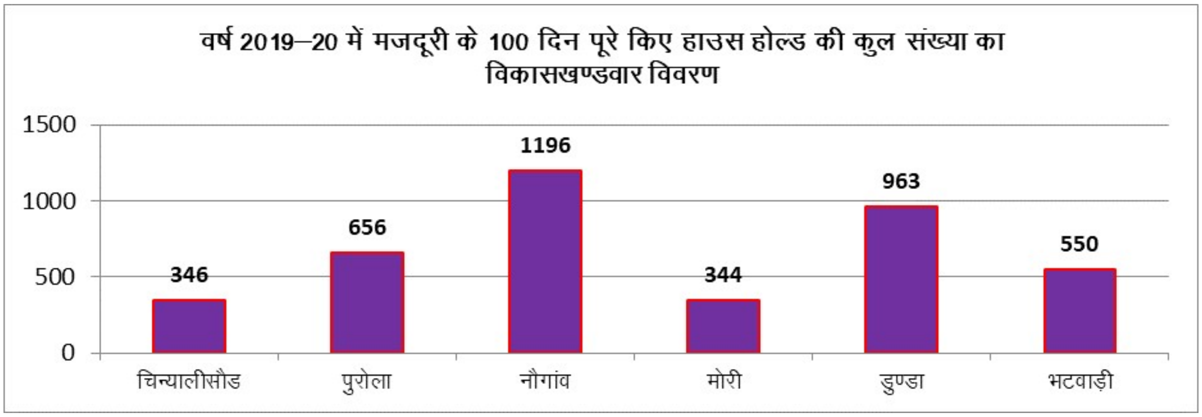

मनरेगा में विकलांग व्यक्तियों द्वारा काम करने के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि जनपद के अन्तर्गत वर्ष 2019–20 में कुल 395 विकलांग व्यक्तियों द्वारा काम किया गया है जो अन्य पिछले वर्षों के मुकाबले अधिक है जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड पुरोला द्वारा 11 विकलांगों के माध्यम से अपना योगदान जनपद को दिया गया, परन्तु विभाग को ध्यान देने की भी आवश्यकता है कि क्या ये सभी विकलांग काम कर रहें हैं या विचौलियों के द्वारा इनके जॉबकार्डों का उपयोग तो नहीं किया जा रहा है। आंकड़ें निम्नवत ग्राफों में प्रदर्शित किये गये हैं–

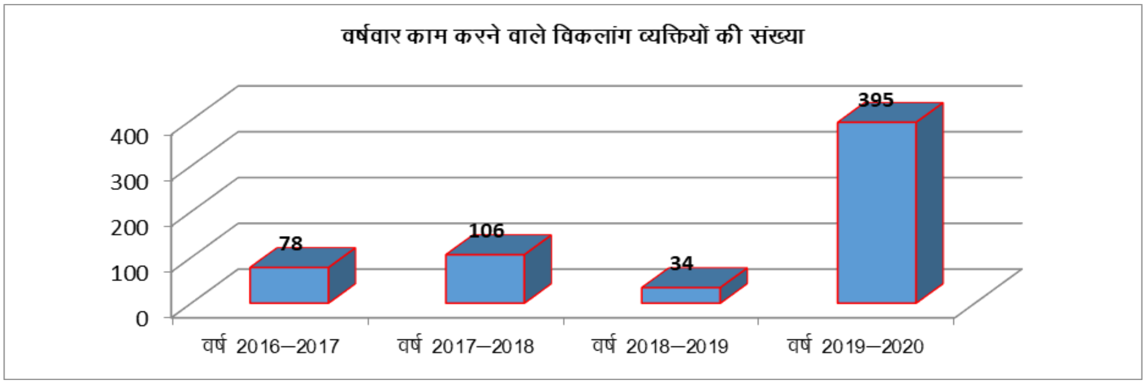

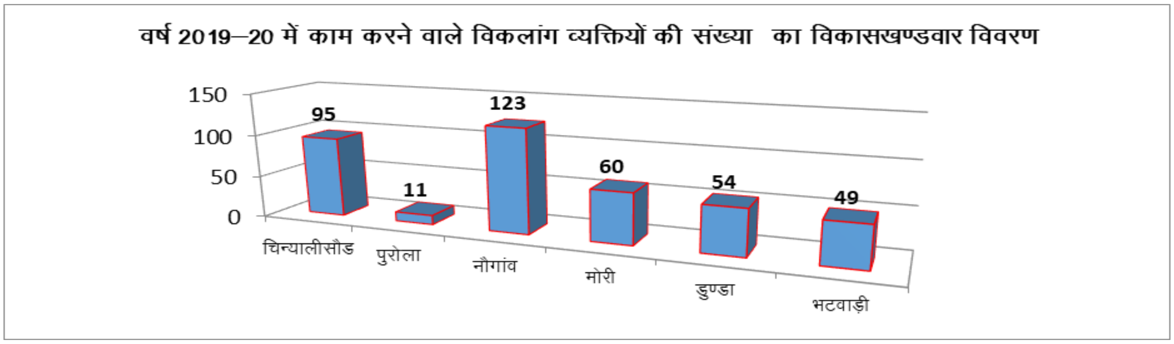

मनरेगा के तहत शुरू किये गये कार्यों की कुल संख्या के आंकड़ों का अध्ययन करें तो स्पष्ट होता है कि वर्ष 2017–18 से उल्लेखित आंकड़ों में निरन्तर गिरावट हो रही है जो वर्ष 2019–20 तक 0.094 लाख रह गया है अर्थात उक्त वर्षों के मध्य 0.06 लाख की कमी कार्यों की कुल संख्या में आया है जिसमें सबसे कम योगदान विकासखण्ड मोरी द्वारा मात्र 1115 लाख के माध्यम से किया गया, जिनके आंकड़ें निम्नवत ग्राफों में प्रदर्शित किये गये हैं–

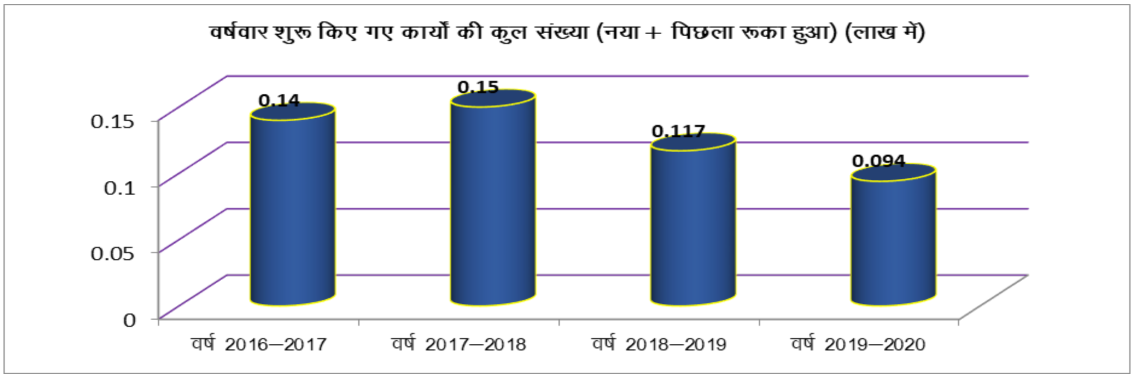

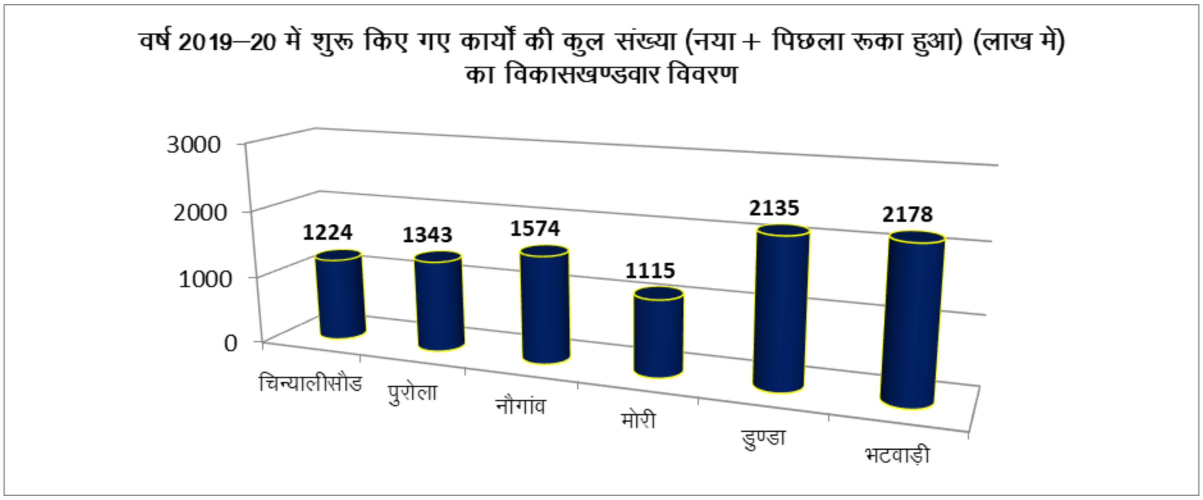

विभाग द्वारा मनरेगा के तहत कुल पूरे किये गये कार्यों की संख्या के आंकड़ों का अध्ययन करे तो स्पष्ट हो जाता है कि वर्ष 2017–18 से उक्त आंकड़ों में गिरावट हुई है जो वर्ष 2019–20 में गिर कर 4239 पर पहुँच जाता है जिसमें सबसे अधिक भागीदारी विकासखण्ड मोरी द्वारा 447 कार्यों के माध्यम से की गयी, जिसका वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत ग्राफों में दर्शाया गया है–

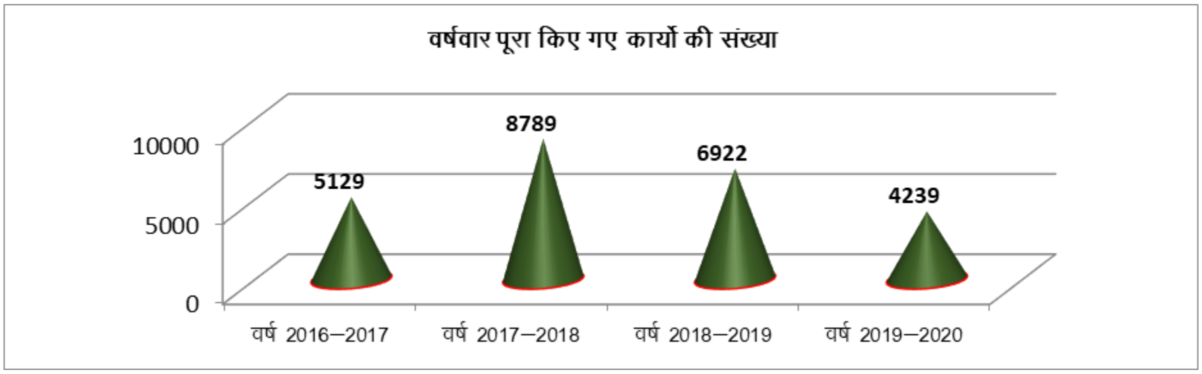

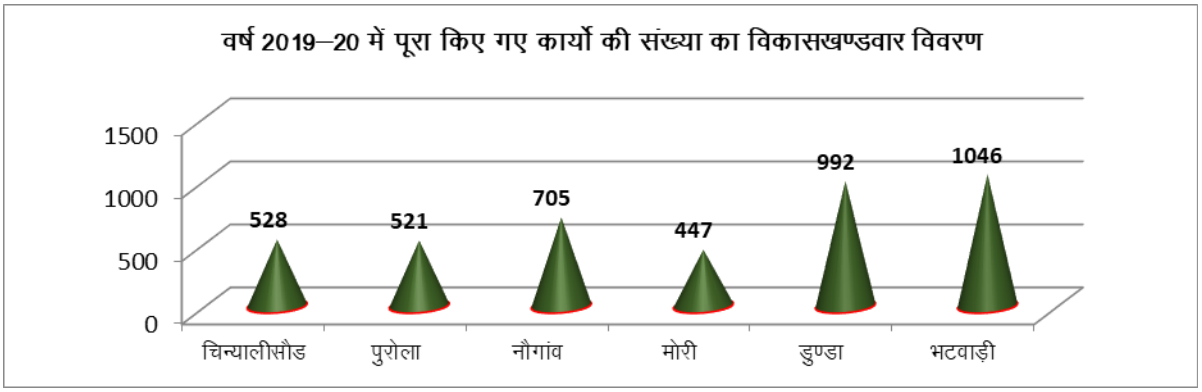

मनरेगा के तहत कृषि और कृषि सम्बद्ध कार्यों पर व्यय का प्रतिशत के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि जनपद में वर्ष 2016–17 से उक्त मद में निरन्तर गिरावट दर्ज हो रही है जो वर्ष 2016–17 से 84.1 प्रतिशत गिर कर वर्ष 2019–20 तक 59.42 प्रतिशत पर आ पहुँचा है, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड मोरी द्वारा 46.53 प्रतिशत के माध्यम से किया जा रहा है। उल्लिखित विवरण जनपद के

ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए उचित नहीं है जबकि जनपद में 55.32 प्रतिशत लोगों का व्यवसाय कृषि ही है। आंकड़ें निम्नवत ग्राफों में उल्लेखित हैं।

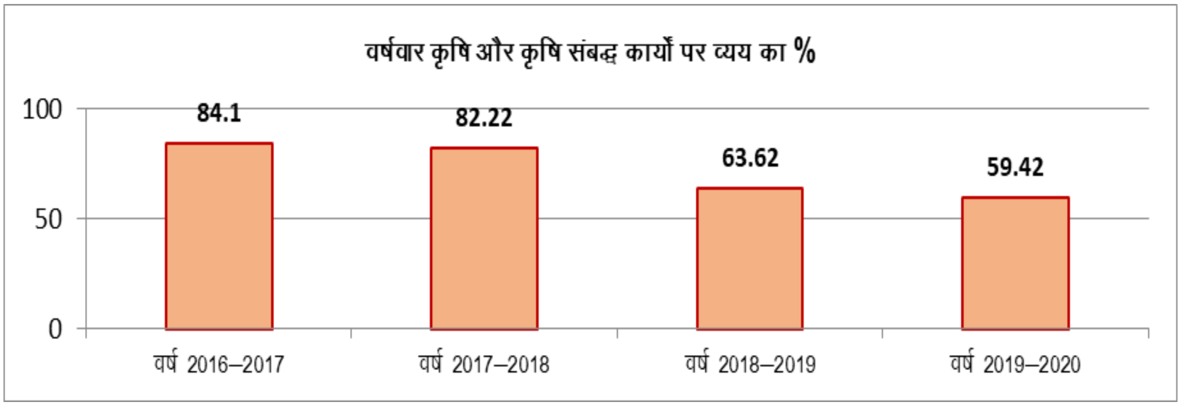

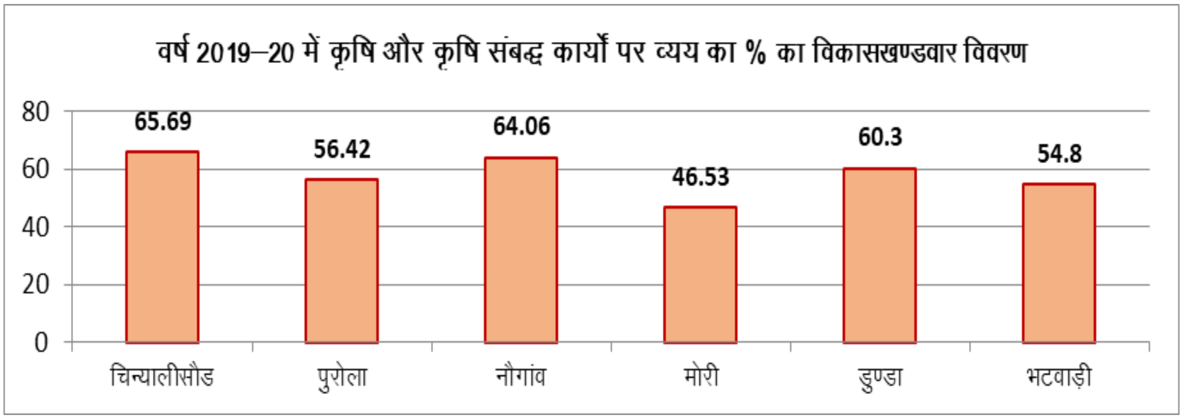

विगत चार वर्षों के मध्य चालू कार्यों की संख्या के आंकड़ों को देखे तो ज्ञात होता है कि जनपद में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य 0.03 लाख चालू कार्यों की संख्या में कमी आई है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड मोरी द्वारा 668 कार्यों के माध्यम से किया गया। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि मनरेगा में काम की मांग में गिरावट आ रही है जबकि भारत सरकार द्वारा 260 कार्यों को मनरेगा के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। आंकड़ें निम्नवत ग्राफों में प्रदर्शित किये गये हैं–

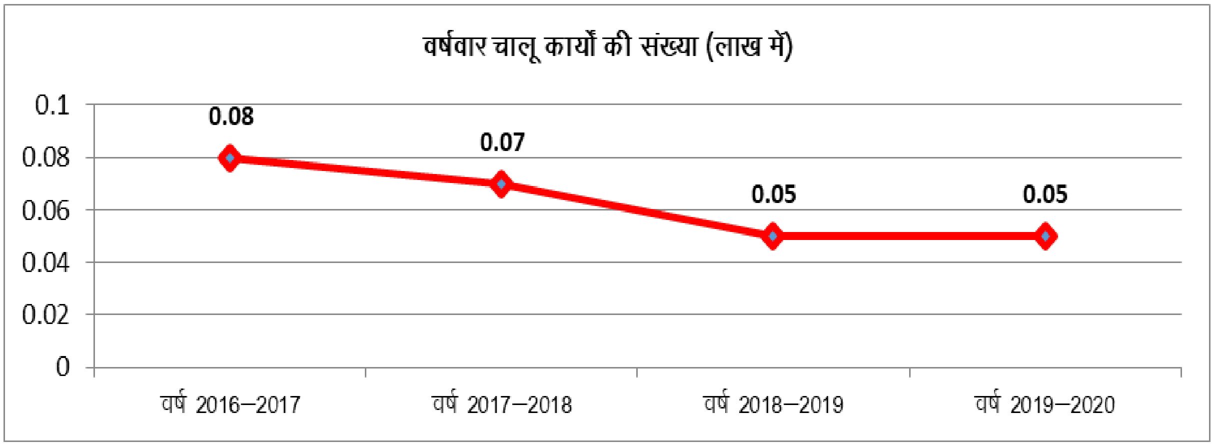

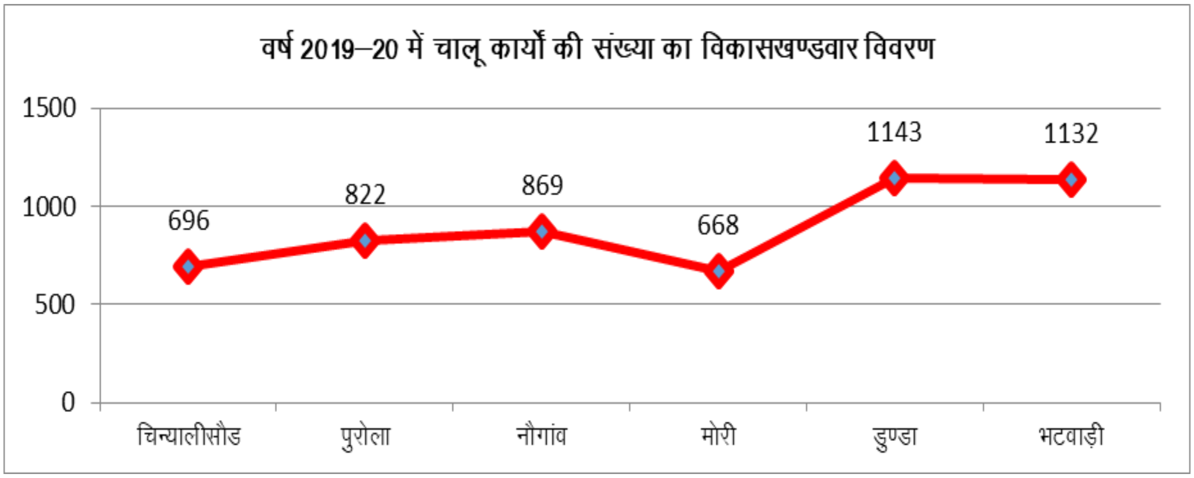

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन :–जनपद में विभाग द्वारा वर्ष 2020–21 में 126 स्वयं सहायता समूह गठित किये गये है जिनमें से 5 रिवाईव किये गये स्वयं सहायता समूह भी सम्मिलित हैं। जनपद में सबसे कम 05 स्वयं सहायता समूह विकासखण्ड भटवाड़ी में गठित किये गये हैं जो कि बहुत कम है। विकासखण्ड डुण्डा के अतिरिक्त अन्य विकासखण्डों की स्थिति अच्छी नहीं है, जिसमें सुधार किया जाना अति अपेक्षित है।

विभाग के माध्यम से जनपद के सभी विकासखण्डों में कुल 552 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विगत सालों में विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत सबसे कम 44 ही स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया, विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए ठोस रणनीति तैयार करनी चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं एवं ग्राफों में दर्शाया गया है।

स्वयं सहायता समूहों का विवरण (2020–21)

क0स0	विकासखण्ड का नाम	नये स्वयं सहायता समूहों की संख्या	रिवाईव किये गये स्वयं सहायता समूहों की संख्या	एन0आर0एल0एम0 से पूर्व
1	भटवाड़ी	5	0	.....
2	डुण्डा	51	2	.....
3	चिन्यालीसौड़	30	0	.....
4	नौगांव	21	2	.....
5	पुरोला	10	1	.....
6	मोरी	9	0	.....
योग		**126**	**5**	

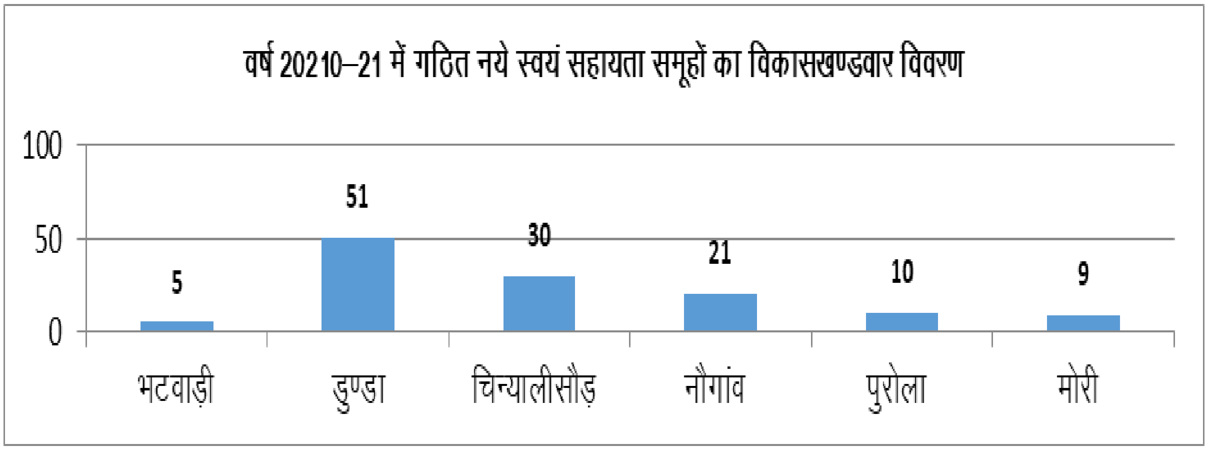

क0स0	विकासखण्ड का नाम	जनपद अन्तर्गत विकासखण्डवार कुल स्थापित स्वयं सहायता समूहों की संख्या	जनपद अन्तर्गत विकासखण्डवार नये स्थापित कियें गयें स्वयं सहायता समूहों की संख्या 2020–21	जनपद अन्तर्गत विकासखण्डवार पुर्नस्थापित/पुर्नजीवित किये गये स्वयं सहायता समूहों की संख्या
1	भटवाड़ी	99	5	0
2	डुण्डा	125	51	13
3	चिन्यालीसौड़	127	30	2
4	नौगांव	44	21	2
5	पुरोला	78	10	1
6	मोरी	79	9	1
योग		**552**	**126**	**19**

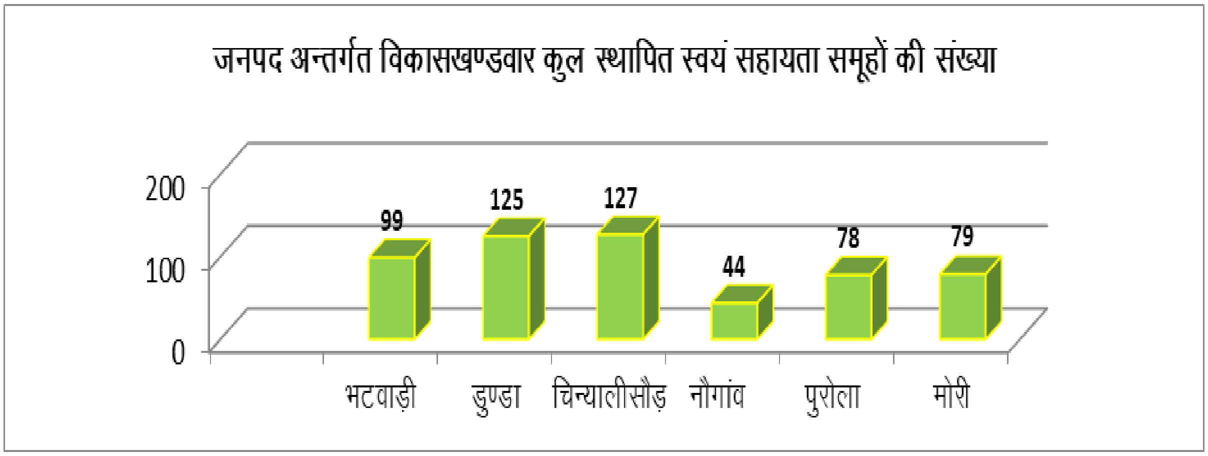

डी0डी0यू0जी0के0वाई0 योजना :– इस योजनान्तर्गत जनपद के मात्र विकासखण्ड भटवाड़ी में ही वर्ष 2020 में ही 30 प्रशिक्षाणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया जबकि विगत सालों में उक्त आंकड़ा शून्य रहा है, परन्तु अन्य विकासखण्ड़ों में डी0डी0यू0जी0के0वाई0 योजना के आंकड़ें उल्लिखित ही नहीं है जिसका विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

डी0डी0यू0जी0के0वाई0 योजना का विवरण विकासखण्ड वार एवं वर्षवार					
क0स0	विकासखण्ड का नाम	PIA'S की संख्या जनपद हेतु आवंटित	प्रशिक्षितों की संख्या		
			2018–19	2019–20	2020–21
1	भटवाड़ी	16	0	0	30

RSETI,s:– इस योजना के माध्यम से जनपद में विगत तीन सालों के मध्य कुल 1402 प्रशिक्षिणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें विकासखण्ड मोरी पिछड़ा रहा है। विकासखण्ड पुरोला और नौगांव की भी स्थिति अच्छी नहीं है। आरसेटी को जनपद के सभी विकासखण्ड़ों में समुचित प्रशिक्षिण देने पर बल देना चाहिए। आधुनिक रूचि के अनुसार व्यवसाय एवं लघु, सूक्ष्म उद्यमों के लिए प्रशिक्षण दिया जाना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए उचित होगा। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दिया गया है–

RSETI,s से सम्बन्धित सूचना				
क0स0	विकासखण्ड का नाम	प्रशिक्षितों की संख्या		
		2018–19	2019–20	2020–21
1	भटवाड़ी	160	158	218
2	डुण्डा	204	177	30
3	चिन्यालीसौड़	102	122	111
4	नौगांव	13	5	30
5	पुरोला	32	9	30
6	मोरी	0	1	0
योग		**511**	**472**	**419**

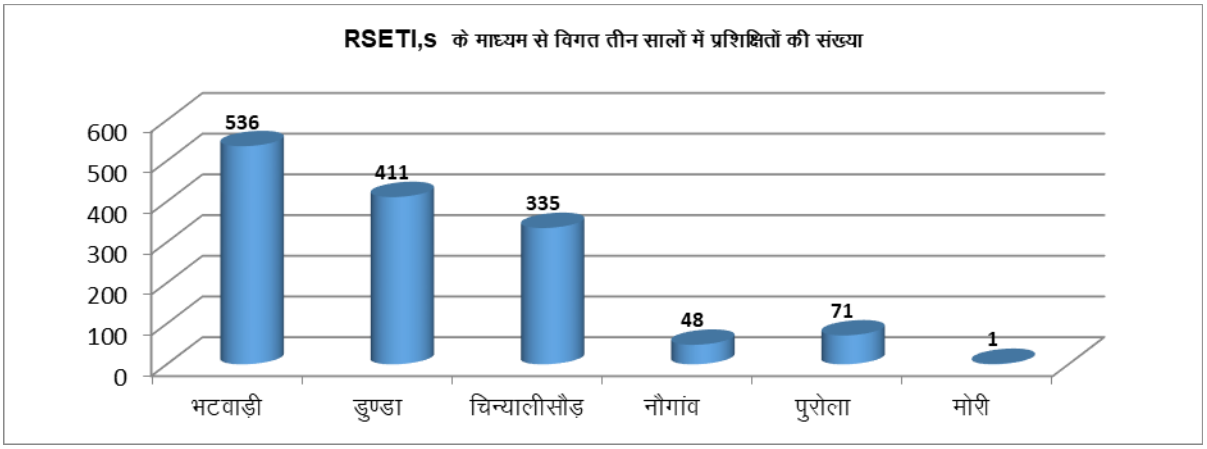

राजकीय कार्यालयों में पदों/मानव संसाधन की अद्यतन प्रास्थिति का विवरण निम्नवत तालिका में दिया गया है।

राजकीय कार्यालयों में पदों/मानवों संसाधन की अद्यतन प्रास्थिति (पद की श्रेणी अनुसार)										
क0स0	विभाग का नाम	अप्रैल 2021–21								
		स्वीकृत पद			भरे पद			रिक्त पद		
		क	ख	ग	क	ख	ग	क	ख	ग
1	गरीबी0 उन्मूलन क्षमता विकास एवं रोजगार प्रकोष्ठ	2	2	14	2	1	8	0	1	6

प्रधानमंत्री आवास योजना :– विभाग द्वारा इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 एवं वर्ष 2017–18 में कुल 560 आवास आंवटित किये गये, जिन सभी में आधारभूत सुविधायें मौजूद हैं जिसके द्वारा 2240 पारिवारिक सदस्यों को लाभान्वित किया गया, आवास योजना का सबसे कम लाभ विकासखण्ड चिन्यालीसौड द्वारा लिया गया। योजना के वर्षवार एवं विकासखण्डवार आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना का विकासखण्डवार विवरण वित्तीय वर्ष – 2016–17														
क0स0	विकासखण्ड का नाम	आवास का क्षेत्रफल	कुल आवंटित आवास	आवास निर्माण में दी गयी आधारभूत सुविधायें										लाभार्थी परिवार के सदस्यों की संख्या
				शौचालय		पानी		विद्युत		छत का प्रकार		गैस/बायोगैस की उपलब्धता		
				है	नही है	है	नही है	है	नही है	कच्चा	पक्का	है	नही है	
1	भटवाडी	25 वर्गमी0	6	6	0	6	0	6	0	0	6	6	0	24
2	डुण्डा	25 वर्गमी0	15	15	0	15	0	15	0	0	15	15	0	60
3	चिन्यालीसौड	25 वर्गमी0	6	6	0	6	0	6	0	0	6	6	0	24
4	नौगांव	25 वर्गमी0	43	43	0	43	0	43	0	0	43	43	0	172
5	पुरोला	25 वर्गमी0	41	41	0	41	0	41	0	0	41	41	0	164
6	मोरी	25 वर्गमी0	210	210	0	210	0	210	0	0	210	210	0	840
	योग–		321	321	0	321	0	321	0	0	321	321	0	1284

प्रधानमंत्री आवास योजना का विकासखण्डवार विवरण वित्तीय वर्ष – 2017–18														
क0स0	विकासखण्ड का नाम	आवास का क्षेत्रफल	कुल आवंटित आवास	आवास निर्माण में दी गयी आधारभूत सुविधायें										लाभार्थी परिवार के सदस्यों की संख्या
				शौचालय		पानी		विद्युत		छत का प्रकार		गैस/बायोगैस की उपलब्धता		
				है	नही है	है	नही है	है	नही है	कच्चा	पक्का	है	नही है	
1	भटवाडी	25वर्गमी0	11	11	0	11	0	11	0	0	11	11	0	44
2	डुण्डा	25वर्गमी0	18	18	0	18	0	18	0	0	18	18	0	72
3	चिन्यालीसौड	25वर्गमी0	7	7	0	7	0	7	0	0	7	7	0	28
4	नौगांव	25वर्गमी0	75	75	0	75	0	75	0	0	75	75	0	300

5	पुरोला	25वर्गमी0	13	13	0	13	0	13	0	0	13	13	0	52
6	मोरी	25वर्गमी0	115	115	0	115	0	115	0	0	115	115	0	460
	योग–		239	239	0	239	0	239	0	0	239	239	0	956

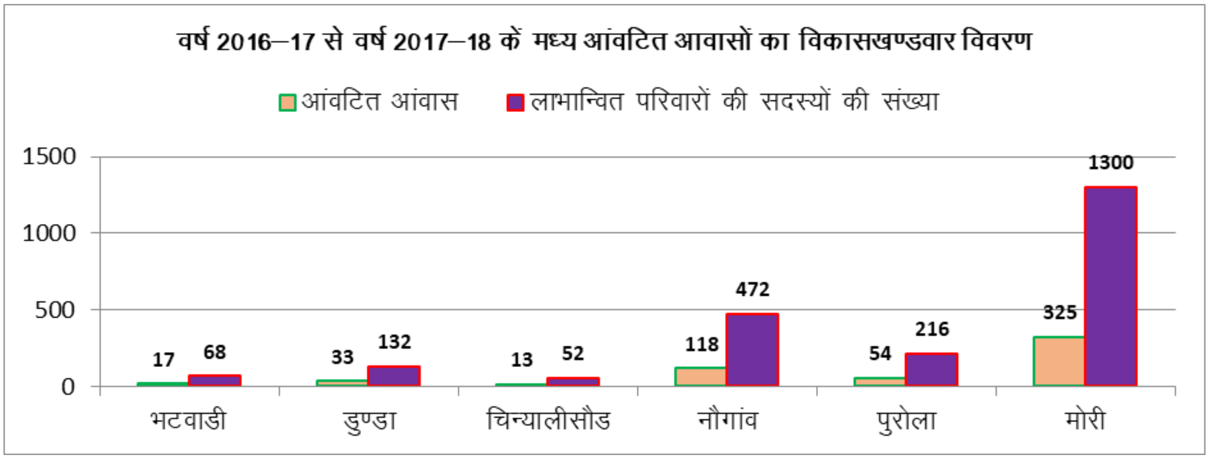

सेवायोजन

जनपद के बेरोजगारों द्वारा सेवायोजन में पंजीकरण का वर्षवार विवरण				
क्र0सं0	वर्ष	पंजीकरण	नवीनीकरण	सक्रिय पंजिका
1	2016	8917	2159	42019
2	2017	9217	2880	40733
3	2018	9296	2263	44530
4	2019	6310	1478	46798
5	2020	6446	433	48828
योग		40186	9213	NA

जनपद में बेरोजगारों द्वारा सेवायोजन में पंजीकरण कराने के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2018 तक बेरोजगारों के पंजीकरण में वृद्धि दिखायी देती है जबकि वर्ष 2018 के पश्चात गिरावट प्रदर्शित होती है। नवीनीकरण के लिए आंकड़ों में वर्ष 2017 से लगातार गिरावट देखी जा सकती है जबकि अन्य जनपदों में बेरोजगारों की संख्या में हर वर्ष वृद्धि हो रही है। इसका तात्पर्य है कि जनपद में बेरोजगारों की पंजीकरण एवं नवीनीकरण करवाने के प्रति रूचि में कमी आ रही है, जिसका विवरण निम्नवत तालिकों से भी स्पष्ट होता है–

जनपद में रोजगार उपलब्धता का वर्षवार विवरण						
वर्ष	रोजगार मेला की संख्या	रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार प्राप्त अभ्यर्थियों की संख्या	आयोजित कैरियर काउन्सिलिंग दिवसों की संख्या	वर्ष में स्थापित कैरियर कॉर्नरों की संख्या	अब तक स्थापित कैरियर कॉर्नरों की संख्या	वार्ताओं में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की संख्या
2016	0	0	20	14	68	927
2017	7	199	30	0	68	1129
2018	7	686	52	0	68	1134
2019	3	375	40	0	68	1416
2020	3	53	20	0	68	566
योग	**20**	**1313**	**162**	**14**	**340**	**5172**

जनपद में विगत चार वर्षों के मध्य 20 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया जिसमें 1313 अभ्यर्थियों को रोजगार दिया गया जिसमें वर्ष 2018 के बाद लगातार गिरावट देखने को मिला है। स्पष्ट होता है कि जनपद में जिन अभ्यर्थियों को रोजगार मिला है वो कम मानदेय/पारिश्रमिक पर मिला हो, जो वर्तमान समय के अनुरूप ना हो जिसके लिए औसत मानदेय/पारिश्रमिक का पुनः निर्धारण तथा रोजगार मेलों में वृद्धि किया जाना उचित होगा। पंजीकरण पर विभाग द्वारा मॉनिटरिंग किया जाना अति अपेक्षित है।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तरकाशी द्वारा जनपद में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं ब्याज उपादान योजना का संचालन करवाया गया जो कि ब्याज उपादान योजना वर्ष 2018–19 से संचालित नहीं है, के आंकड़ें निम्नवत तालिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत हैं–

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का विकासखण्डवार एवं जनपदवार विवरण (धनराशि लाख में)																			
वर्ष	विकासखण्ड														लाभान्वित लाभार्थियों की श्रेणी				
	भटवाड़ी		चिन्यालीसौड़		डुण्डा		नौगांव		पुरोला		मोरी		योग		सामान्य	अनु0 जाति	अनु0 जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	योग
	वितरित धनराशि	रोजगार	वितरित धनराशि	रोजगार	वितरित धनराशि	रोजगार	वितरित धनराशि	रोजगार	वितरित धनराशि	रोजगार	वितरित धनराशि	रोजगार	वितरित धनराशि	रोजगार					
2016–17	47.50	84	0.00	0	19.00	34	0.00	0	17.50	28	3.00	6	87.00	152	9	6	1	9	25
2017–18	103.50	147	37.00	54	22.00	45	0.00	0	0.00	0	3.00	5	165.50	251	19	4	2	14	39
2018–19	99.50	114	30.00	40	3.60	9	0.00	0	0.00	0	0.00	0	133.10	163	22	1	1	4	28
2019–20	43.00	50	38.00	47	13.00	14	35.50	38	10.50	12	0.00	0	140.00	161	17	11	1	0	29
योग	**293.50**	**395**	**105.00**	**141**	**57.60**	**102**	**35.50**	**38**	**28.00**	**40**	**6.00**	**11**	**525.60**	**727**	**67**	**22**	**5**	**27**	**121**

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत विगत चार सालों में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 121 लाभार्थियों पर 525.60 लाख रूपए का परिव्यय करते हुए मात्र 727 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

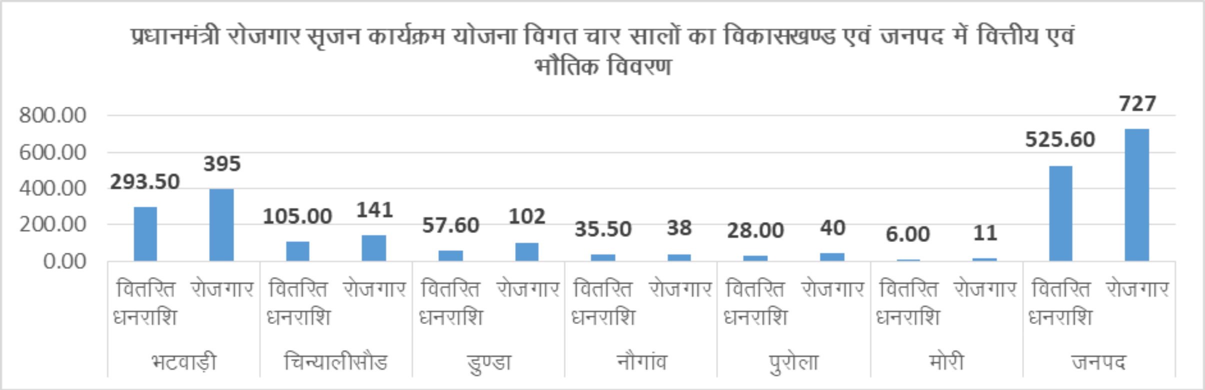

जनपद के विकासखण्ड भटवाड़ी में सबसे अधिक 395 व्यक्तियों तथा विकासखण्ड मोरी में सबसे कम 11 व्यक्तियों को इस योजना के तहत विगत चार सालों में रोजगार दिया गया, जो बहुत ही न्यून है। जिसका विकासखण्डवार वित्तीय एवं भौतिक विवरण उपरोक्त तालिका तथा ग्राफ में दिया गया है।

इस योजना के तहत जनपद में आटा/धान चक्की, रेडिमेड गारमेन्ट, ढाबा, दुग्ध उत्पाद, शटरिंग, पूजा सामग्री निर्माण, अनाज दाल/मसाले प्रशोधन पैंकिंग, फोटोस्टेट, लेमिनेशन, जॉब वर्क, कम्प्यूटर डाटा एन्ट्री, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, फर्नीचर, टैन्ट हाउस, बैल्डिंग वर्क शॉप, मोबाइल रिपेयरिंग, लौह कला, इलैक्ट्रीकल/इलैक्ट्रोनिक उपकरण मरम्मत, आईसक्रीम निर्माण, दो पहिया वाहन सर्विस सेन्टर, ज्वैलरी वर्कस, हौजरी, निटिंग, साइबर कैफे, हथकरघा, टाईल्स/सैनेट्री आदि के लिए सहायता प्रदान की गयी है।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के तहत पर्वतीय जनपदों में प्रचलित व्यवसायों के साथ–साथ पहाड़ी भड्डू चिकन मटन शॉप, पहाड़ी नमक चट्नी शॉप, पहाड़ी शाक भाजी शॉप, पहाडी खाद्यान्न शॉप, पहाड़ी प्राकृतिक गुलाल शॉप, पहाड़ी भोजनालय शॉप, पहाड़ी मिठाई शॉप, पहाड़ी अचार शॉप, पहाडी गारमेन्ट शॉप, पहाडी काष्ठ नकाशी केन्द्र, पहाडी ज्वैलरी शॉप आदि सूक्ष्म लघु उद्यमों को भी बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है।

भेषज विकास

जनपद में भेषज विकास इकाई द्वारा विगत चार सालों में कूठ, बड़ी–इलाइची, कुटकी और अतीस के कुल 1046335 पौधों का रोपण करते हुए 1023.50 नाली भूमि को आच्छादित किया गया जिससे 566 किसानों को जड़ी–बूटी उत्पादन करने के क्षेत्र से जोड़ा गया। आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद में जड़ी–बूटी उत्पादन के प्रति किसानों में रूचि का बढ़ना उक्त क्रियाकलाप तथा व्यवसाय में रोजगार की अपार सम्भावनाओं की ओर इशारा करता है जिसे जनपद में बढ़ाया जाना उचित होगा।

जनपद अन्तर्गत जड़ी–बूटी कृषिकरण/वृक्षारोपण का वर्षवार विवरण											
वर्ष	कृषिकरण				वृक्षारोपण				कूल (कृषिकरण+वृक्षारोपण)		
	रोपित प्रजाति का नाम	कृषक संख्या	रोपित पौध संख्या	आच्छादित क्षेत्रफल नाली में	रोपित प्रजाति का नाम	कृषक संख्या	रोपित पौध संख्या	आच्छादित क्षेत्रफल नाली में	कृषक संख्या	रोपित पौध संख्या	आच्छादित क्षेत्रफल नाली में
2016–17	कूठ	**56**	**32175**	**58.50**	**0**	**0**	**0**	**0.00**	**56**	**32175**	**58.50**
2017–18	बडी–इलायची	124	10480	131.00	0	0	0	0.00	124	10480	131.00
	कुटकी	36	144180	65.50	0	0	0	0.00	36	144180	65.50
योग		**160**	**154660**	**196.50**	**0**	**0**	**0**	**0**	**160**	**154660**	**196.50**
2018–19	कूठ	97	155000	285.00	0	0	0	0.00	97	155000	285.00
	कुटकी	84	248000	113.00	0	0	0	0.00	84	248000	113.00
	कूठ(भेषज संघ)	9	9350	17.00	0	0	0	0.00	9	9350	17.00
योग		**190**	**412350**	**415.00**	**0**	**0**	**0**	**0**	**190**	**412350**	**415.00**
2019–20	कूठ	88	127050	231.00	0	0	0	0.00	88	127050	231.00
	कुटकी	40	168300	46.00	0	0	0	0.00	40	168300	46.00
	अतीस	32	151800	76.50	0	0	0	0.00	32	151800	76.50
योग		**160**	**447150**	**353.50**	**0**	**0**	**0**	**0.00**	**160**	**447150**	**353.50**
महायोग		**566**	**1046335**	**1023.50**	**0**	**0**	**0**	**0.00**	**566**	**1046335**	**1023.50**

जनपद में हरेला के तहत कृषिकरण एवं वृक्षारोपण के अन्तर्गत पिछले चार सालों में बड़ी–इलायची, तेजपात तथा रूद्राक्ष के 87 पौधों का रोपण 3.50 नाली पर करवाया गया जो कि बहुत न्यून है जबकि बड़ी–इलाइची, तेजपात और रूद्राक्ष की बाजारों में अधिक मांग है। इसके लिए सर्वेक्षण कर क्षेत्र विशेष को विकसित करवाया जाना चाहिए।

भेषज इकाई द्वारा जनपद में जड़ी–बूटी उत्पादन का विस्तार करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनका वर्षवार विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित है जिनके आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के मात्र विकासखण्ड भटवाड़ी के 3 ग्राम एवं विकासखण्ड, डुण्डा के 2 ग्रामों में 264 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया जबकि जनपद के अन्य विकासखण्डों के साथ–साथ वर्ष 2019–20 में प्रशिक्षण के आंकड़ें शून्य रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक होगा।

उद्योग

बीस सूत्रीय कार्यक्रमः– सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम–2015 के अन्तर्गत विगत चार सालों में 630 इकाईयां स्थापित की गयी जिन पर 1401 लाख रूपये का पूँजी विनियोजन करते हुए 655 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम–2015 के तहत स्थापित इकाईयां का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण (धनराषि लाख में)					
वर्ष	विकास खण्ड	वर्षिक लक्ष्य	स्थापित इकाई	पूँजी विनियोजन	रोजगार
2017–18	भटवाडी	**145**	75	342	182
	डुण्डा		22	151	62
	चिन्यालीसौड		12	42	17
	नौगॉव		9	133	61
	पुरोला		20	59	49
	मोरी		7	75	26
	जनपद योग		**145**	**802**	**397**
2018–19	भटवाडी	**160**	42	446	145
	डुण्डा		40	157	126
	चिन्यालीसौड		25	165	74
	नौगॉव		23	84	73
	पुरोला		23	100	65
	मोरी		7	12	12
	जनपद योग		**160**	**964**	**495**
2019–20	भटवाडी	**170**	69	605	229
	डुण्डा		37	454	169
	चिन्यालीसौड		31	127	128
	नौगॉव		21	122	59
	पुरोला		14	63	41
	मोरी		7	30	29
	जनपद योग		**179**	**1401**	**655**

उद्योग केन्द्र उत्तरकाशी के द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम–2015 के अन्तर्गत विगत चार सालों के मध्य आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है विकासखण्ड भटवाड़ी में सबसे अधिक 249 इकाई स्थापित करने में रूपये 1705 लाख का विनियोजन करते हुए 718 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जबकि विकासखण्ड मोरी में सबसे कम 22 इकाई स्थापित करने में रूपये 125 लाख का विनियोजन करते हुए 69 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया जो बहुत कम है जिसका विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ से स्पष्ट होता है–

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम–2015 के तहत स्थापित इकाईयां का विगत चार सालों विकासखण्डवार विवरण (धनराषि लाख में)			
विकास खण्ड	स्थापित इकाई	पूँजी विनियोजन	रोजगार
भटवाडी	249	1705	718
डुण्डा	143	991	478
चिन्यालीसौड	78	385	237
नौगॉव	61	382	212
पुरोला	77	285	195
मोरी	22	125	69
जनपद योग	**630**	**3873**	**1909**

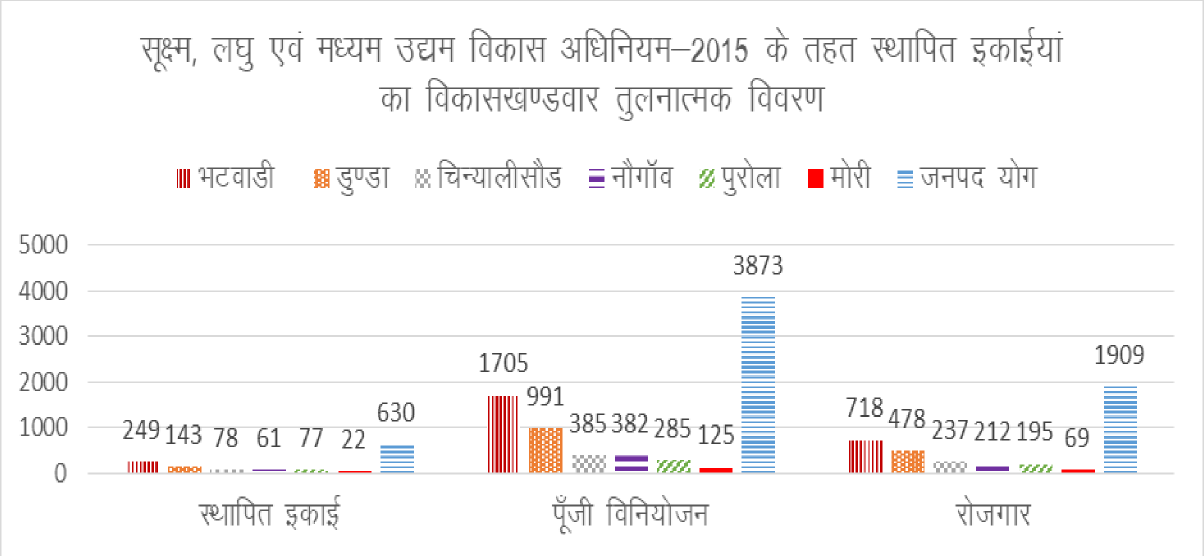

जनपद के अन्य विकासखण्ड़ों की स्थिति भी ज्यादा अच्छी नहीं है अर्थात उद्योग केन्द्र को सभी विकासखण्ड़ों में ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना :– ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों को स्वरोजगार हेतु रोजगार के नये–नये अवसर उपलब्ध करवाने तथा विभिन्न वर्गों एवं क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15 अगस्त, 2008 से क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना को आरम्भ किया है। विभाग द्वारा विगत चार सालों में 185 इकाईयां स्थापित की गयी जिन पर 244.3 लाख रूपये का पूँजी विनियोजन करते हुए 725 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जिसके आंकड़ें निम्नवत तालिका में दर्शाये गये हैं–

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत स्थापित इकाईयां का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण (धनराषि लाख में)				
वर्ष	विकासखण्ड का नाम	स्थापित इकाई	मा0 मनी धनराशि	रोजगार
2017–18	भटवाड़ी	8	9.10	45
	डुण्डा	2	0.00	0
	चिन्यालीसौड़	7	2.45	4
	नौगांव	4	2.18	2
	पुरोला	16	15.05	72
	मोरी	4	2.59	4
	जनपद योग	**41**	**31.82**	**127**
2018–19	भटवाड़ी	18	25.08	64
	डुण्डा	5	8.63	16
	चिन्यालीसौड़	11	17.36	88
	नौगांव	14	1.72	8
	पुरोला	26	16.55	70
	मोरी	5	45.77	104
	जनपद योग	**79**	**115.83**	**350**
2019–20	भटवाड़ी	14	30.43	60
	डुण्डा	6	8.05	12
	चिन्यालीसौड़	4	14.22	26
	नौगांव	2	4.74	10
	पुरोला	4	5.95	16
	मोरी	0	0.00	0
	जनपद योग	**30**	**63.39**	**124**

उद्योग केन्द्र उत्तरकाशी के द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15 अगस्त, 2008 से क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना के अन्तर्गत विगत चार सालों में स्थापित किये गये इकाईयों से सम्बन्धित आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड पुरोला में सबसे अधिक 53 इकाई स्थापित करने में रूपये 42.41 लाख का विनियोजन करते हुए 182 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जबकि विकासखण्ड मोरी में सबसे कम 13 इकाई स्थापित करने में रूपये 53.79 लाख का विनियोजन करते हुए

130 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया जो बहुत कम है जिसका विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ से भी स्पष्ट होता है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत विगत चार सालों में स्थापित इकाईयां का विकासखण्डवार विवरण (धनराशि लाख में)			
विकास खण्ड	स्थापित इकाई	पूँजी विनियोजन	रोजगार
भटवाड़ी	46	69.49	190
डुण्डा	16	20.01	40
चिन्यालीसौड़	27	36.68	129
नौगांव	30	20.75	54
पुरोला	53	42.41	182
मोरी	13	53.79	130
जनपद योग	**185**	**244.3**	**725**

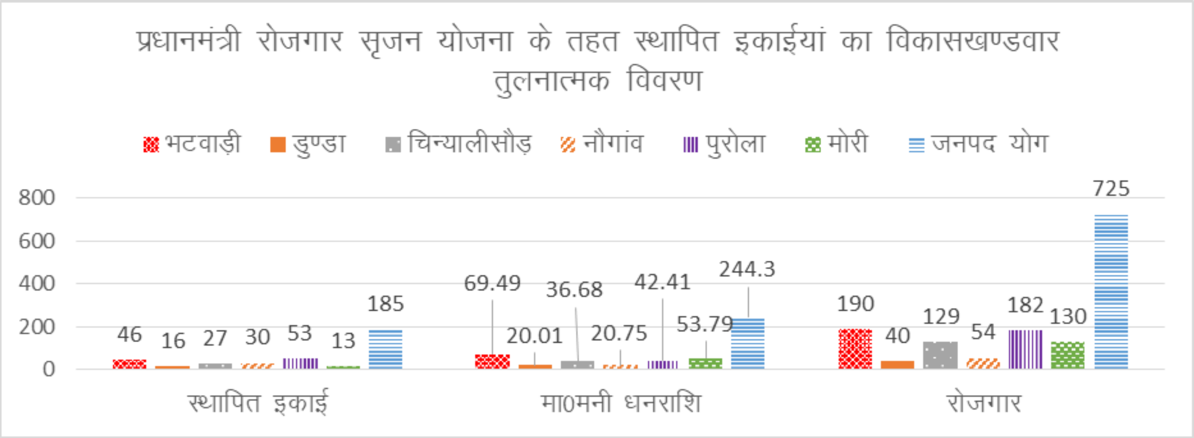

पर्वतीय क्षेत्रों में औद्योगिक प्रोत्साहन हेतु राज्य पूँजी उपादान/ब्याज उपादान सहायता :– विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति–2008 (यथासंशोधित–2011) के अन्तर्गत विभाग द्वारा मात्र 02 इकाईयों को विकासखण्ड भटवाडी में स्थापित करते हुए 17 लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जो कि बहुत ही न्यून है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम 2015 के अन्तर्गत राज्य पूँजी उपादान/ब्याज उपादान सहायता :– सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नीति–2015 के अन्तर्गत उद्योग केन्द्र द्वारा जनपद में 06 इकाईयॉ स्थापित की गयी हैं जिनके माध्यम से 37 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया। उक्त योजना का भी जनपद में कोई उन्नत परिणाम देखने को नहीं मिला जिसका विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

क्र0सं0	वर्ष	विकास खण्ड	स्थापित इकाईयों की सं0	रोजगार
1	2016—17	भटवाडी	1	6
2	2017—18	—	—	—
3	2018—19	भटवाडी	3	20
	2018—19	डुण्डा	1	9
4	2019—20	चिन्यालीसौड	1	2

उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम :—उद्योग विभाग द्वारा उद्यम को प्रारम्भ करने हेतु वांछित जानकारी एवं उद्यमों के सफल प्रबन्धन एंव विपणन सम्बन्धित समस्त जानकारी दिये जाने हेतु उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विगत चार सालों में 51 दो दिवसीय तथा 06 तीन साप्ताहिक प्रशिक्षणों को आयोजित करते हुए 1879 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया।

वर्ष	विकास खण्ड	दो दिवसीय कार्यक्रम	तीन साप्ताहिक कार्यक्रम	प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की सं0
2017—18	भटवाडी	2	0	71
	डुण्डा	5	0	213
	चिन्यालीसौड	2	0	53
	नौगॉव	1	0	28
	पुरोला	3	2	130
	मोरी	1	0	27
	जनपद योग	**14**	**2**	**469**
2018—19	भटवाडी	2	0	60
	डुण्डा	2	0	80
	चिन्यालीसौड	1	0	25
	नौगॉव	1	0	24
	पुरोला	2	0	65
	मोरी	1	0	30
	जनपद योग	**9**	0	**284**
2019—20	भटवाडी	1	1	137
	डुण्डा	2	0	55

	चिन्यालीसौड	2	0	60
	नौगॉव	1	0	20
	पुरोला	2	2	110
	मोरी	0	0	0
	जनपद योग	**8**	**3**	**382**
विगत चार वर्षों का विवरण	भटवाडी	9	2	435
	डुण्डा	11	0	422
	चिन्यालीसौड	11	0	410
	नौगॉव	5	0	174
	पुरोला	10	4	397
	मोरी	5	0	134
	जनपद योग	**51**	**6**	**1879**

उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी के अन्य विकासखण्डों को छोडकर सिर्फ विकासखण्ड भटवाड़ी में 02 और विकासखण्ड पुरोला में 04 त्रिसाप्ताहिक उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, जबकि दो दिवसीय प्रशिक्षण में भी सभी विकासखण्डों का कोई विशेष प्रतिभाग अच्छा नहीं रहा। ज्यादा समय के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के स्थान पर छोटे समय वाले प्रशिक्षण में ग्रामीणों की रूचि देखी जा सकती है प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढाने की आवश्यकता है।

एकीकृत हस्तशिल्प विकास एवं प्रोत्साहन योजनान्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमः– इस कार्यक्रम के तहत जनपद के विकासखण्ड भटवाड़ी एवं डुण्डा में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये गये जिसमें विकासखण्ड डुण्डा तथा भटवाड़ी के अन्तर्गत 13–13 प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करवाते हुए 840 लाभार्थियों को कलात्मक शॉल, रिंगाल क्राफ्ट, कालीन क्राफ्ट, काष्ठ क्राफ्ट, क्रोशिया क्राफ्ट, नमदा आदि शिल्पों से विगत वर्षों में प्रशिक्षित किया गया।

पर्यटन

वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजनाः– उत्तराखण्ड़ राज्य के निवासियों एवं मुख्य रूप से युवावर्ग को पर्यटन सैक्टर में अधिकाधिक स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड़ राज्य सरकार द्वारा विभाग के माध्यम से संचालित करवाई जा रही वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजनान्तर्गत जनपद उत्तरकाशी में विभिन्न बैंकों से ऋण के माध्यम से पर्यटन व्यवसाय हेतु टेरेन बाईक्स, ट्रैकिंग उपकरण केन्द्र, स्टार गेजिंग, स्मरणीय वस्तु संग्रहालय, केरावैन/मोटर होम टूरिज्म, क्याकिंग, टैन्टेज आवासीय सुविधा, फ्लोटिंग होटल, बेकरी, लॉन्ड्री, फास्ट फूड केन्द्र, मोटर वर्कशॉप, बस व टैक्सी क्रय, आदि विभिन्न प्रकार की इकाइयों की स्थापना किये जाने का प्राविधान किया गया है।

वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के तहत जनपद उत्तरकाशी का वर्षवार विवरण												
क्र0सं0	वर्ष	लक्ष्य	विधानसभा गंगोत्री		विधानसभा यमुनोत्री		विधानसभा पुरोला		जनपद योग			
			लाभार्थियों की संख्या	व्यय धनराशि (लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	व्यय धनराशि (लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	व्यय धनराशि (लाख में)	वाहन	गैर वाहन	लाभार्थियों की संख्या	व्यय धनराशि (लाख में)
1	2016-17	16	5	51.83	3	22.37	3	20.94	9	2	11	95.14
2	2017-18	16	9	119.98	4	41.23	1	7.38	12	2	14	168.59
3	2018-19	16	12	105.09	12	147.59	1	25	22	3	25	277.68
4	2019-20	12	11	128.72	3	81.68	1	8.92	13	2	15	219.32
योग		**60**	**37**	**405.62**	**22**	**292.87**	**6**	**62.24**	**56**	**9**	**65**	**760.73**

विगत चार सालों में इस योजना से 65 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए 760.73 लाख का परिव्यय किया गया। योजना से हर वर्ष वाहन मद में अधिक लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है जबकि पिछले चार सालों में गैर वाहन मद में मात्र 9 लाभार्थियों का लाभांश दिया गया है। विगत चार सालों में गंगोत्री विधान सभा में सबसे अधिक 37 तथा सबसे कम पुरोला विधान सभा में 6 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है जिसका विवरण उपरोक्त तालिका में दिया गया है।

जनपद उत्तरकाशी में विकासखण्डवार होमस्टे योजना का वर्षवार विवरण			
क्र0सं0	वर्ष	विकासखण्ड	पंजीकृत / निर्मित होमस्टे इकाईयां
1	2017—18	भटवाड़ी	7
2		डुण्डा	1
3		मोरी	11
जनपद योग			**19**
1	2018—19	भटवाड़ी	20
2		मोरी	7
जनपद योग			**27**
1	2019—20	भटवाड़ी	58
2		डुण्डा	2
3		मोरी	74
4		नौगांव	74
जनपद योग			**208**
1	विगत वर्षों का योग	भटवाड़ी	85
2		डुण्डा	3

3		मोरी	92
4		नौगांव	74
5		पुरोला	0
6		चिन्यालीसौड़	0
जनपद योग			**254**

जनपद में होमस्टे के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में वर्तमान में 254 होमस्टे संचालित हो रहे हैं जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड़ मोरी में 92 होमस्टे तथा सबसे कम विकासखण्ड डुण्डा में 3 होमस्टे संचालित हो रहे हैं जबकि विकासखण्ड़ पुरोला और चिन्यालीसौड में कोई भी होमस्टे संचालित नहीं हैं। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में हर वर्ष होमस्टे की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है जो जनपद में होमस्टे में रोजगार की अपार सम्भावनाओं की ओर संकेत करता है विभाग को इस योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए युवाओं को इस योजना से जोडने की रणनीति तैयार करनी चाहिए। होमस्टे का विवरण उपरोक्त तालिका में दिया गया है।

उत्तरकाशी में आने वाले यात्रियों/पर्यटकों का विवरण				
वर्ष	धाम का नाम		योग	यमुनोत्री धाम के बजाय गंगोत्री धाम में आये अधिक पर्यटक
	गंगोत्री धाम में पर्यटकों की संख्या	यमुनोत्री धाम में पयटकों की संख्या		
2016–17	283702	154559	438261	129143
2017–18	408495	392201	800696	16294
2018–19	447581	401705	849286	45876
2019–20	527311	464978	992289	62333
योग	**1667089**	**1413443**	**3080532**	**253646**

उत्तराखण्ड़ के चार तीर्थस्थानों में से दो धाम उत्तरकाशी जनपद में ही अवस्थित है जिन्हें गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के नाम से पूरे विश्व में जाना जाता है। जहाँ विगत चार वर्षों में 30,80,532 तीर्थयात्री पहुँचे, जिसमें गंगोत्री धाम में 16,67,089 तथा यमुनोत्री धाम में 14,13,443 श्रद्धालु आये। श्रद्धालुओं की संख्या में हर साल वृद्धि होना, जनपद का पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित होना दर्शाता है, जो जनपद के युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के सुअवसर प्रदान करता है। उपरोक्त तालिका से आंकड़ों को जाना जा सकता है।

मत्स्य विभाग

मत्स्य विभाग द्वारा जनपद में जिला सैक्टर, राज्य सैक्टर तथा केन्द्र पोषित योजनाओं के अन्तर्गत मत्स्य तालाब निर्माण, प्रशिक्षण, गोष्ठी, मत्स्य बीज वितरण, मत्स्य बीज संचय, मत्स्य आहार वितरण, प्रचार–प्रसार, परमानेन्ट फार्मिंग यूनिट/रेसवेंज निर्माण, रनिंग वाटर तालाब निर्माण, ट्राउट रेसवेज निर्माण, आदि कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं।

मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से आच्छादित लाभार्थियों का वर्षवार विवरण				
वर्ष	विकासखण्ड का नाम	लाभार्थियों की संख्या	यूनिट (तालाब) संख्या	व्यय अनुदान की धनराशि
2017–18	पुरोला	5	5	195000
	नौगांव	6	8	470000
	डुण्डा	4	5	270000
	भटवाड़ी	4	6	350000
	मोरी	7	13	980000
	चिन्यालीसौड	6	6	380000
जनपद योग		**32**	**43**	**2645000**
2018–19	पुरोला	6	15	1190000
	नौगांव	5	14	1153000
	डुण्डा	7	16	1145000
	भटवाड़ी	7	7	194000
	मोरी	5	41	3380000
	चिन्यालीसौड	5	5	120000
जनपद योग		**35**	**98**	**7182000**
2019–20	पुरोला	18	26	2876000
	नौगांव	11	13	1088000
	डुण्डा	17	25	3290000
	भटवाड़ी	7	10	794000
	मोरी	6	12	2076000
	चिन्यालीसौड	12	14	1170000
जनपद योग		**71**	**100**	**11294000**

जनपद में मत्स्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में मत्स्य पालन के प्रति ग्रामीणों में हर साल रूचि बढ़ी है जो इस क्षेत्र में रोजगार के सुअवसर उपलब्ध होने के संकेत प्रदान करता है, जिसका विवरण उपरोक्त तालिका में दिया गया है।

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का अनुश्रवण का कार्य किया जाना चाहिए। विभाग द्वारा 24 गोष्ठियाँ व 99 प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाये गये जो कि अपेक्षाकृत कम हैं जिसे ध्यान केन्द्रित कर बढ़ाये जाने की आवश्यकता है।

विभाग की विगत चार सालों में उपलब्धि देखें तो विभाग द्वारा 179 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए 288 तालाबों का निर्माण करवाया गया जिन पर विभाग द्वारा रूपये 245.89 लाख का परिव्यय किया गया जिसका विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है–

मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से आच्छादित लाभार्थियों, तालाबों और व्यय धनराशि का विकासखण्डवार विवरण				
	विकासखण्ड का नाम	लाभार्थियों की संख्या	यूनिट (तालाब) संख्या	व्यय अनुदान की धनराशि
विगत चार सालों का योग	पुरोला	36	53	4677000
	नौगांव	32	47	3691000
	डुण्डा	36	56	5709000
	भटवाड़ी	23	30	2029000
	मोरी	23	71	6612000
	चिन्यालीसौड	29	31	1871000
जनपद योग	जनपद योग	**179**	**288**	**24589000**

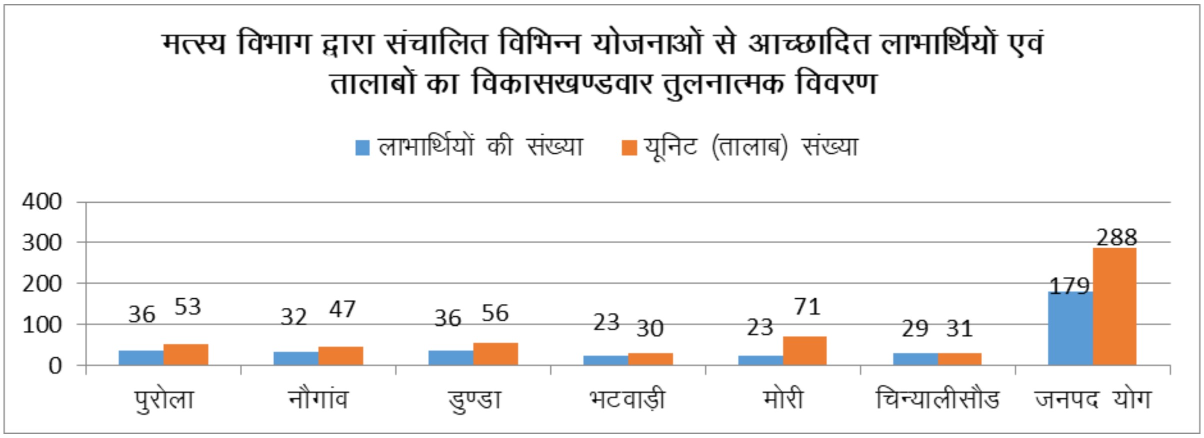

डेयरी विकास विभाग

गंगा गाय महिला डेरी योजना :—गंगा गाय महिला डेरी योजनान्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति की 91 महिला सदस्य को रूपये 24.57 लाख का परिव्यय करते हुए बाहरी प्रदेश से उन्नत दुधारु पशु उपलब्ध करवाये गये हैं, विकासखण्ड भटवाड़ी में सबसे अधिक 34 तथा सबसे कम विकासखण्ड डुण्डा में 16 महिला लाभार्थियों को गंगा गाय महिला डेरी योजना से लाभान्वित किया गया है जबकि विकासखण्ड पुरोला और मोरी में किसी भी लाभार्थी को विगत चार सालों में लाभान्वित नहीं किया गया है। विभाग को सभी विकासखण्ड़ों में कार्य करने की आवश्यकता है, जिसका विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दिया गया है—

गंगा गाय महिला डेरी योजना का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण				
वर्ष	विकास खण्ड का नाम	अनुदान धनराषि	लाभार्थी संख्या	कुल अनुदान धनराषि
2017—18	भटवाड़ी	27000.00	6	162000.00
	डुण्डा	27000.00	4	108000.00
	चिन्यालीसौड़	27000.00	4	108000.00
	नौगॉव	27000.00	14	378000.00
योग जनपद		**27000.00**	**28**	**756000.00**
2018—19	भटवाड़ी	27000.00	13	351000.00
	डुण्डा	27000.00	2	54000.00
योग जनपद		**27000.00**	**15**	**405000.00**
2019—20	भटवाड़ी	27000.00	9	243000.00
	चिन्यालीसौड़	27000.00	2	54000.00
	नौगॉव़	27000.00	7	189000.00
योग जनपद		**27000.00**	**18**	**486000.00**
विगत चार सालों का योग	भटवाडी	27000.00	34	918000.00
	डुण्डा	27000.00	16	432000.00
	चिन्यालीसौड़	27000.00	20	540000.00
	नौगांव	27000.00	21	567000.00
	पुरोला	27000.00	0	0.00
	मोरी	27000.00	0	0.00
योग जनपद		**27000.00**	**91**	**2457000.00**

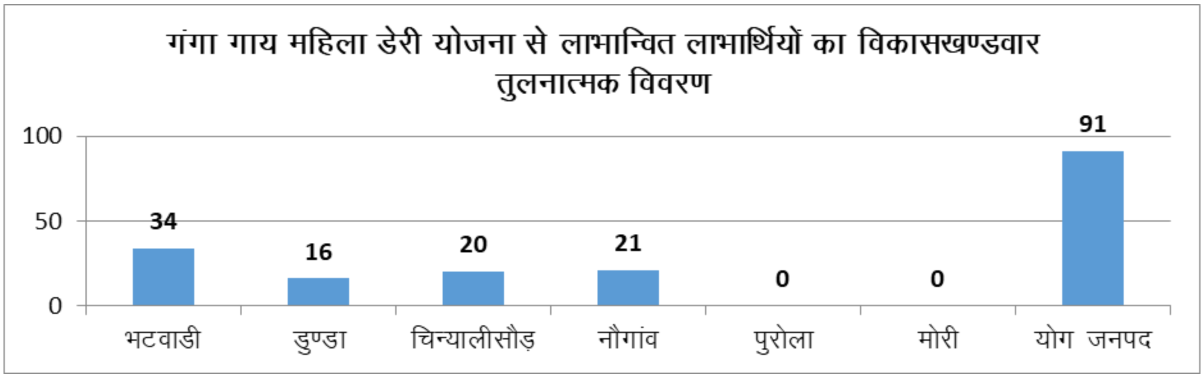

दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना :—इस योजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सदस्यों से प्राप्त दुग्ध गुणवत्ता पर 7.5 प्रतिशत एस0एन0एफ0 या अधिक होने पर रु0 3/ली0 एवं 8 प्रतिशत एस0एन0एफ0 या अधिक होने पर रु0 4/ली0 दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन दिया जाता है जिस पर विभाग द्वारा वर्ष 2017—18 से वर्ष 2019—20 तक जनपद के विकासखण्ड भटवाड़ी, डुण्डा, चिन्यालीसौड और नौगांव में रूपये 16.99 लाख का परिव्यय किया गया। परिव्यय में हर साल वृद्धि देखने को मिलती है जिसका विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण			
वर्ष	विकास खण्ड का नाम	प्राप्त धनराषि	व्यय धनराषि
2017—18	भटवाड़ी	120527	120527
	डुण्डा		
	चिन्यालीसौड़		
	नौगॉव		
2018—19	भटवाड़ी	775594	775594
	डुण्डा		
	चिन्यालीसौड़		
	नौगॉव		
2019—20	भटवाड़ी	803674	803674
	डुण्डा		
	चिन्यालीसौड़		
	नौगॉव		
योग जनपद		**1699795**	**1699795**

पशुपालन विभाग

पशुपालन विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को सुदृढ करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन किया जाता है, जिनका विवरण निम्नवत है–

भेड़ पालन योजना :– राज्य सैक्टर मद में बी0पी0एल0/अनु0जाति/जनजाति के लाभार्थियों को चयन समिति के द्वारा चयन उपरान्त 90 प्रतिशत अनुदान पर चयनित लाभार्थी को भेड़ पालन इकाई उपलब्ध करायी गयी है जिनके आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

अनु0जाति/जनजाति के लाभार्थ 90 प्रतिशत अनुदान पर बकरी पालन योजना

क्र0सं0	विकासखण्ड	वर्ष 2016–17				वर्ष 2017–18				वर्ष 2018–19				वर्ष 2019–20				योग			
		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST	
		लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
1	भटवाड़ी	2	2	2	2	4	4	0	0	4	4	1	1	3	3	0	0	13	13	3	3
2	डुण्डा	4	4	3	3	2	2	1	1	4	4	1	1	3	3	1	1	13	13	6	6
3	चिन्यालीसैड़	5	5	0	0	3	3	0	0	4	4	0	0	3	3	0	0	15	15	0	0
4	नैगांव	4	4	1	1	4	4	2	2	4	4	0	0	5	5	1	1	17	17	4	4
5	पुरोला	7	7	2	2	1	1	1	1	3	3	0	0	3	3	1	1	14	14	4	4
6	मोरी	0	0	0	0	2	2	0	0	4	4	0	0	3	3	0	0	9	9	0	0
योग जनपद		**22**	**22**	**8**	**8**	**16**	**16**	**4**	**4**	**23**	**23**	**2**	**2**	**20**	**20**	**3**	**3**	**81**	**81**	**17**	**17**

बकरी पालन योजना :–राज्य सैक्टर मद के अन्तर्गत बी0पी0एल0/अनु0जाति/जनजाति के लाभार्थियों का चयन समिति के माध्यम से चयन करने के उपरान्त 90 प्रतिशत अनुदान पर चयनित लाभार्थी को बकरी इकाई उपलब्ध करायी जाती है जिनका विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है– रउ

अनु0जाति/जनजाति के लाभार्थ 90 प्रतिशत अनुदान पर गौ पालन योजना

क्र0सं0	विकासखण्ड	वर्ष 2016–17				वर्ष 2017–18				वर्ष 2018–19				वर्ष 2019–20				योग			
		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST	
		लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
1	भटवाड़ी	13	13	1	1	13	13	1	1	8	8	2	2	5	5	0	0	39	39	4	4
2	डुण्डा	8	8	1	1	5	5	1	1	8	8	3	3	5	5	3	3	26	26	8	8
3	चिन्यालीसैड़	16	16	0	0	11	11	0	0	8	8	0	0	5	5	0	0	40	40	0	0
4	नैगांव	16	16	1	1	11	11	4	4	8	8	3	3	7	7	5	5	42	42	13	13
5	पुरोला	12	12	0	0	10	10	1	1	6	6	2	2	5	5	2	2	33	33	5	5
6	मोरी	10	10	0	0	9	9	0	0	8	8	0	0	4	4	0	0	31	31	0	0
योग जनपद		**75**	**75**	**3**	**3**	**59**	**59**	**7**	**7**	**46**	**46**	**10**	**10**	**31**	**31**	**10**	**10**	**211**	**211**	**30**	**30**

गौ पालन योजना :— राज्य सैक्टर मद के अन्तर्गत बी0पी0एल0/अनु0जाति/जनजाति के लाभार्थियों को चयन समिति से चयन करने के उपरान्त 90 प्रतिशत अनुदान पर चयनित लाभार्थी को दुधारू गाय उपलब्ध करायी जाती है जिसके विगत चार सालों के आंकड़ें निम्नवत तालिका में दर्शाये गये हैं—

अनु0जाति/जनजाति के लाभार्थ 100 प्रतिशत अनुदान पर स्वरोजगारपरक वैक्यार्ड कुक्कुट पालन योजना																					
क्र0सं0	विकासखण्ड	वर्ष 2016—17				वर्ष 2017—18				वर्ष 2018—19				वर्ष 2019—20				योग			
		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST	
		लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
1	भटवाड़ी	51	51	0	0	51	51	0	0	50	50	0	0	55	55	0	0	207	207	0	0
2	डुण्डा	55	55	0	0	55	55	0	0	55	55	0	0	60	60	0	0	225	225	0	0
3	चिन्यालीसैड़	50	50	0	0	50	50	0	0	50	50	0	0	56	56	0	0	206	206	0	0
4	नैगांव	65	65	0	0	65	65	0	0	65	65	0	0	65	65	0	0	260	260	0	0
5	पुरोला	65	65	0	0	65	65	0	0	65	65	0	0	64	64	0	0	259	259	0	0
6	मोरी	65	65	0	0	65	65	0	0	65	65	0	0	50	50	0	0	245	245	0	0
योग जनपद		**351**	**351**	**0**	**0**	**351**	**351**	**0**	**0**	**350**	**350**	**0**	**0**	**350**	**350**	**0**	**0**	**1402**	**1402**	**0**	**0**

कुक्कुट पालन योजना :—इस योजना के तहत अनु0जाति के लाभार्थ स्वरोजगारपरक वैक्यार्ड कुक्कुट पालन योजना संचालित की जाती है जिसमें जिला योजना मद के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के लाभार्थी को 50 एक दिवसीय कुक्कुट चूजे, जाली, औषधि, कुक्कुट आहार वितरण किया गया है जिसका चार सालों का विवरण निम्नवत है।

अनु0जाति/जनजाति के लाभार्थ 90 प्रतिशत अनुदान पर स्वरोजगारपरक भेड़ पालन योजना																					
क्र0सं0	विकासखण्ड	वर्ष 2016—17				वर्ष 2017—18				वर्ष 2018—19				वर्ष 2019—20				योग			
		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST		SC		ST	
		लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
1	भटवाड़ी	2	2	0	0	5	5	1	1	4	4	1	1	3	3	1	1	14	14	3	3
2	डुण्डा	4	4	2	2	1	1	1	1	6	6	2	2	4	4	1	1	15	15	6	6
3	चिन्यालीसैड़	3	3	0	0	3	3	0	0	4	4	0	0	4	4	0	0	14	14	0	0
4	नैगांव	4	4	1	1	4	4	3	3	6	6	2	2	7	7	1	1	21	21	7	7
5	पुरोला	6	6	1	1	3	3	0	0	4	4	0	0	4	4	1	1	17	17	2	2
6	मोरी	4	4	0	0	3	3	0	0	4	4	0	0	3	3	1	1	14	14	1	1
योग जनपद		**23**	**23**	**4**	**4**	**19**	**19**	**5**	**5**	**28**	**28**	**5**	**5**	**25**	**25**	**5**	**5**	95	95	19	19

जनपद में पिछले चार सालों में स्वरोजगार से सम्बन्धित इकाईयों की स्थापना के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद के सभी विकासखण्डों में क्रमशः बकरीपालन के लिए 98 इकाई, गौपालन के 241 इकाई, कुक्कुट पालन के 1402 इकाई तथा भेड़पालन के 114 इकाईयाँ स्थापित की गयी हैं जिसका विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है—

विगत चार सालो में पशुपालन विभाग द्वारा स्वरोजगार से सम्बन्धित इकाईयों का विवरण					
क्र0सं0	विकासखण्ड	बकरीपालन	गोपालन	कुक्कुट पालन	भेड़पालन
1	भटवाड़ी	16	43	207	17
2	डुण्डा	19	34	225	21
3	चिन्यालीसौड़	15	40	206	14
4	नौगांव	21	55	260	28
5	पुरोला	18	38	259	19
6	मोरी	9	31	245	15
योग जनपद		98	241	1402	114

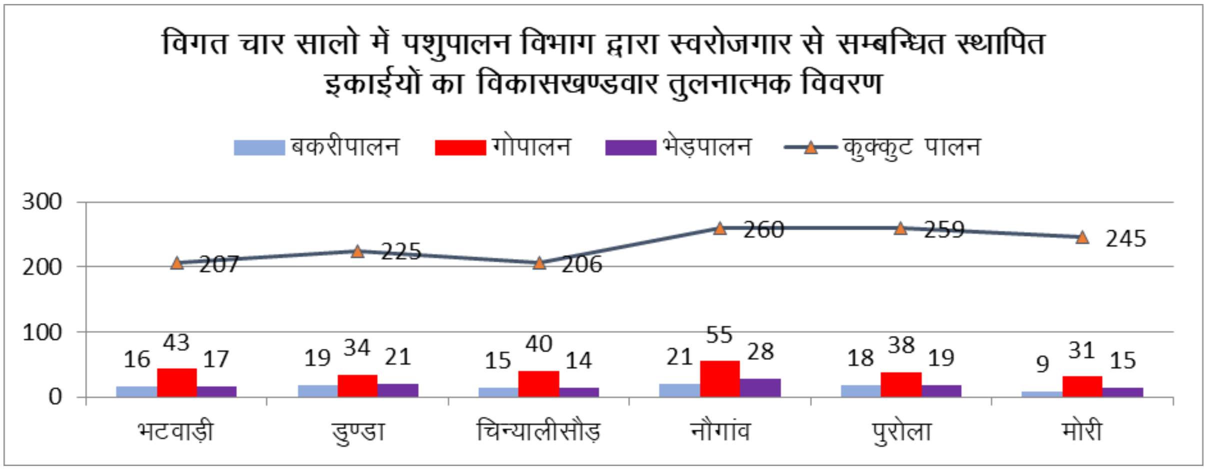

पशुपालन विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विभाग द्वारा कई कार्यक्रमों में लक्ष्य से भी ऊपर कार्य किया जा रहा है परन्तु रोजगार परक योजनाओं में विभाग की प्रगति निराशाजनक है। वर्ष 2016–17 से जनपद में मात्र 132 दुग्ध समितियों में से मात्र 98 समितियों ही कार्य कर रही हैं जिससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दूध के उत्पादन में कमी आयी है। जनपद में विगत चार सालों में गौ पालन में 190 इकाई, भेडपालन में 93 इकाई तथा बकरीपालन में 80 इकाई स्थापित की गई हैं, जो 451 ग्राम पंचायतों में बहुत कम है। विभाग को रोजगार परक योजनाओं की ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्ययोजना तैयार कर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में पशुपालन की अहम भूमिका को जीवित करना होगा।

उरेड़ा विभाग –

जनपद के अन्तर्गत उरेड़ा विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि विगत चार सालों में विभाग द्वारा रूपये 353.64 लाख का परिव्यय किया गया जिसके अन्तर्गत 12715 भौतिक लक्ष्यों की पूर्ति की गयी परन्तु रोजगार के मामले में विभाग द्वारा ग्रिड कक्टेड सोलर पावर प्लांट और चीड़ पत्तियों

एवं अन्य बायोमास से विद्युत उत्पादन की मात्र एक–एक इकाईयाँ स्थापित करते हुए क्रमशः 8 और 36 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जो कि जनपद में बहुत न्यून है, जबकि उक्त मदों में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं, जिसे बढ़ाया जाना चाहिए।

विभाग द्वारा जनपद में 11538 एल.ई.डी बल्ब, 247 एल.ई.डी ट्यूबल लाईट और 52 पंखों का वितरण करवाया गया जिस पर विभाग द्वारा रूपये 9.21 लाख की धनराशि का व्यय किया गया परन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में इससे रोजगार उपलब्ध नहीं करवाया गया जबकि इस मद में ग्रामीणों को प्रशिक्षित कर उक्त सामाग्री को निर्मित करते हुए रोजगार दिया जा सकता था।

जनपद में विभाग द्वारा पिछले चार सालों में 800 सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित की गयी जिन पर रूपये 149. 36 लाख का परिव्यय किया गया जिसके माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार दिये जाने की पूर्ण सम्भावनायें थीं। भविष्य में विभाग द्वारा सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित करने के साथ–साथ रोजगार उपलब्ध कराये जाने पर भी ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। विभाग की वर्षवार संचालित योजनाओं का विवरण एवं सारांश निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

उरेड़ा द्वारा विगत चार सालों में संचालित कार्यों का विवरण			
योजना का नाम	प्राप्त धनराशि	भौतिक लक्ष्य	रोजगार
सोलर वाटर हीटर की स्थापना का कार्य	19.43	11	0
सोलर स्ट्रीट लाइट	149.36	800	0
सोलर पावर प्लान्टों की स्थापना का कार्य	108.05	28	0
ग्रिड कक्टेड सोलर पावर प्लांट	26	1	8
चीड़ पत्तियों एवं अन्य बायोमास से विद्युत उत्पादन	6	1	36
सोलर स्ट्रीट लाइट रिपेटर एवं ए0एम0सी0	4.16	32	0
लघु जल विद्युत परियोजना सुदृढ़ीकरण	31.43	5	0
एल.ई.डी बल्बों का वितरण	8.08	11538	0
एल.ई.डी ट्यूबल लाईट का वितरण	0.55	247	0
फेन का वितरण	0.58	52	0
योग	**353.64**	**12715**	**44**

शिक्षा विभाग –

विभाग द्वारा जिला योजना के अन्तर्गत विगत चार सालों में जनपद के रा0इ0कालेजों में भवन निर्माण, चारदीवारी, शौचालय, सुरक्षादीवार, आदि आधारभूत 85 कार्यों को करवाया गया है, जिन पर विभाग द्वारा रूपये 220.07 लाख के सापेक्ष रूपये 198.12 लाख का परिव्यय किया गया है जबकि राज्य सेक्टर मद में विभाग द्वारा विगत सालों में 08 योजनाओं का कार्य प्रारम्भ करवाया गया जिनके निर्माण के लिए अनुमोदित

रूपये 843.16 लाख के सापेक्ष रूपये 454.89 लाख का परिव्यय करते हुए 02 योजनायें पूर्ण की गई हैं, जिसका विस्तृत विवरण निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किया गया है—

जिला योजना के अन्तर्गत निर्मित योजनाओं का वर्षवार विवरण					
वर्ष	स्वीकृत योजनायें	अनुमोदित धनराशि	व्यय धनराशि	पूर्ण	अपूर्ण
2016—17	0	0.00	0.00	0	0
2017—18	44	128.00	106.05	44	0
2018—19	40	72.07	72.07	40	0
2019—20	1	20.00	20.00	1	0
योग	**85**	**220.07**	**198.12**	**85**	**0**

राज्य सेक्टर योजना के अन्तर्गत निर्मित योजनाओं का वर्षवार विवरण					
वर्ष	स्वीकृत योजनायें	अनुमोदित धनराशि	व्यय धनराशि	पूर्ण	अपूर्ण
2016—17	2	124.45	124.45	2	0
2017—18	0	0.00	0.00	0	0
2018—19	3	482.70	267.25	0	3
2019—20	3	236.01	63.19	0	3
योग	**8**	**843.16**	**454.89**	**2**	**6**

आलू एवं शाकभाजी विकास —

जनपद में आलू एवं शाकभाजी विकास विभाग द्वारा विगत चार सालों में जिला योजना के तहत अनुदान संख्या 29, 30, 31 के अन्तर्गत 50 प्रतिशत अनुदान पर 700 प्रदर्शन करते हुए 93.73 कुन्तल किसानों को अदरक का बीज वितरण किया गया जिस पर विभाग द्वारा लगभग रूपये 4.96 लाख की धनराशि का व्यय किया गया। चार वर्षों के आंकड़ों को देखें तो ज्ञात होता है कि जनपद के विकासखण्ड नौगांव में सबसे अधिक 189 प्रदर्शन करते हुए विभाग ने 26.2 कुन्तल बीज का वितरण किया जबकि सबसे कम विकासखण्ड पुरोला में 64 प्रदर्शन कर मात्र 8.4 कुन्तल बीज वितरण किया गया। वर्ष 2019—20 में जनपद में अदरक वितरण नहीं किया गया जबकि विभाग द्वारा 232 प्रदर्शन किये गये।

जनपद को अदरक उत्पादन के क्षेत्र में राज्य में विकसित किया जा सकता है जिसके लिए विभाग को सभी विकासखण्डों में सर्वेक्षण कर कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। अदरक वितरण का वर्षवार एवं विकासखण्डवार आंकड़ें निम्नवत तालिकाओं में दिया गया है।

जिला योजना के अनुदान संख्या 29,30,31 के अन्तर्गत अदरक बीज वितरण का वर्षवार विवरण				
वर्ष	विकासखण्ड	अदरक		
		कुल प्रदर्शन	वितरित बीज	
			50 प्रतिशत अनुदान पर	बीज का कुल मूल्य
2017—18	भटवाड़ी	18	3.60	19054.80
	डुण्डा	19	3.67	19425.31
	चिन्यालीसौड़	26	5.20	27523.60
	नौगांव	37	7.40	39168.20
	पुरोला	13	2.60	13761.80
	मोरी	18	3.60	19054.80
योग		**131**	**26.07**	**137988.51**
2018—19	भटवाड़ी	31	5.60	29640.80
	डुण्डा	33	6.60	34933.80
	चिन्यालीसौड़	45	9.00	47637.00
	नौगांव	62	12.40	65633.20
	पुरोला	17	3.40	17996.20
	मोरी	32	6.40	33875.20
योग		**220**	**43.4**	**229716.20**
2019—20	भटवाड़ी	35	0.00	0.00
	डुण्डा	38	0.00	0.00
	चिन्यालीसौड़	50	0.00	0.00
	नौगांव	58	0.00	0.00
	पुरोला	22	0.00	0.00
	मोरी	29	0.00	0.00
योग		232	**0.00**	**0.00**

जनपद में आलू एवं शाकभाजी विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सब्जी उत्पादन को आय के साधन के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से शत–प्रतिशत अनुदान पर हाईब्रीड बीज उपलब्ध करवाया जा रहा है, जिसके पिछले चार सालों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में 2118 प्रदर्शन करवाते हुए विभाग द्वारा 82.68 कुन्तल हाईब्रीड बीज का वितरण किसानों को किया गया जिस पर विभाग द्वारा लगभग रूपये 35.08 लाख का परिव्यय किया गया जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड नौगांव में 507 प्रदर्शन करवाते हुए 20.02 कुन्तल हाईब्रीड बीज का वितरण करवाया गया जबकि सबसे कम विकासखण्ड पुरोला में 150 प्रदर्शन के सापेक्ष 7.01 कुन्तल हाईब्रीड बीज ही किसानों को वितरण किया गया, जो ग्रामीण क्षेत्रों के सुदृढ़

विकास के लिए उचित नहीं है। विभाग को जनपद के सभी विकासखण्डों में सर्वेक्षण कर किसानों एवं क्षेत्र विशेष को चयनित करते हुए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। वर्तमान समय में हाईब्रीड बीज के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों के कृषकों में रूचि बढ़ी है, जिसका लाभ विभाग को इस योजना में लेना चाहिए।

जनपद में आलू एवं शाकभाजी विकास विभाग द्वारा जिला योजना के अनुदान संख्या 29, 30, 31 के अन्तर्गत पिछले चार सालों में आलू बीज का वितरण किसानों को किया गया। विगत चार सालों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में विभाग द्वारा 501.30 कुन्तल आलू बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर तथा 608.53 कुन्तल आलू का बीज पूर्ण बिक्री पर किसानों को उपलब्ध करवाया गया।

विभाग द्वारा सबसे अधिक विकासखण्ड भटवाड़ी में 268.03 कुन्तल आलू बीज का वितरण करवाया गया जबकि सबसे कम 51.00 कुन्तल आलू बीज ही किसानों को उपलब्ध कराया गया, जबकि ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र पहाड़ी आलू की बारह महीने डिमाण्ड रहती है जिसके उत्पादन को बढ़ाते हुए किसानों की आय में आसानी से वृद्धि की जा सकती है जिसके लिए किसानों को विभाग का मार्गदर्शन एवं अनुश्रवण समय—समय पर उपलब्ध होना अति आवश्यक है।

आलू एवं शाकभाजी विकास विभाग द्वारा जिला योजना के अनुदान संख्या 29, 30, 31 के अन्तर्गत हल्दी, मटर मूली, पालक, धनिया, मेथी, तुरई, कद्दू, फूलगोभी, भिन्डी, फ्रासबीन, शिमला मिर्च, बन्दगोभी, बैंगन, खीरा, प्याज आदि बीजों का वितरण जनपद के सभी विकासखण्डों में 319.75 कुन्तल किया गया जिसके आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद के विकासखण्ड नौगांव में अधिक और विकासखण्ड पुरोला में कम सब्जी बीजों का वितरण किया गया।

विभाग द्वारा विगत चार सालों में किसानों को 1605.99 कुन्तल सब्जी उत्पादन हेतु बीज उपलब्ध करवाया गया, क्योंकि जनपद के लोकल बाजारों में पर्वतीय क्षेत्र में उत्पादित सब्जी नहीं, बल्कि अन्य जनपदों या राज्यों में उत्पादित सब्जियाँ लोकल मार्केट में देखने को मिल जाया करती हैं जो ग्रामीण एवं पर्वतीय जनपदों के विकास की राह को सुदृढ़ नहीं करगी। इसके लिए विभाग को क्षेत्र विशेष के वातावरण के अनुसार विकसित करना होगा।

जिला योजना के अनुदान संख्या 29,30,31 के अन्तर्गत हल्दी, मटर आदि बीज वितरण का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण					
वर्ष	विकासखण्ड	हल्दी	मटर	मूली, पालक, धनिया, मेथी, तुरई, कद्दू, फूलगोभी, भिन्डी, फ्रासबीन, शिमला मिर्च, बन्दगोभी, बैंगन, खीरा, प्याज आदि	कुल वितरित बीज
वर्ष 2016—17 से वर्ष 2019—20 तक का कुल योग	भटवाड़ी	20.20	33.60	18.05	71.85
	डुण्डा	1.70	22.10	14.94	38.74
	चिन्यालीसौड़	3.80	44.40	22.95	71.15
	नौगांव	3.80	49.60	25.64	79.04
	पुरोला	2.10	12.30	8.00	22.40
	मोरी	2.40	22.30	11.88	36.58
योग		**34.00**	**184.30**	**101.45**	**319.75**

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण :–

स्वजल के द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत जनपद में कुल 73 सामुदायिक शौचालय के निर्माण लक्ष्य के सापेक्ष रूपये 70.72 लाख की धनराशि अवमुक्त हुई है जिसमें से विभाग द्वारा वर्ष 2019–20 तक मात्र 18 सामुदायिक शौचालय का निर्माण ही पूरा किया गया है जबकि अभी 55 सामुदायिक शौचालय का निर्माण अवशेष है जिसका वर्षवार एवं विकासखण्ड वार विवरण निम्नवत तालिकाओं में दिया गया है–

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) के अन्तर्गत निर्मित / निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालयों का विकासखण्डवार तथा वर्षवार विवरण					
वर्ष	विकासखण्ड	कुल लक्ष्य	कुल पूर्ति	अवशेष	अवमुक्त धनराशि (रू0 लाख में)
2017–18	भटवाडी	2	2	0	4.00
	डुण्डा	1	1	0	2.00
योग		**3**	**3**	**0**	**6.00**
2018–19	भटवाडी	2	2	0	4.00
	डुण्डा	1	1	0	2.00
	नौगांव	2	2	0	4.00
योग		**5**	**5**	**0**	**10.00**
2019–20	भटवाडी	15	2	13	13.32
	डुण्डा	9	5	4	11.16
	चिन्यालीसौड	6	1	5	3.60
	नौगांव	19	2	17	12.24
	पुरोला	5	0	5	5.76
	मोरी	11	0	11	8.64
योग		**65**	**10**	**55**	**54.72**
महायोग		**73**	**18**	**55**	**70.72**

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) के अन्तर्गत निर्मित / निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालयों का विकासखण्डवार विवरण				
विकासखण्ड	कुल लक्ष्य	कुल पूर्ति	अवशेष	अवमुक्त धनराशि (रू0 लाख में)
भटवाड़ी	19	6	13	21.32

चिन्यालीसौड़	6	1	5	3.60
डुण्डा	11	7	4	15.16
मोरी	11	0	11	8.64
नौगांव	21	4	17	16.24
पुरोला	5	0	5	5.76
योग	**73**	**18**	**55**	**70.72**

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत स्वजल द्वारा शौचालय उपलब्धता हेतु सर्वेक्षण करवाया गया जिसमें ज्ञात हुआ कि जनपद के सभी विकासखण्ड में 42549 परिवारों में शौचालय का उपयोग किया जा रहा है, जबकि 18726 परिवारों के पास शौचालय उपलब्ध नहीं है जिसमें क्रमशः 5186 परिवार BPL और 13540 परिवार APL के मौजूद हैं। स्वजल द्वारा उक्त लक्ष्य को वर्ष 2013–14 से वर्ष 2019–20 के मध्य पूर्ण करवा लिया गया है। वर्तमान में जनपद के कुल 61275 परिवारों के पास शौचालय उपलब्ध है।

उद्यान विभाग :–

जिला सेक्टर की योजनायें

फल/सब्जी प्रसंस्करण एवं फल संरक्षण में प्रशिक्षण कार्यक्रम :–जनपद उत्तरकाशी में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य उद्यान विभाग द्वारा 57450 कुन्तल फल/सब्जी का प्रसंस्करण करवाते हुए रूपये 5.70 लाख का परिव्यय किया गया जिसमें जनपद के मात्र दो विकासखण्ड भटवाड़ी और नौगांव द्वारा योगदान किया गया एवं इन्हीं विकासखण्डों में 1204 किसानों को फल संरक्षण का प्रशिक्षण दिया गया, जबकि अन्य विकासखण्डों में भी उल्लिखित गतिविधियाँ करवायी जा सकती है। विभाग को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

फलों की पैकिंग हेतु कोरोगेटेड बॉक्स/फल पौध वितरण/फल उत्पादन/पौध सुरक्षा कार्यक्रमः– पिछले चार सालों में उद्यान विभाग द्वारा जनपद में फलों की पैकिंग हेतु कोरोगेटेड बॉक्स वितरण करवाये जा रहे है, जिसमें क्रमशः विकासखण्ड भटवाड़ी में 15800 बॉक्स, नौगांव में 25400 बॉक्स, पुरोला में 4000 बॉक्स, मोरी में 24200 बॉक्स, अर्थात जनपद में कुल 69400 बॉक्स वितरण करते हुए विभाग द्वारा लगभग रूपये 13.35 लाख का व्यय किया गया।

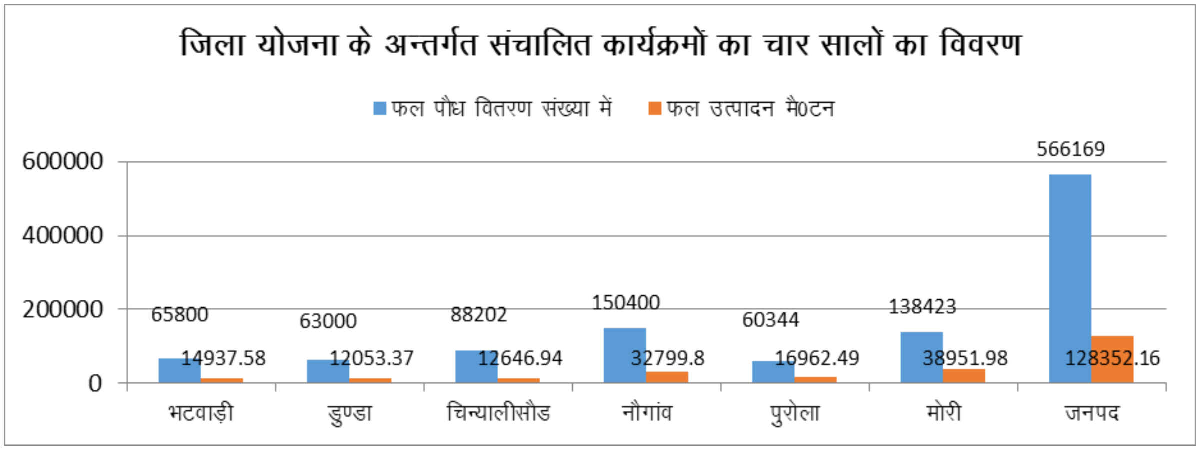

जनपद के सभी विकासखण्डों में 566169 फल पौध वितरण किये गये है। जिनकी सुरक्षा कार्य पर विभाग द्वारा रूपये 118.44 लाख का परिव्यय किया गया तत्पश्चात जनपद के सभी विकाखण्डों में कुल 128352 मी0टन फल उत्पादन हुआ, फिर भी फलों की पैकिंग हेतु कोरोगेटेड बॉक्स कार्यक्रम से विकासखण्ड डुण्डा और चिन्यालीसौड़ तथा फल संरक्षण में प्रशिक्षण कार्यक्रम से विकासखण्ड डुण्डा, चिन्यालीसौड़, पुरोला और मोरी वंचित रहे, जिसके लिए विभाग को सभी विकासखण्डों में सर्वेक्षण कार्य करवाते हुए क्षेत्र विशेष में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करना उचित होगा।

प्लास्टिक क्रेटस/किल्टा वितरण कार्यक्रम :– विभाग द्वारा विगत चार सालों में जनपद में कुल 17923 प्लास्टिक क्रेटस/किल्टा वितरण करते हुए रूपये 35.81 लाख का परिव्यय किया गया जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड मोरी में 4907 तथा सबसे कम डुण्डा में 1328 प्लास्टिक क्रेटस/किल्टा वितरित किये गये।

औद्यानिक संयंत्र वितरण कार्यक्रम :– उल्लिखित कार्यक्रम के तहत विभाग द्वारा पिछले चार सालों में जनपद के सभी विकासखण्ड़ों में कुल 1494 औद्यानिक सयंत्र वितरित किये गये जिसमें सबसे अधिक लाभ विकासखण्ड मोरी के कृषकों के द्वारा लिया गया जबकि औद्यानिक सयंत्र का सबसे कम लाभ विकासखण्ड डुण्डा के किसानों को मिला। औद्यानिक संयंत्रों के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है जिसके लिए विभाग द्वारा न्याय पंचायत स्तर पर अधिक से अधिक शिविरों का आयोजन किया जाना उचित होगा।

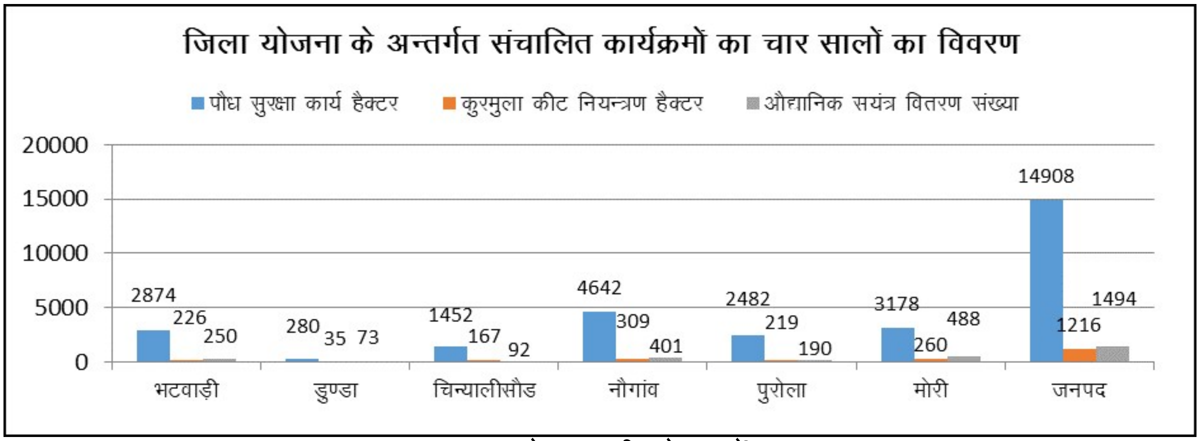

राज्य सेक्टर की योजनायें

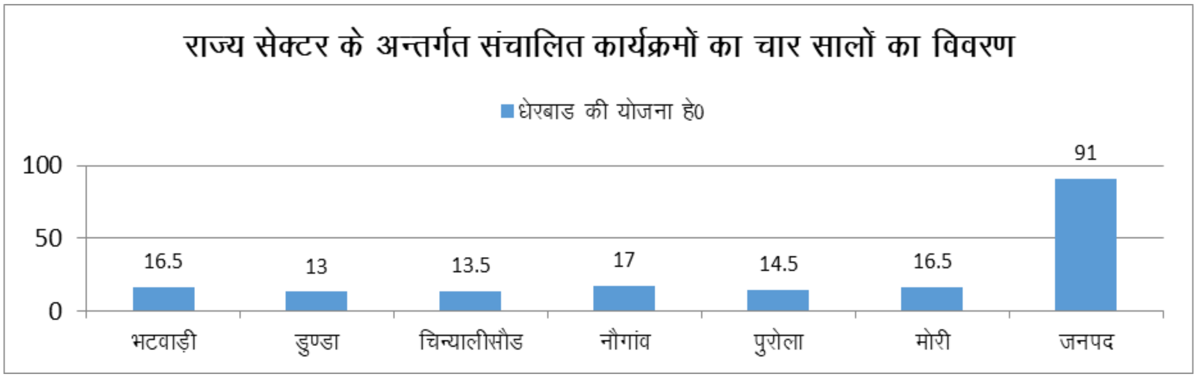

घेरबाड की योजना :– जनपद में इस योजना के तहत 91 हेक्टेयर भूमि पर विगत चार सालों में घेरबाड का कार्य करवाया गया जिस पर विभाग द्वारा रूपये 49.99 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया। इस योजना से सबसे अधिक लाभ लेने वाला विकासखण्ड नौगांव है, जबकि विकासखण्ड डुण्डा ने सबसे कम लाभ लिया है। पर्वतीय जनपदों में जंगली जानवरों का अधिक आंतक है जिससे निजात पाने के लिए किसान घेरबाड की अधिक मांग कर रहे हैं। सरकार को उल्लिखित योजना में विभाग के बजट में बढोत्तरी करने की आवश्यकता प्रतीत होती है।

उत्तर फसल प्रबन्धन कार्यक्रम (कोरोगेटेड बॉक्स वितरण) :– इस कार्यक्रम के विगत चार सालों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड पुरोला, डुण्डा तथा चिन्यालीसौड़ में उक्त योजना की कोई भी प्रगति प्रलक्षित नहीं होती है। मोरी विकासखण्ड में उक्त योजना के तहत सबसे अधिक 45000 कोरोगेटेड बॉक्स वितरित किये गये जबकि विकासखण्ड भटवाड़ी में मात्र 1500 कोरोगेटेड बॉक्स किसानों को उपलब्ध करवाये गये। जनपद के मात्र तीन विकासखण्डों में कुल 66500 कोरोगेटेड बॉक्स उपलब्ध करवाते हुए विभाग द्वारा रूपये 33.18 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया है, जिसमें सुधार की आवश्यकता है।

मसाला मिर्च को प्रोत्साहित करने की योजना :–जनपद के अन्तर्गत इस योजना के तहत विगत चार सालों में 206 किसानों को सम्मिलित किया गया। जिन्हें बीज पौध उपलब्ध करवाने में विभाग द्वारा रूपये 1.43 लाख की धनराशि का व्यय किया गया उक्त आंकड़ें चार सालों के लिए बहुत कम है, जिसे बढ़ावा देकर किसानों की आय में अतिरिक्त स्रोत के रूप में जोड़ा जाना उचित होगा।

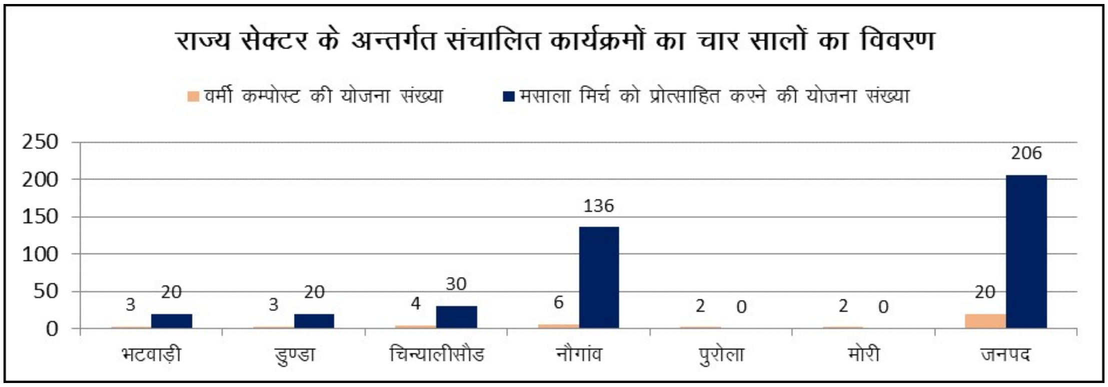

Horticulture Mission for North East & Himalayan States (HMNEH) योजना :— इस योजना के तहत उद्यानीकरण (क्षेत्रफल विस्तार), सब्जी क्षेत्रफल विस्तार की योजना, पौण्ड तालाब के निर्माण की योजना, पॉलीहाउस की योजना संचालित की जाती है।

उद्यानीकरण (क्षेत्रफल विस्तार) :— विभाग द्वारा इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 649 हेक्टेयर क्षेत्रफल में उद्यानीकरण का विस्तार करवाते हुए रूपये 116.82 लाख का व्यय किया गया। विकासखण्डवार आंकड़ें देखे तो ज्ञात होता है कि विकासखण्ड नौगांव में 243 हेक्टेयर सबसे अधिक व सबसे कम डुण्डा में 86 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर उद्यानीकरण का विस्तार करवाया गया जबकि विकासखण्ड मोरी में यह आंकड़ा शून्य रहता है। जनपद के सभी विकासखण्ड़ों में उद्यानीकरण विस्तार की अपार सम्भावनायें हैं। क्षेत्र विशेष के रूप में विकसित किये जाने के लिए विभाग को सर्वेक्षण कर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

सब्जी क्षेत्रफल विस्तार की योजना :— विगत चार सालों में इस योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा 293 हेक्टेयर पर विस्तार करवाया गया जिस पर विभाग का रूपये 52.74 लाख खर्च किया गया। योजना का सबसे अधिक प्रभाव विकासखण्ड मोरी के 215 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर दिखा जबकि विकासखण्ड भटवाड़ी में सबसे कम 8 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सब्जी क्षेत्रफल विस्तार का कार्य किया गया, वहीं विकासखण्ड पुरोला में उक्त योजना के आंकड़ें शून्य हो जाते हैं। उक्त योजना के आंकड़ें विगत चार सालों के लिए बहुत न्यून हैं, जिन्हें बढ़ाने के जनपद में अधिक अवसर मौजूद हैं।

पौण्ड तालाब के निर्माण की योजना :— इस मद में विभाग द्वारा पिछले चार वर्षों के मध्य जनपद के सभी विकासखण्डों में रूपये 18.54 लाख की धनराशि व्यय करते हुए 104 पौण्ड तालाबों का निर्माण करवाया गया। उक्त योजना में 34 यूनिटों का निर्माण कर विकासखण्ड चिन्यालीसौड ने सबसे अधिक योगदान दिया जबकि सबसे कम पर विकासखण्ड मोरी रहा जिसने मात्र 2 यूनिटों का निर्माण करवाया।

पॉलीहाउस की योजना :—जनपद के अन्तर्गत इस योजना के तहत विगत चार सालों में रूपये 96.30 लाख की धनराशि व्यय करते हुए 79 किसानों को लाभान्वित किया गया है। उक्त योजना में 53 पॉलीहाउस को निर्मित करवा कर विकासखण्ड भटवाड़ी ने सबसे अधिक भागीदारी निभायी जबकि सबसे कम पर विकासखण्ड मोरी और चिन्यालीसौड़ रहे जिनके द्वारा मात्र 2—2 यूनिटों का निर्माण करवाया गया। उक्त आंकड़ें चार सालों के लिए बहुत न्यून है, जिसे बढ़ावा दिये जाने की अति आवश्यकता है।

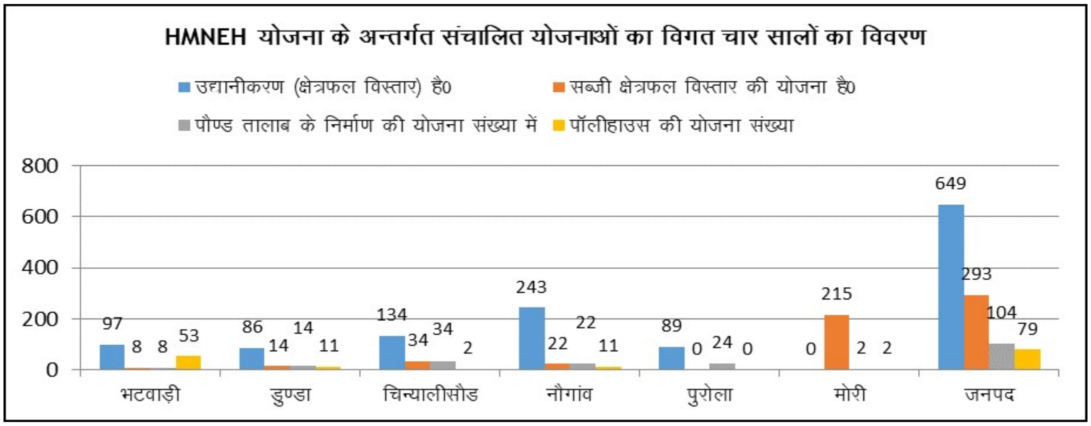

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना **(Prime Minister Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY))** :– इस योजना के तहत ड्रीप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई का प्राविधान किया गया हैं जिनके विगत चार सालों के आंकड़ें मदवार प्रस्तुत हैं।

ड्रीप सिंचाई :– ड्रीप सिंचाई योजना के तहत विभाग द्वारा विगत चार सालों में 1682.28 हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया गया जिस पर विभाग का रूपये 422.057 लाख की धनराशि खर्च हुई। ड्रीप सिंचाई का सबसे अधिक लाभ विकासखण्ड मोरी द्वारा 594.6 हेक्टेयर पर करवाया गया जबकि सबसे कम विकासखण्ड डुण्डा में मात्र 28.88 हेक्टेयर भूमि पर ड्रीप सिंचाई करवायी गयी। ड्रीप सिंचाई की वर्तमान समय में अधिक मांग है इस ओर अधिक बढ़ावा दिया जाना अपेक्षित होगा।

स्प्रिंकलर सिंचाई :– विगत चार सालों में इस योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा 797.67 हेक्टेयर पर स्प्रिंकलर सिंचाई करवायी गयी जिस पर विभाग द्वारा रूपये 210.937 लाख की धनराशि खर्च की गई। स्प्रिंकलर सिंचाई योजना का सबसे अधिक प्रभाव विकासखण्ड भटवाड़ी के 273 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर दिखा जबकि विकासखण्ड डुण्डा में सबसे कम 13.2 हेक्टेयर क्षेत्रफल में स्प्रिंकलर सिंचाई का कार्य करवाया गया, स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ाने की जनपद में अधिक सम्भावनायें हैं।

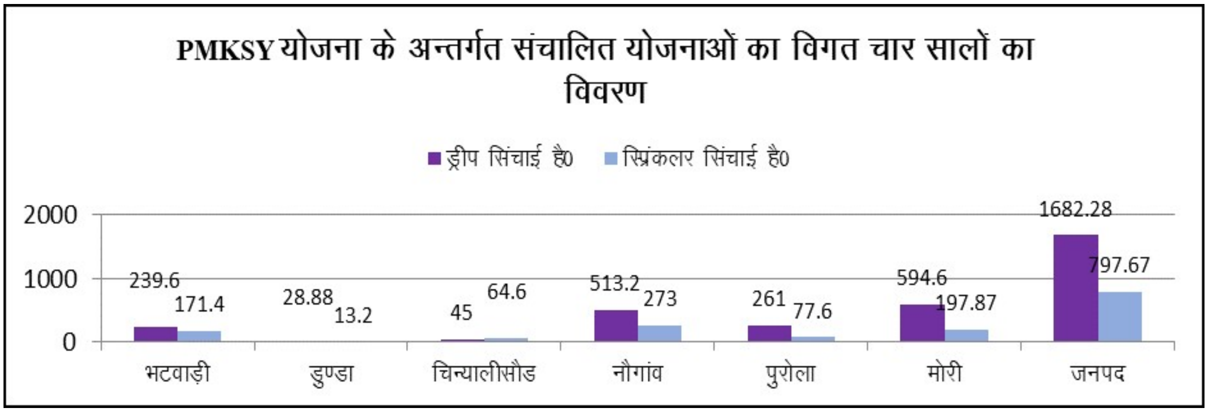

सरांश :– उद्यान विभाग की संचालित योजनाओं में विकासखण्ड डुण्डा, चिन्यालीसौड तथा पुरोला की भूमिका अच्छी नहीं दिखती है, जबकि विकासखण्ड नौगांव, मोरी और भटवाड़ी में लाभ अच्छा मिला है। विभाग को इन विकासखण्डों के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

कृषि विभाग :–

जनपद में खरीफ और रबी की फसलों को बढ़ावा दिये जाने के लिए विभाग द्वारा बीज वितरण, उर्वरक वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, कीटनाशी वितरण, मृदा परीक्षण, सीडेप आधारित कृषि विकास, पौध सुरक्षा कार्यक्रम, जलपंप स्प्रिंकलर सेट पॉलीहाउस एवं यंत्र वितरण, कृषि निवेश भण्डारों प्रक्षेत्रों का सुदृढ़ीकरण की योजना, अनु0जाति बाहुल्य ग्रामों के कृषि विकास की नई योजना, विभिन्न प्रयोगशालाओं का संचालन व्यय, जल पंप स्प्रिंकलर सेट ,पॉली हाउस, कृषि यंत्र विविधीकरण की योजना, सूचना सलाहकार केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण, खाद्य सुरक्षा मिशन दलहन कलस्टर, रा0कृ0 विकास फसल उत्पादन कार्यक्रम, एकीकृत मृदा एवं जल संरक्षण योजना, केन्द्रपोषित बीज ग्राम योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि

विकास योजना, सब मिशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकनाईजेशन, राष्ट्रीय टिकाऊ कृषि मिशन, नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टैक्नोलोजी, जंगली जानवरों से खेती सुरक्षा कार्य, प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना, फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, योजनायें एवं कार्यक्रम संचालित किये जा रहें हैं, जिनके वर्ष 2019–20 के आंकड़ों का विवरण निम्नवत दिया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में सम्पादित कार्यो का तथ्यात्मक विवरण

क्षेत्राच्छादनः–खरीफ अभियान वर्ष 2019–20 में विभिन्न फसल धान, मक्का, मंडुवा, सांवा, रामदाना, उर्द, अरहर, गहथ, राजमा, भट्ट तथा तिल के 28700 हैक्टेयर लक्ष्य के सापेक्ष 28700 हैक्टेयर का आच्छादन किया गया है।

रबी अभियान वर्ष 2019–20 में विभिन्न फसल गेहॅू, जो, चना, मटर, मसूर तथा सरसों के 14645 हैक्टेयर लक्ष्य के सापेक्ष 14742 हैक्टयर का आच्छादन किया गया है। परन्तु जनपद में बंजर भूमि में दिनों –दिन वृद्धि देखी जा सकती है अर्थात क्षेत्राच्छादन कम मात्रा में किया जा रहा है जो पर्वतीय जनपद उत्तरकाशी के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए प्रतिकूल है जिसके लिए विभाग को सभी विकासखण्डों में सर्वेक्षण कर क्षेत्राच्छादन को बढ़ाने की रणनीति तैयार कर कार्ययोजना बनानी चाहिए।

बीज वितरणः– खरीफ अभियान में धान 86.10 कुन्तल, उर्द 40.04 कुन्तल, गहत 1.00 कु0, मण्डुवा 20.00 कु0, तिल 2.00 कु0, सोयबीन 18.00 कु0, अरहर 6.00 कु0, कुल 173.44 कुन्तल बीज प्राप्त हुआ जो कृषकों में वितरण किया गया।

रबी अभियान में गेहूँ 533.00 कुन्तल, मसूर 60.00 कुन्तल, लाही तोरिया 17.00 कुन्तल, चना 88.20 कु0, मटर 10.20 कु0, कुल 708.30 कुन्तल बीज प्राप्त हुआ जो कृषकों में वितरित किया गया।

उर्वरक वितरणः–जनपद में उर्वरक वितरण का कार्य सहकारिता विभाग के द्वारा किया जाता है। आलोच्य अवधि माह 01 अप्रैल, 2019 से नत्रजन 69.00 मी0टन, फास्फोरस 68.38 मी0टन एवं पोटास 14.48 मी0टन वितरित किया गया है।

बीज अधिनियमः–बीज अधिनियम के अन्तर्गत खरीफ एवं रबी में 36 लक्ष्य के सापेक्ष 22 नमूने आहरित किये गये जो प्रयोगशाला से मानक पाये गये जिसे बढ़ाये जाने की आवश्यकता है।

कीटनाशी अधिनियमः–इसके अन्तर्गत 20 लक्ष्य के सापेक्ष 18 नमूने प्राप्त किये गये जो प्रयोगशाला को विश्लेषण हेतु भेजे गये हैं परन्तु यह स्पष्ट नहीं करवाया गया कि नमूनों की जांच कैसे आई। भविष्य में इसका ध्यान किया जाना उचित होगा।

किसान क्रेडिट कार्डः–वर्ष 2019–20 के अन्तर्गत 14727 परिवारों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गये हैं परन्तु विभाग द्वारा यह अनुश्रवण नहीं किया गया कि कृषकों द्वारा प्राप्त किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग किस तरह से किया गया। विभाग को इसका लगातार अनुश्रवण करने की आवश्यकता है।

मृदा परीक्षणः–मृदा परीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 761 लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति 761 मृदा नमूने ग्रहित कर विश्लेषित किये गये हैं तथा विश्लेषण रिपोर्ट कृषकों को उपलब्ध करा दी गई है। मृदा परीक्षण कार्यक्रम के तहत लक्ष्य निर्धारण किया जाना किसान हित में नहीं है। मृदा परीक्षण की जानकारी से पर्वतीय किसान

अभी भी वंचित है। इसके लिए विभाग को इसका प्रचार–प्रसार किये जाने की कार्ययोजना तैयार करने एवं बजट में प्राविधान करवाने की आवश्यकता है।

सीडेप आधारित कृषि विकास (जिला योजना):–वर्ष 2019–20 हेतु जिला नियोजन समिति से 83.48 लाख रूपये परिव्यय अनुमोदित किया गया है जिसमें से रूपये 83.48 लाख का आवंटन निम्न विवरणानुसार प्राप्त हुआ है।

(क) पौध रक्षा कार्यक्रम :– योजना के अन्तर्गत सामान्य जाति के कृषकों को 50 प्रतिशत एवं अनु0जाति के कृषकों को 90 प्रतिशत अनुदान पर पौध रक्षा रसायन खरपतवार नाशक जैव उर्वरक, माइक्रो न्यूट्रेन्ट अनुदान पर वितरित किया जाता है जिसमें 5750.00 है0 लक्ष्य के सापेक्ष 5750.00 है0 की पूर्ति की गयी है तथा वर्ष 2019–20 में आवंटित धनराशि रूपये 5.00 लाख के सापेक्ष रूपये 5.00 लाख व्यय किया गया है। पौध सुरक्षा के लिए लक्ष्य निर्धारित बहुत कम रखा गया है जिसकी सीमा बढ़ाने की आवश्यकता है।

(ख) जलपंप स्प्रिंकलर सेट पॉलीहाउस एवं यंत्र वितरण :– जनपद में कृषकों के समूह तैयार कर कृषकों को यंत्र के बेसिक मूल्य पर शत् प्रतिशत अनुदान दिया गया है जिसके अन्तर्गत आवंटित लक्ष्यों के सापेक्ष विकास खण्ड स्तर पर 2–गेहूं थ्रेसर , 3–पावर वीडर, 1–चैपकटर, 2–पावर टिलर, 5–जलपम्प, 1236 छोटे कृषि यंत्र कृषकों एवं कृषि समूहों को वितरित किये गये है। विभाग द्वारा वर्ष 2019–20 में आवंटित धनराशि रूपये 57.00 लाख के सापेक्ष रूपये 57.00 लाख व्यय किया गया है। यांत्रिकी यंत्रों को अधिक मात्रा में वितरण एवं उनकी मरम्मत हेतु सेन्टर स्थापित किये जाने की आवश्यकता है।

राज्य सैक्टर योजनायें

कृषि निवेश भण्डारों प्रक्षेत्रों का सुद्ढीकरण की योजना :– प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर एक–एक कृषि निवेश विक्रय केन्द्र रू0 500/प्रतिमाह की दर से किराये पर लिये गये है, जिस पर एक–एक गुरिल्ला प्रशिक्षक बेरोजगार/सेवा निवृत्त कर्मचारी, किसान सहायक के रूप में रू0 6000.00 प्रतिमाह मानदेय पर नियुक्त किये गये है। योजना में रू0 27.16 लाख प्राप्त आवंटन के सापेक्ष रू0 27.16 लाख व्यय किया गया है।

अनु0जाति बाहुल्य ग्रामों के कृषि विकास की नई योजना:– राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक विकास खण्ड के दो–दो गांवों को संतृप्त करने हेतु चयन किया गया है जिसके अन्तर्गत कृषि विकास सम्बन्धी चयनित कार्यक्रम यथा पावर टिलर/पावर वीडर, छोटे कृषि यंत्र वितरण, सब्जी बीज, खाद्यान्न बीज, मिनिकिट वितरण, कम्पोस्ट पिट निर्माण, पालीहाउस स्थापन, मृदा परीक्षण एवं कृषक प्रशिक्षण तथा मृदा एवं जल संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रम सम्पादित किये गये है। योजना हेतु वर्ष 2019–20 में रूपये 15.00 लाख आवंटन के सापेक्ष रूपये 15.00 लाख की धनराशि व्यय किया गया है। इस आधुनिकीकरण को और बढ़ाने की आवश्यकता है।

विभिन्न प्रयोगशालाओं का संचालन व्यय :– योजना के अन्तर्गत जनपदीय मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के संचालन एवं मृदा परीक्षण प्राप्त करने हेतु रसायन क्रय का प्राविधान है। योजना के बचनबद्ध मदों हेतु रू0 4.24 लाख प्राप्त आवंटन के सापेक्ष रू0 4.24 लाख व्यय किया गया है, परन्तु जनपद में वर्ष 2019–20 में

मात्र 761 नमूने ही विश्लेषित किये गये जो कि जनपद के लिए बहुत ही कम आंकड़ें हैं जिनमें वृद्धि किये जाने की आवश्यकता है।

जल पंप स्प्रिंकलर सेट, पाली हाउस, कृषि यंत्र विविधीकरण की योजनाः– योजना के अर्न्तगत कृषकों को पूरक अनुदान के रूप में यंत्र वितरित कर 6.96 लाख रूपये व्यय किये गये हैं।

सूचना सलाहकार केन्द्रों का सुदृढ़ीकरणः– विभाग द्वारा विकास खण्ड स्तर पर निर्मित सूचना सलाहकार केन्द्रों हेतु विद्युत एवं कार्यालय फर्नीचर की व्यवस्था पर रूपये 0.35 लाख के आवंटन के सापेक्ष रूपये 0.35 लाख रूपये व्यय किया गया। सूचना सलाह केन्द्रों को आधुनिक रूप से सुदृढ़ किया जाना अपेक्षित होगा।

केन्द्र पोषित योजनायें

खाद्य सुरक्षा मिशन दलहन कलस्टर :– योजना के अन्तर्गत दलहनी फसलों के प्रोत्साहन हेतु कलस्टर चयनित किये जाते हैं जिसके अन्तर्गत बीज वितरण, कृषि यंत्र वितरण प्रशिक्षण एवं फसल प्रदर्शन आयोजित किये गये है। योजना में जनपद स्तर पर 26.60 लाख आवंटन के सापेक्ष 20.08 लाख व्यय किया गया है। अर्थात दलहनी फसलों के कलस्टर और बढ़ाये जा सकते हैं, क्योंकि पहाड़ी दालों की मांग सभी बाजारों में अधिक है जिसकी पूर्ति उत्तराखण्ड राज्य के द्वारा वर्तमान में नहीं की जा रही है बल्कि अन्य राज्यों की दालों को पहाड़ी दालों के नाम पर उत्तराखण्ड राज्य के कई स्थानों में बेचा जा रहा है।

रा0कृ0 विकास फसल उत्पादन कार्यक्रम :– योजना के अन्तर्गत खरीफ एवं रबी में कृषकों को खाद्यान्न, दलहन तिलहन फसलों के बीजों को अनुदान पर बीज वितरण, फसल प्रदर्शन कृषि रक्षा रसायन, जैव उर्वरक, सू0पो0 तत्व वितरण किया जा रहा है। योजना में रूपये 51.90 लाख आवंटन के सापेक्ष रूपये 25. 32 लाख व्यय किया गया है। कार्यक्रम में रूपये 26.58 लाख का अवशेष रहना इस ओर संकेत करता है कि जनपद में उक्त योजना के लाभ से बहुत किसान वंचित हुए क्योंकि विभाग द्वारा इसके लिए कोई ठोस कार्ययोजना तैयार नहीं की गयी। विभाग सभी विकासखण्ड़ों में कलस्टर बनाते हुए उक्त कार्यक्रम को संचालित करवा सकता है।

एकीकृत मृदा एवं जल संरक्षण योजनाः– योजना के अन्तर्गत, सिंचाई टैंक, सिंचाई गूल, मुर्गी बाड़ा निर्माण, मत्स्य पालन, वृक्षारोपण आदि का कार्यक्रम सम्पादित किये जाते हैं जिसके अन्तर्गत जनपद में कार्यरत कृषि एवं भूमि संरक्षण इकाई मोरी एवं बड़कोट द्वारा कार्य सम्पादित किया गया है। योजना के अन्तर्गत रूपये 183.37 लाख व्यय किया गया है। जनपद के अन्य विकासखण्डों में भी एकीकृत मृदा एवं जल संरक्षण योजना को संचालित करते हुए इन विकासखण्ड के किसानों को भी लाभान्वित किया जाना अपेक्षित होगा।

केन्द्र पोषित बीज ग्राम योजनाः–योजना के अन्तर्गत कृषकों को खाद्यान्न फसलों पर 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण कर बीज उत्पादन कार्यक्रम चलाया गया है। योजना में रूपये 10.04 लाख आवंटन के सापेक्ष रूपये 7.97 लाख व्यय किये गये है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड :– भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2019–20 में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के नाम से योजना प्रस्तावित की गयी है। योजना के अन्तर्गत 761 कृषकों से मृदा नमूना ग्रहित एवं विश्लेषित कर विश्लेषण परिणाम ऑन लाईन किये गये है। इस प्रकार शत् प्रतिशत लक्ष्य को आच्छादित किया गया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लक्ष्य को कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिये जाने के लिए उचित होगा।

परम्परागत कृषि विकास योजना :– भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2019–20 से योजना प्रस्तावित की गयी। योजना के अन्तर्गत वर्मी कम्पोस्ट पिट निर्माण, ग्राम स्तरीय कृषक प्रशिक्षण, जैव उर्वरक वितरण आदि कार्य सम्पादित करते हुए योजना में रूपये 586.08 लाख की धनराशि व्यय की गयी है। विभाग को इस योजना का ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार करना चाहिए ताकि अधिकतर किसान लाभान्वित हो सकें।

सब मिशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकनाईजेशन (SMAM) :– भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 से योजना संचालित की गई है योजना के अन्तर्गत फार्म, मशीनरी बैंक, पावर टिलर, पावर वीडर, मानव चालित स्प्रेयर एवं छोटे कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित किये गये हैं। वर्ष 2019–20 में योजना के अन्तर्गत रूपये 336.98 लाख व्यय किया गया है।

राष्ट्रीय टिकाऊ कृषि मिशन (NMSA-RAD) :– भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 से योजना संचालित की गयी है। योजना के अन्तर्गत द्विफसली आधारित मोटे अनाज, दलहन, तिलहन फसल प्रणाली, उद्यान एवं वानिकी आधारित कृषि प्रणाली पशुधन आधारित कृषि प्रणाली, जल संग्रहण एवं प्रबन्धन, सिंचाई आदि कार्यक्रम सम्पादित किये गये है। योजना के अन्र्तगत वर्ष 2019–20 में चयनित कलस्टरों में 150.46 लाख आवंटन के सापेक्ष 132.03 लाख व्यय किया गया। चयनित कलस्टरों में सिचाई हौज, गूल, जैविक कम्पोस्ट पिट निर्माण, वानिकी एंव उद्यानीकरण तथा कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पादित किया गया है।

नेषनल मिशन ऑन एग्रीकल्वर एक्सटेंशन एण्ड टैक्नोलोजी (NMAET) :– यह योजना भारत सरकार द्वारा वर्ष 2005–06 से आत्मा योजना के नाम से संचालित की जा रही है जो कि वित्तीय वर्ष 2014–15 में राष्ट्रीय कृषि प्रसार एवं तकनीकी मिशन NMAET के नाम से प्रस्तावित की गई है। योजना के अन्तर्गत रेखीय विभागों के माध्यम से कृषक प्रशिक्षण/अध्ययन भ्रमण, फसल प्रदर्शन, फार्म स्कूल आदि कार्यक्रम सम्पादित किये गये है। प्रगतिशील कृषकों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए किसान भूषण, किसान श्री एवं किसान रत्न पुरस्कार से अलंकृत किये जाने हेतु चयन की कार्यवाही गतिमान है जो कि पूर्ण होने पर कृषकों को सम्मानित किया जायेगा। इस वित्तीय वर्ष में योजना में रू0 40.01 लाख व्यय किया गया है। योजना के अन्तर्गत प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर ब्लाक तकनीकी प्रबन्धक, लेखाकार, कम्प्यूटर प्रोग्रामर एंव जनपद स्तर पर दो उप परियोजना निदेशक उपनल के माध्यम से नियुक्त है।

जंगली जानवरों से खेती सुरक्षा कार्य :– योजना के अर्न्तगत रा0कृ0वि0 योजना के अन्तर्गत कृषि एवं भूमि संरक्षण इकाई स्तर पर कांटेदार तार एवं सीमेन्ट से खेती सुरक्षा कार्य सम्पादित किये गये है जिस पर 15. 25 लाख रूपये व्यय किये गये। इसमें विभाग का बजट बढ़ाने की आवश्यकता है जिससे अधिकतर किसानों को लाभ मिल सके, क्योंकि वर्तमान समय में पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों का आंतक बढ़ता जा रहा है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना :– योजना के अर्न्तगत भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2015–16 में योजना प्रस्तावित की गयी है वर्ष 2019–20 में रेखीय विभागों के सहयोग से योजना की डी0पी0आर0 तैयार कर कार्य सम्पादित किया जा रहा है। योजना में 257.53 लाख रू0 की धनराशि व्यय की गयी है। इस योजना में अधिक से अधिक रेखीय विभागों का सहयोग लेते हुए कार्ययोजना तैयार की जानी उचित होगा।

फसल बीमा योजनाः—प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत न्याय पंचायत स्तर पर तथा कृषक महोत्सवों एवं अन्य प्रचार प्रसार के माध्यम से खरीफ वर्ष 2019—20 में ऋणी—2360 कृषक तथा गैर ऋणी 455 कृषकों, कुल 2815 कृषकों का फसल बीमा कराया गया, जिसमें 1620.14 है0 क्षेत्रफल आच्छादित किया गया जो कि खरीफ (28700 हैक्टयर) और रबी (14742 हैक्टयर) की फसल से आच्छादित क्षेत्रफल से बहुत कम है। विभाग को इसे बढ़ाने हेतु उचित कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि :— प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत कृषकों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता में जनपद के 48183 कृषकों को पंजीकृत करते हुये 47110 कृषकों को लाभान्वित किया गया।

जनपद उत्तरकाशी में रबी की मुख्य फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं औसत उपज के आकड़ों का वर्षवार विवरण						
फसल	वर्ष					बदलाव
	विवरण	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	
गेहूँ	कुल क्षे0(हे0)	9961	11582	11123	10084	-1498
	उत्पादन(मै0टन)	13643	18809	18905	16712	-2097
	औसत उपज(कु0 / हे0)	13.7	16.24	17	16.57	-0.43
जौ	कुल क्षे0(हे0)	221	166	189	195	-26
	उत्पादन(मै0टन)	272	230	282	393	121
	औसत उपज(कु0 / हे0)	12.31	53.86	14.92	20.05	-33.81
अन्य धान्य (रबी)	कुल क्षे0(हे0)	0	0	0	0	0
	उत्पादन(मै0टन)	0	0	0	0	0
	औसत उपज(कु0 / हे0)	0	0	0	0	0
कुल धान्य (रबी)	कुल क्षे0(हे0)	10182	11748	11312	10279	97
	उत्पादन(मै0टन)	13915	19039	19187	17105	-2082
	औसत उपज(कु0 / हे0)	13.67	16.21	16.96	16.64	-0.32
चना	कुल क्षे0(हे0)	2	0	2	4	2
	उत्पादन(मै0टन)	2	0	1	3	1
	औसत उपज(कु0 / हे0)	9.4	0	6.59	6.59	-2.81
मटर	कुल क्षे0(हे0)	755	816	556	594	-222
	उत्पादन(मै0टन)	499	538	368	393	-145
	औसत उपज(कु0 / हे0)	6.61	6.59	6.61	6.61	0
मसूर	कुल क्षे0(हे0)	280	312	186	216	-64
	उत्पादन(मै0टन)	236	280	110	108	-128
	औसत उपज(कु0 / हे0)	8.42	8.98	5.89	4.99	-3.43
अन्य दाले	कुल क्षे0(हे0)	3	1	4	0	-3

(रबी)	उत्पादन(मै0टन)	2	1	3	0	-2
	औसत उपज(कु0 / हे0)	6	8	6.44	0	-6
कुल दालें (रबी)	कुल क्षे0(हे0)	1040	1129	748	814	-226
	उत्पादन(मै0टन)	739	819	482	504	-235
	औसत उपज(कु0 / हे0)	7.11	7.25	6.44	6.19	-0.91
कुल खाद्यान्न (रबी)	कुल क्षे0(हे0)	11222	12877	12060	11093	-129
	उत्पादन(मै0टन)	14654	19858	19669	17609	-2249
	औसत उपज(कु0 / हे0)	13.06	15.42	16.31	15.87	-0.44
लाही / सरसों / तोरिया	कुल क्षे0(हे0)	985	999	740	878	-107
	उत्पादन(मै0टन)	742	697	262	490	-252
	औसत उपज(कु0 / हे0)	7.53	6.98	3.54	5.58	-1.95
अलसी	कुल क्षे0(हे0)	0	0	0	0	0
	उत्पादन(मै0टन)	0	0	0	0	0
	औसत उपज(कु0 / हे0)	0	0	0	0	0
अन्य तिलहन (रबी)	कुल क्षे0(हे0)	0	0	0	0	0
	उत्पादन(मै0टन)	0	0	0	0	0
	औसत उपज(कु0 / हे0)	0	0	0	0	0
कुल तिलहन (रबी)	कुल क्षे0(हे0)	985	999	740	878	-107
	उत्पादन(मै0टन)	742	697	262	490	-252
	औसत उपज(कु0 / हे0)	7.53	6.98	3.54	5.58	-1.95
आलू (रबी)	कुल क्षे0(हे0)	279	229	312	138	-141
	उत्पादन(मै0टन)	1785	1896	2552	742	-1043
	औसत उपज(कु0 / हे0)	63.97	82.79	72.19	53.75	-10.22
प्याज	कुल क्षे0(हे0)	26	151	46	29	-122
	उत्पादन(मै0टन)	172	988	301	472	-516
	औसत उपज(कु0 / हे0)	66.15	65.43	65.48	162.92	96.77
योग	कुल क्षे0(हे0)	35941	41009	38018	35202	-739
	उत्पादन(मै0टन)	47403	63852	62384	55021	-8831
	औसत उपज(कु0 / हे0)	235.45	294.73	241.92	321.35	85.89

जनपद में विगत चार सालों में गेहूँ के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015—16 से वर्ष 2017—18 के मध्य क्षेत्रफल में 1498 हेक्टेयर की कमी तथा

उत्पादन में 2097 मी0टन की गिरावट देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में भी वर्ष 2016–17 से वर्ष 2017–18 के मध्य 0.43 कु0/है0 की कमी आई है जिसका विवरण निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

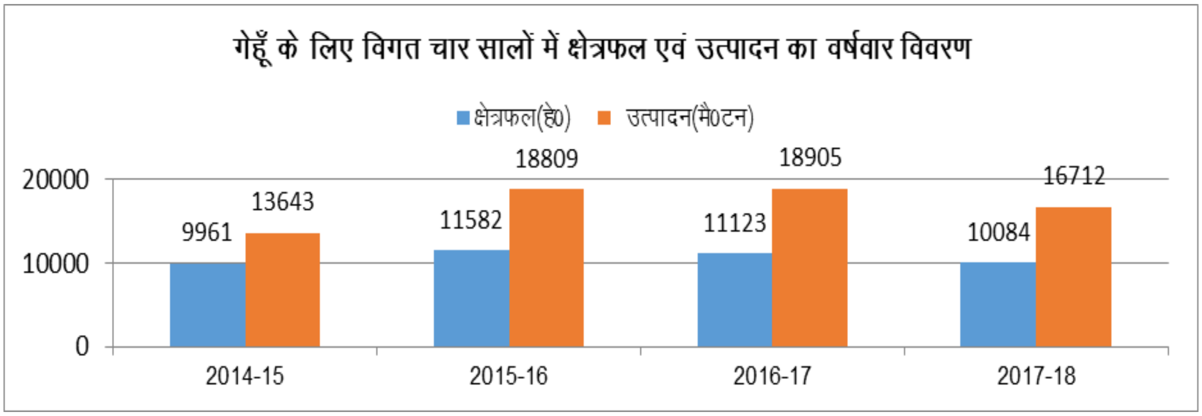

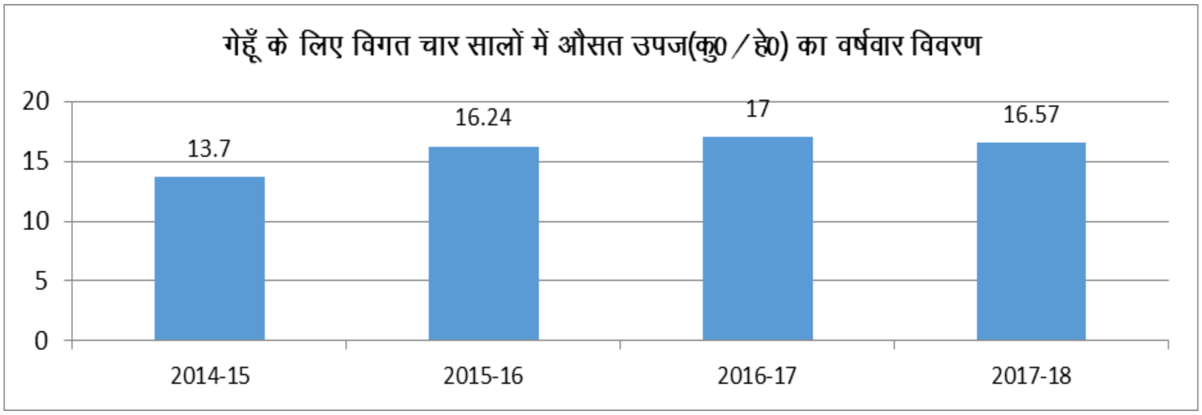

विगत चार सालों में जौ के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 26 हेक्टेयर की गिरावट हुई है परन्तु उत्पादन में 121 मी0टन की वृद्धि देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में भी वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य 33.81 कु0/है0 की कमी हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

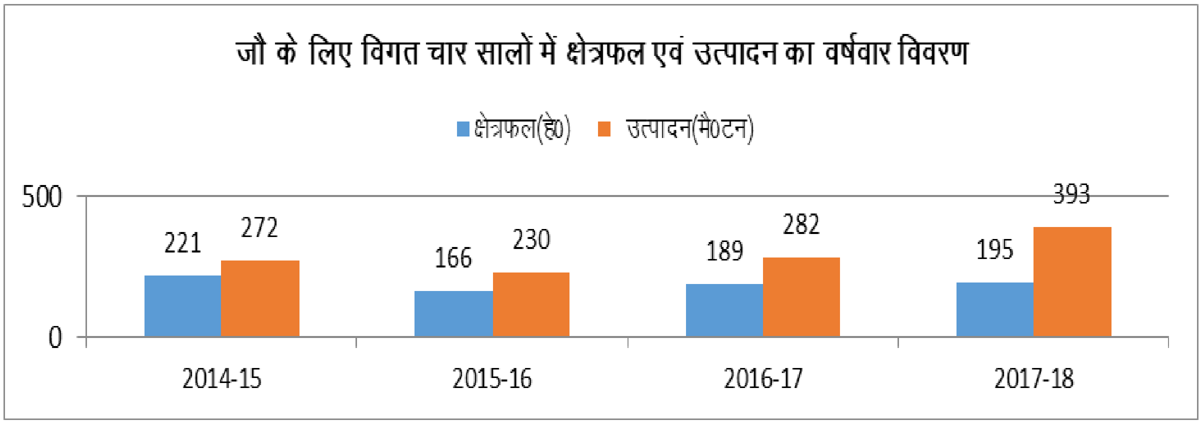

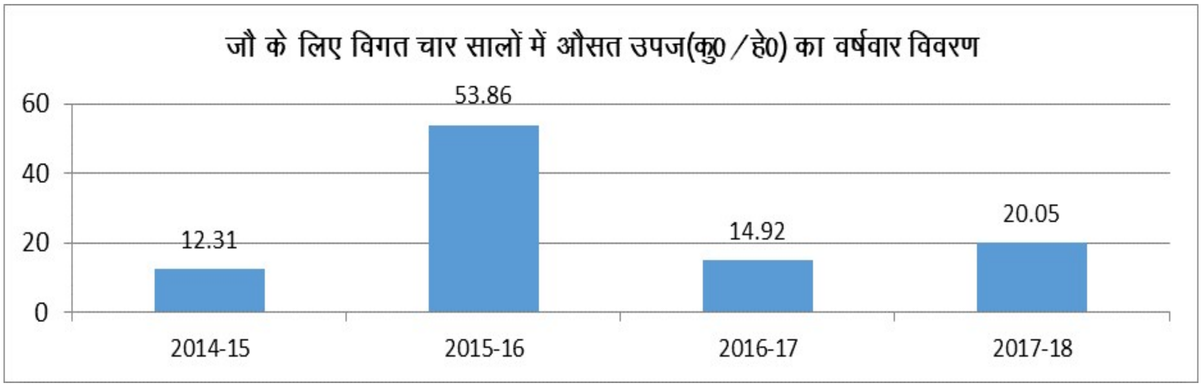

विगत चार सालों में चना के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 2 हेक्टेयर एवं उत्पादन में 1 मी0टन की वृद्धि हुई है परन्तु औसत उपज में वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य 2.81 कु0/है0 की कमी हुई है, जबकि वर्ष 2015–16 उक्त आंकड़ें शून्य है जिसका विवरण निम्नवत ग्राफों में दर्शाया गया है–

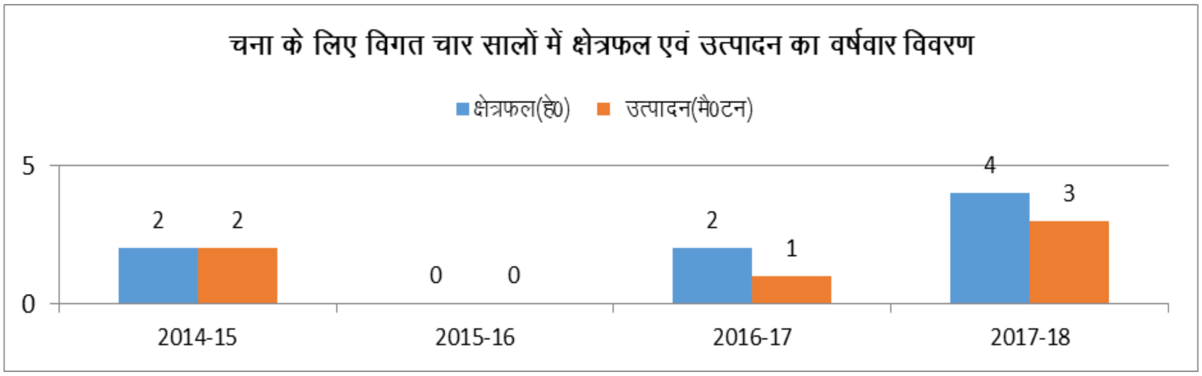

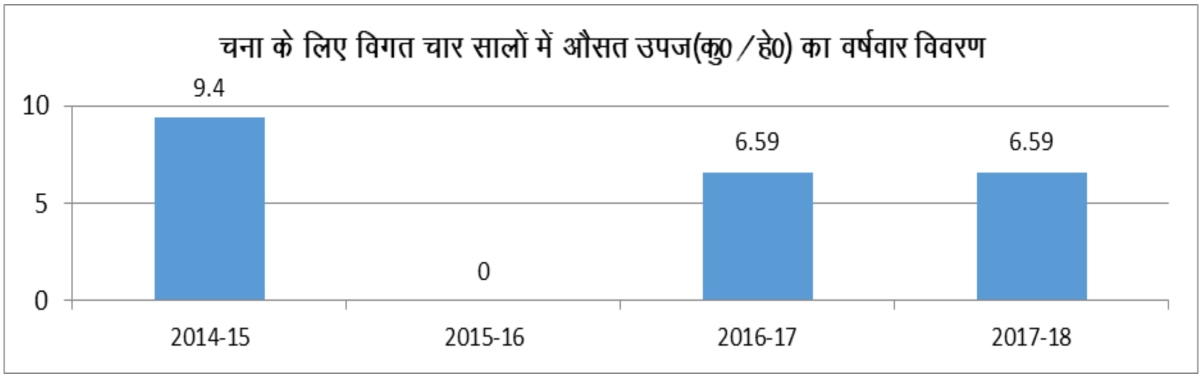

जनपद में विगत चार सालों में मटर के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 222 हेक्टेयर की एवं उत्पादन में 145 मी0टन की गिरावट देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में कोई भी परिवर्तन नहीं हुआ है। जिसका विवरण निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

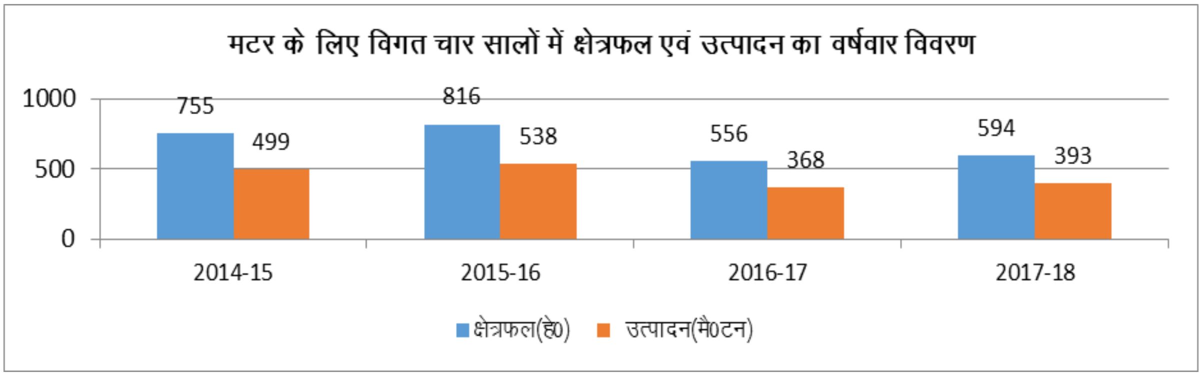

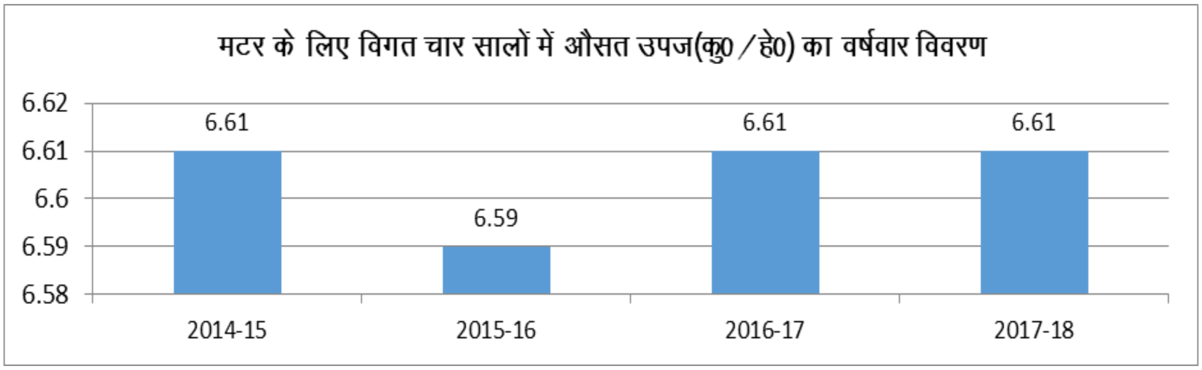

विगत चार सालों में मसूर के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 64 हेक्टेयर एवं उत्पादन में 128 मी0टन की कमी आई है जबकि औसत उपज में वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य 3.43 कु0/है0 की गिरावट हुई है जिसके आंकड़ें निम्नवत ग्राफों में दर्शाये गये हैं।

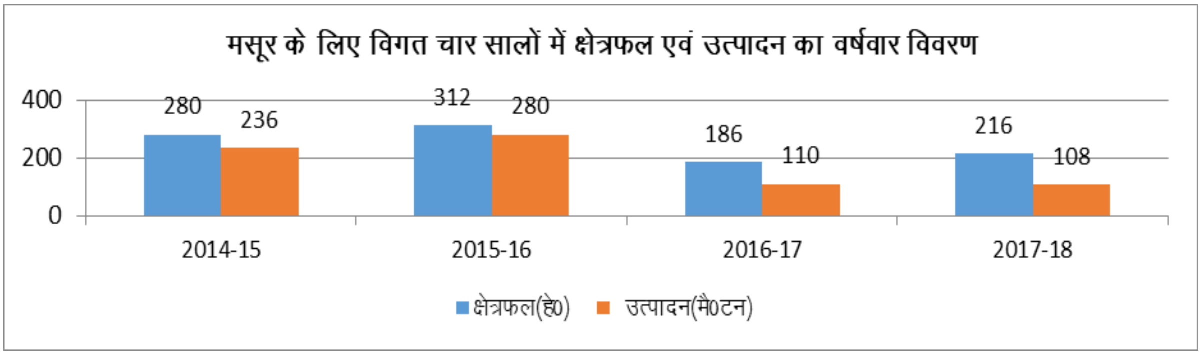

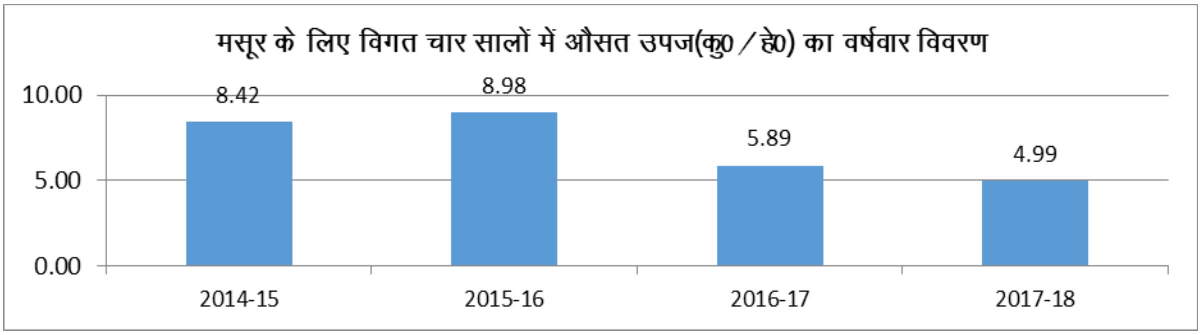

विगत चार सालों में लाही/सरसों/तोरिया के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 107 हेक्टेयर, उत्पादन में 252 मी0टन एवं औसत उपज में 1.95 कु0/है0 की गिरावट हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में दर्शाये गये हैं।

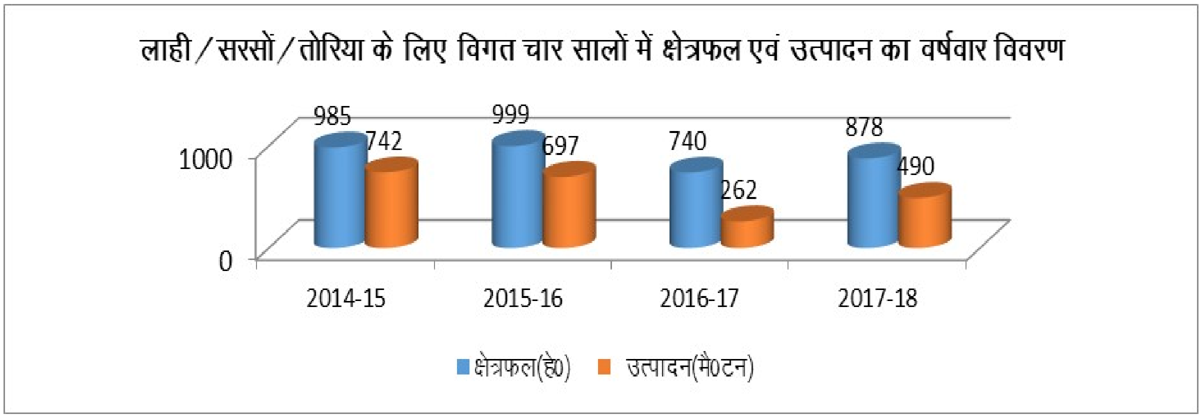

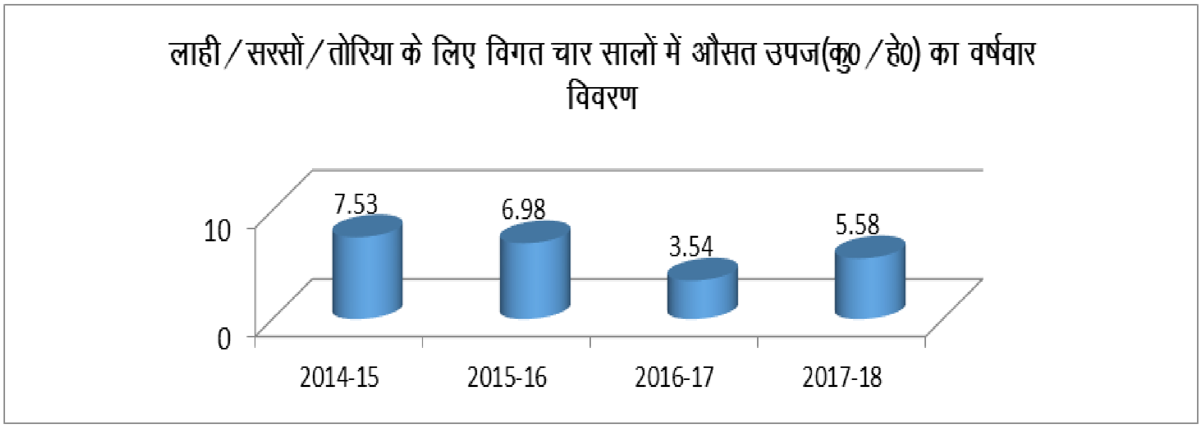

विगत चार सालों में आलू रबी के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 141 हेक्टेयर, उत्पादन में 1043 मी0टन तथा औसत उपज में 10.22 कु0/है0 की गिरावट हुई है जिसके आंकड़ें निम्नवत ग्राफों में प्रदर्शित किये गये हैं।

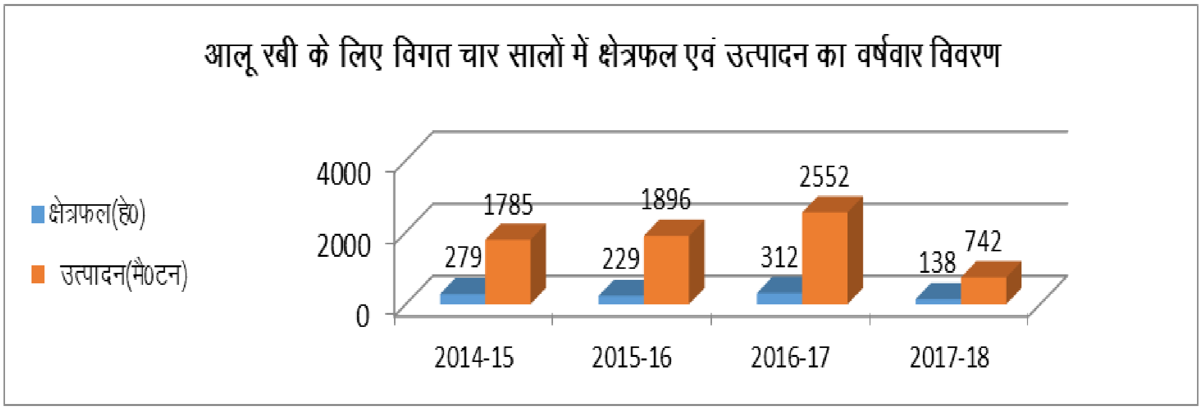

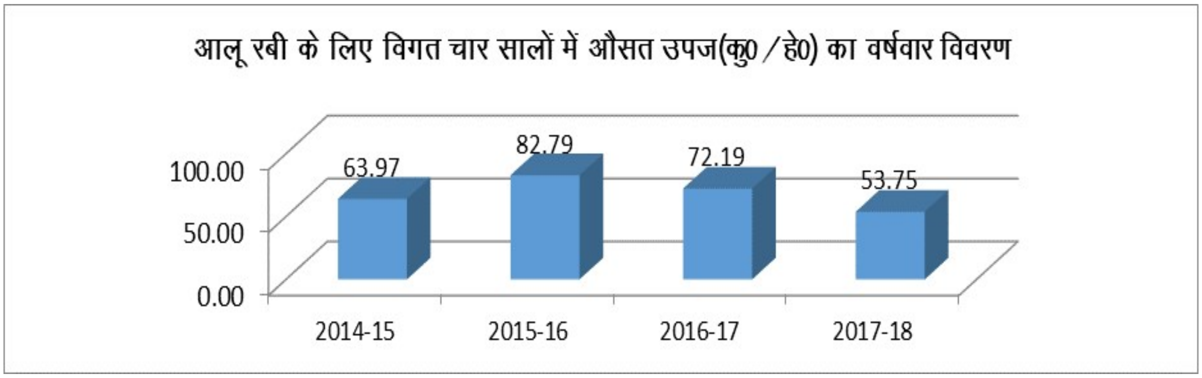

जनपद में विगत चार सालों में प्याज के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 122 हेक्टेयर तथा उत्पादन में 516 मी0टन की गिरावट देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में भी वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य 96.77 कु0/है0 की वृद्धि हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

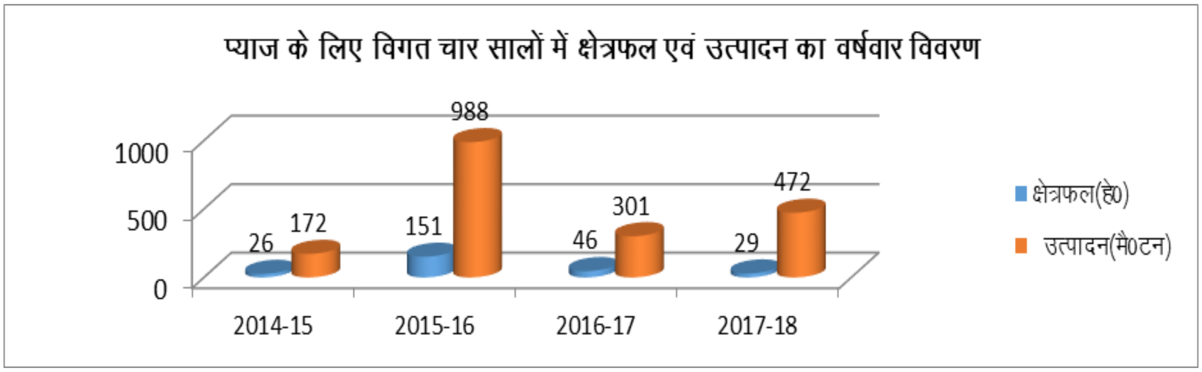

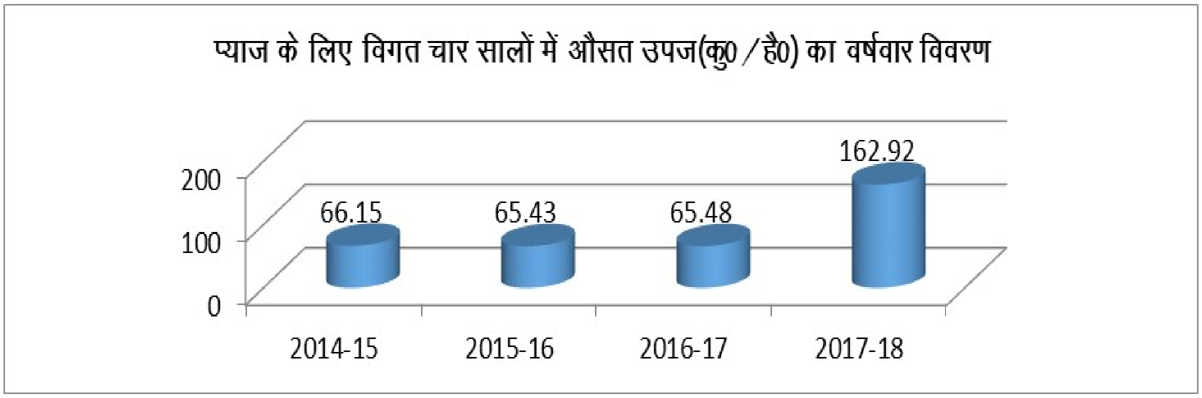

जनपद में विगत चार सालों में रबी की फसलों के लिए क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 5807 हेक्टेयर तथा उत्पादन में 8831 मी0टन की गिरावट हुई है जबकि औसत उपज में वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य 26.62 कु0/है0 की वृद्धि हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

रबी की फसलों के लिए विगत चार सालों में क्षेत्रफल एवं उत्पादन का वर्षवार विवरण

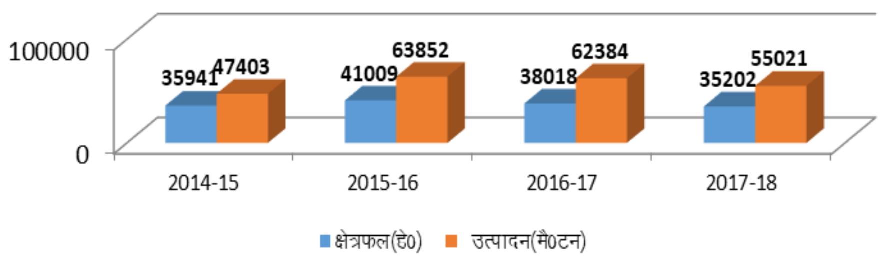

रबी की फसलों के लिए विगत चार सालों में औसत उपज(कु0/है0) का वर्षवार विवरण

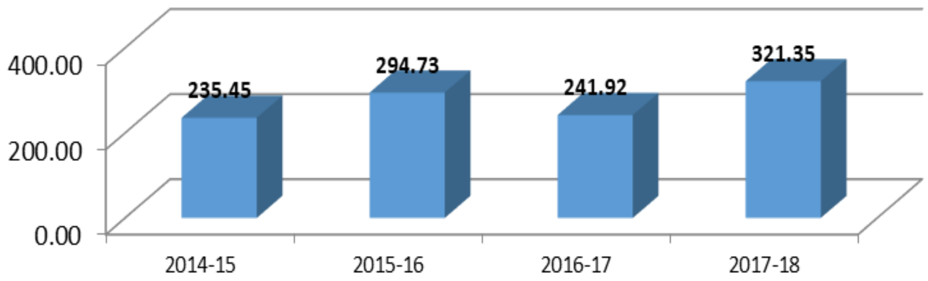

जनपद उत्तरकाशी में खरीफ की मुख्य फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं औसत उपज के आकड़ों का वर्षवार विवरण

फसल	वर्ष					बदलाव
	विवरण	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	
चावल (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	9919	10737	9585	9464	-1273
	उत्पादन(मै0टन)	16499	18978	16973	16174	-2804
	औसत उपज(कु0/हे0)	16.63	17.68	17.71	17.09	-0.59
मक्का (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	410	405	372	373	-37
	उत्पादन(मै0टन)	1064	1051	601	994	-70
	औसत उपज(कु0/हे0)	25.95	25.96	16.15	26.65	0.7
मण्डुवा	कुल क्षे0(हे0)	5275	5162	4951	4879	-283
	उत्पादन(मै0टन)	9233	9494	8167	8627	-867
	औसत उपज(कु0/हे0)	17.5	18.39	16.5	17.68	-0.71
सावां (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	2308	1977	1865	1576	-732
	उत्पादन(मै0टन)	3415	3039	3579	2155	-1260
	औसत उपज(कु0/हे0)	14.8	15.37	19.19	13.67	-5.52
रामदाना	कुल क्षे0(हे0)	1977	1396	1542	2286	309

	उत्पादन(मै0टन)	1083	903	1875	2718	1635
	औसत उपज(कु0 / हे0)	5.48	6.47	12.16	11.89	6.41
अन्य धान (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	337	231	966	61	-276
	उत्पादन(मै0टन)	151	116	483	31	-120
	औसत उपज(कु0 / हे0)	4.48	5	5	5.11	0.63
कुल खाद्यान (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	20226	19908	19281	18639	-1587
	उत्पादन(मै0टन)	31445	33581	31678	30699	-746
	औसत उपज(कु0 / हे0)	15.55	16.87	16.43	16.47	-0.40
तुर / अरहर	कुल क्षे0(हे0)	379	396	341	530	151
	उत्पादन(मै0टन)	279	239	300	490	211
	औसत उपज(कु0 / हे0)	7.35	6.03	8.79	9.25	1.9
उर्द (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	835	698	869	938	103
	उत्पादन(मै0टन)	680	518	612	861	181
	औसत उपज(कु0 / हे0)	8.14	7.42	7.04	9.18	1.04
कुल्थी	कुल क्षे0(हे0)	842	812	1020	1064	222
	उत्पादन(मै0टन)	868	604	778	1170	302
	औसत उपज(कु0 / हे0)	10.31	7.44	7.63	11	0.69
भट्ट	कुल क्षे0(हे0)	271	312	314	321	50
	उत्पादन(मै0टन)	195	247	208	207	12
	औसत उपज(कु0 / हे0)	7.21	7.92	6.62	6.45	-1.47
राजमा	कुल क्षे0(हे0)	1642	1419	1257	1709	67
	उत्पादन(मै0टन)	1568	1419	1350	1825	257
	औसत उपज(कु0 / हे0)	9.55	10	10.74	10.68	-0.06
अन्य दालें (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	0	0	8	25	17
	उत्पादन(मै0टन)	0	0	5	16	11
	औसत उपज(कु0 / हे0)	0	0	6.15	6.23	0.08
कुल दालें	कुल क्षे0(हे0)	3969	3637	3809	4587	618
	उत्पादन(मै0टन)	3590	3027	3253	4569	979
	औसत उपज(कु0 / हे0)	9.05	8.32	8.54	9.96	0.92
कुल खाद्यान (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	24195	23545	23090	23226	-969
	उत्पादन(मै0टन)	35035	36608	34931	35268	-1340
	औसत उपज(कु0 / हे0)	14.48	15.55	15.13	15.18	-0.36
तिल	कुल क्षे0(हे0)	532	649	700	613	-87

	उत्पादन(मै0टन)	157	195	237	206	-31
	औसत उपज(कु0 / हे0)	2.96	3	3.38	3.36	-0.02
सोयाबीन	कुल क्षे0(हे0)	172	199	529	155	-374
	उत्पादन(मै0टन)	169	182	555	153	-402
	औसत उपज(कु0 / हे0)	9.84	9.13	10.5	9.85	-0.65
अन्य तिलहन (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	2	0	10	0	8
	उत्पादन(मै0टन)	1	0	10	0	9
	औसत उपज(कु0 / हे0)	5	0	10	0	5
कुल तिलहन (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	706	848	1239	768	-471
	उत्पादन(मै0टन)	327	377	802	359	-443
	औसत उपज(कु0 / हे0)	4.63	4.45	6.47	4.67	-1.80
आलू (खरीफ)	कुल क्षे0(हे0)	1928	2273	2374	2528	600
	उत्पादन(मै0टन)	17751	17741	20654	18722	-1932
	औसत उपज(कु0 / हे0)	92.07	78.05	87	74.06	-18.01
योग	कुल क्षे0(हे0)	75925	74604	74122	73742	-2183
	उत्पादन(मै0टन)	123510	128319	127051	125244	-3075
	औसत उपज(कु0 / हे0)	280.97	263.04	291.13	278.44	-12.69

जनपद में विगत चार सालों में चावल के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 1273 हेक्टेयर, उत्पादन में 2804 मी0टन तथा औसत उपज में 0.59 कु0 / है0 की गिरावट प्रदर्शित होती है जिसका विवरण उपरोक्त तालिका एवं निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

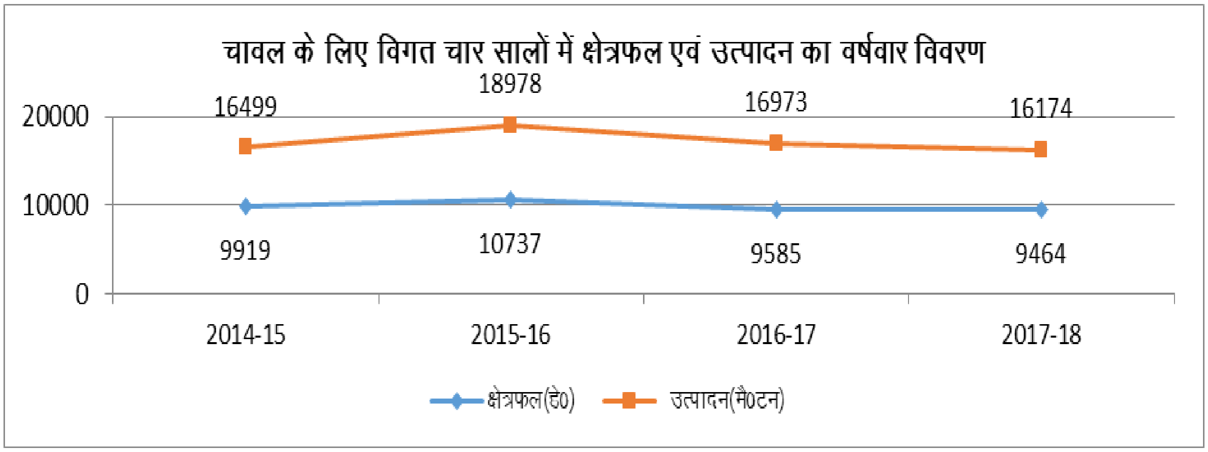

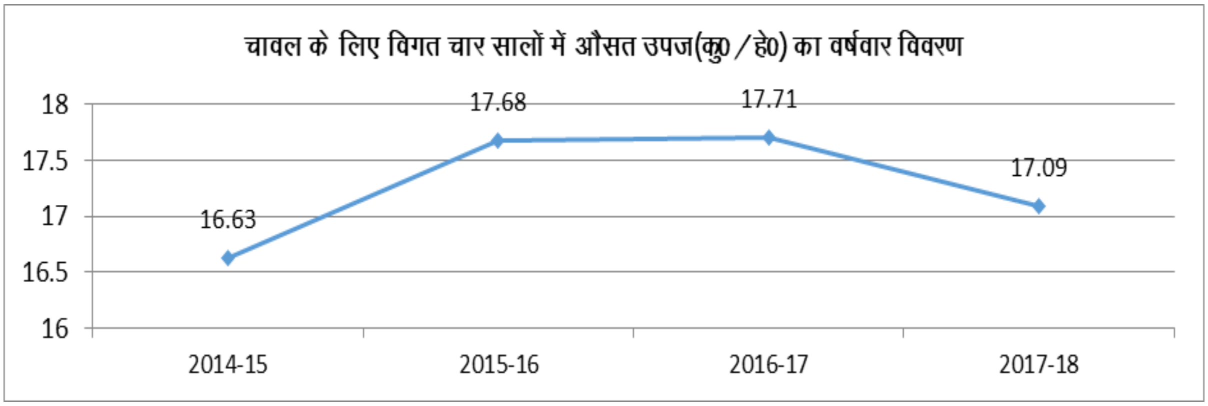

जनपद में विगत चार सालों में प्याज के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 37 हेक्टेयर तथा उत्पादन में 70 मी0टन की गिरावट देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में भी वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य मात्र 0.7 कु0/हे0 की वृद्धि हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

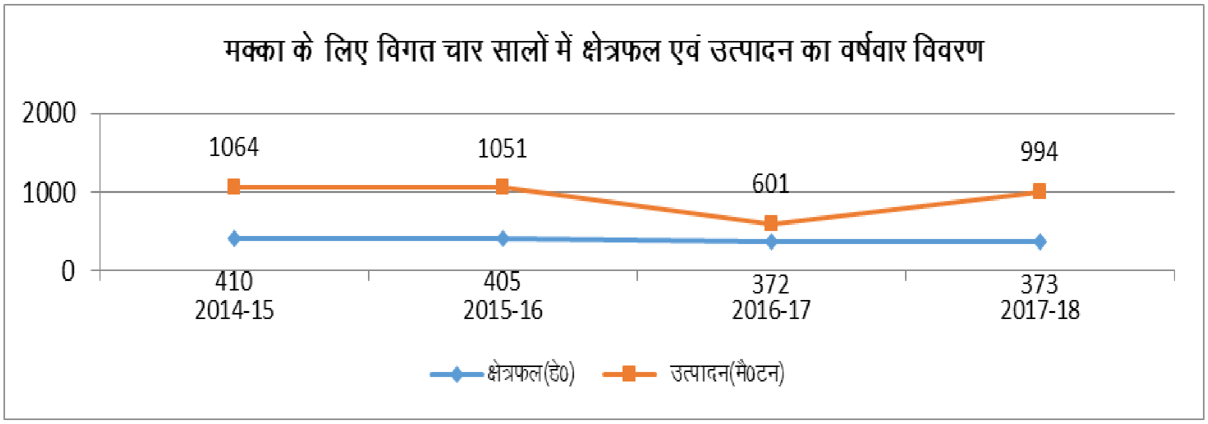

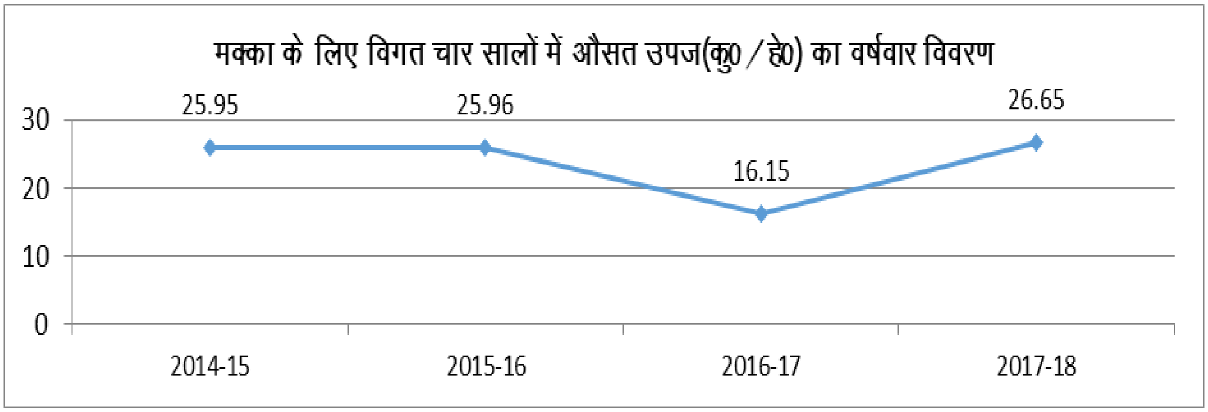

विगत चार सालों में मंडुवा के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 283 हेक्टेयर, उत्पादन में 867 मी0टन तथा औसत उपज में 0.71 कु0/है0 की गिरावट दर्ज हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में दर्शाया गया है।

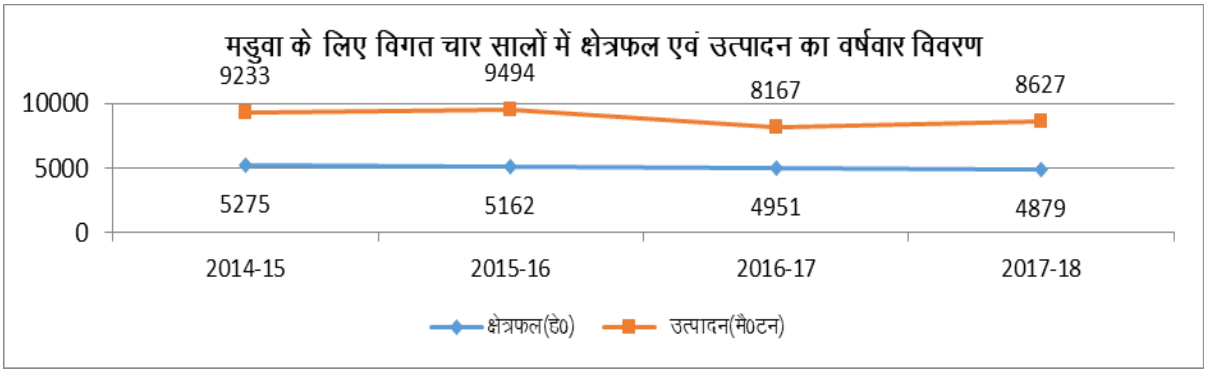

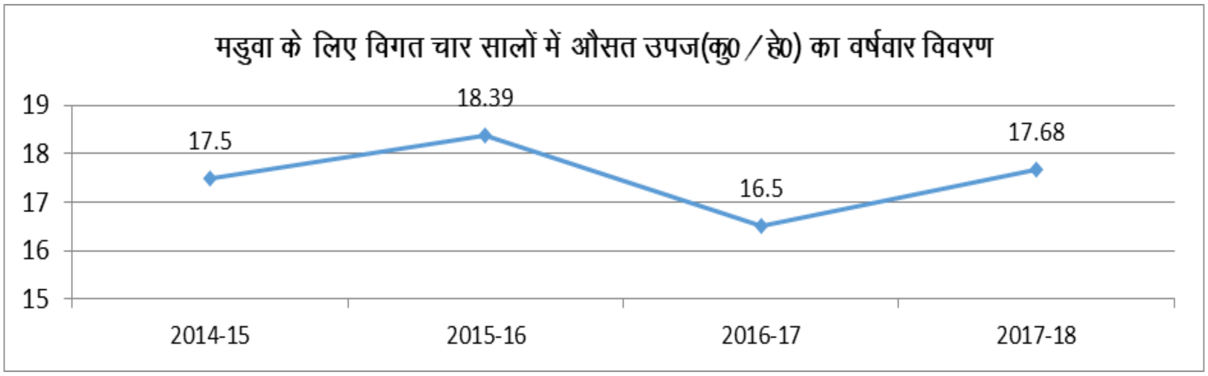

विगत चार सालों में सावां के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से पता चलता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 732 हेक्टेयर तथा उत्पादन में 1260 मी0टन की गिरावट दर्ज होती है, जबकि वर्ष 2016–17 से वर्ष 2017–18 के बीच औसत उपज में 5.52 कु0/हे0 की गिरावट प्रदर्शित होती है जिसके आंकड़ें निम्नवत ग्राफों में प्रदर्शित किये गये हैं।

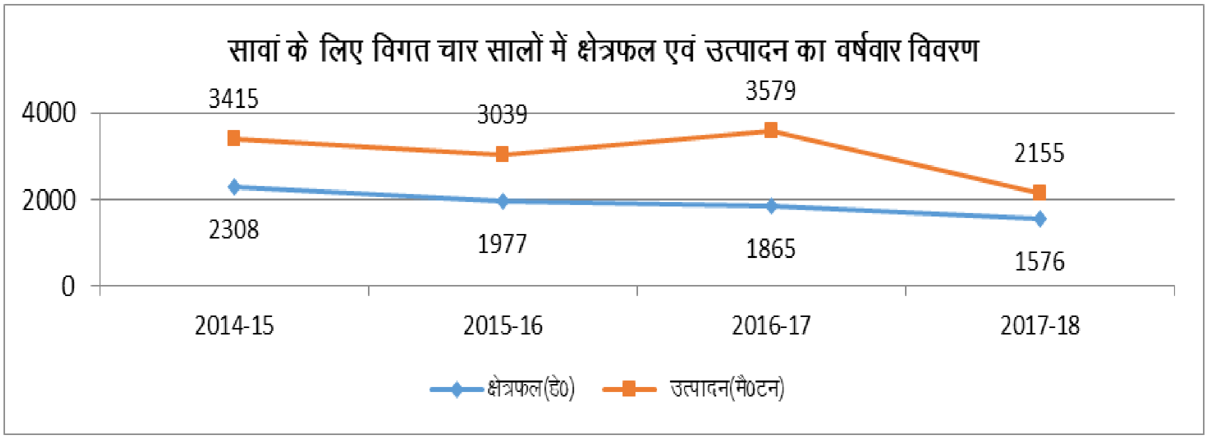

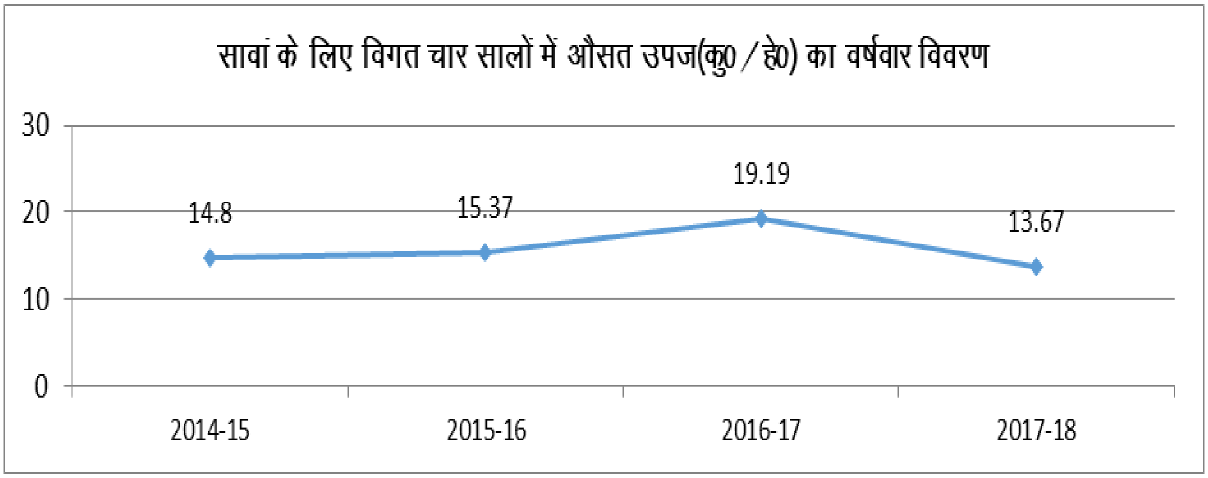

विगत चार सालों में रामदाना, अरहर, उर्द और दालों के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज में वृद्धि होती है जिसके आंकड़ें प्रदर्शित किये गये हैं।

विगत चार सालों में राजमा और भट्ट के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल तथा उत्पादन में वृद्धि होती है परन्तु औसत उपज में क्रमशः 0.06 कु0/है0 और 1.47 कु0/है0 की गिरावट हुई है जिसके आंकड़ें निम्नवत ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

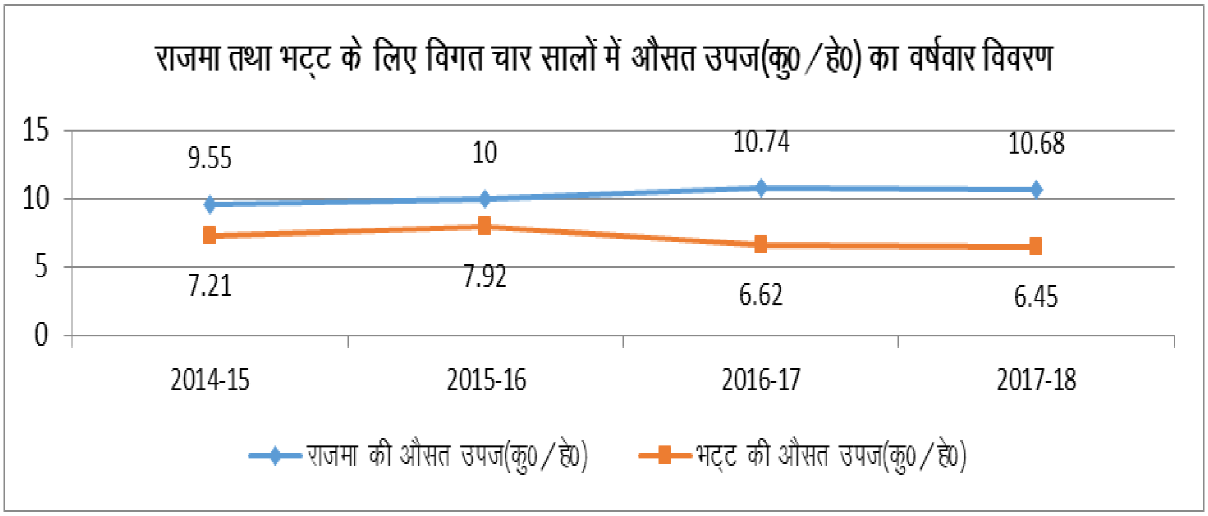

विगत चार सालों में तिल के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2016–17 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 87 हेक्टेयर, उत्पादन में 31 मी0टन तथा औसत उपज में 0.02 कु0/है0 की गिरावट हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफों में दर्शाये गये हैं।

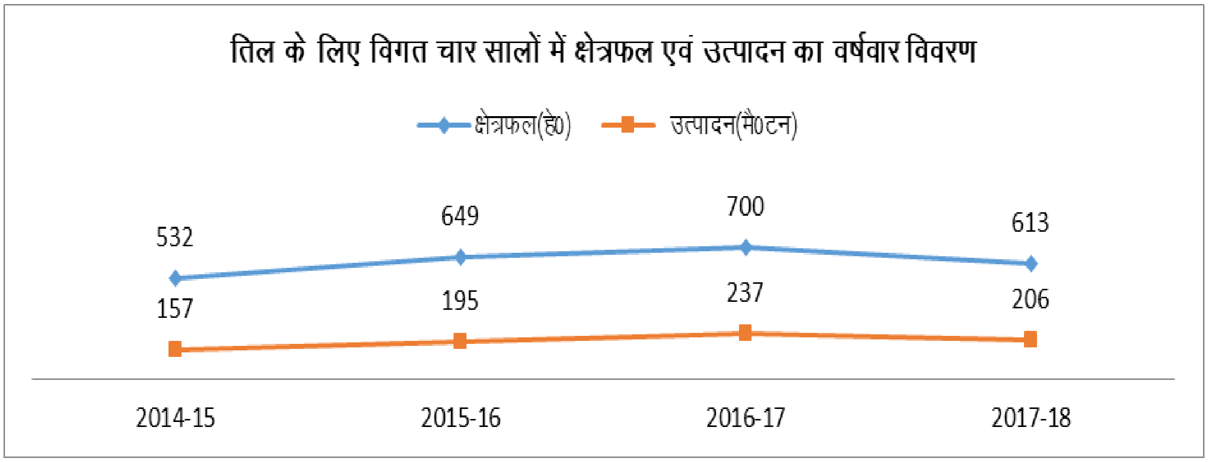

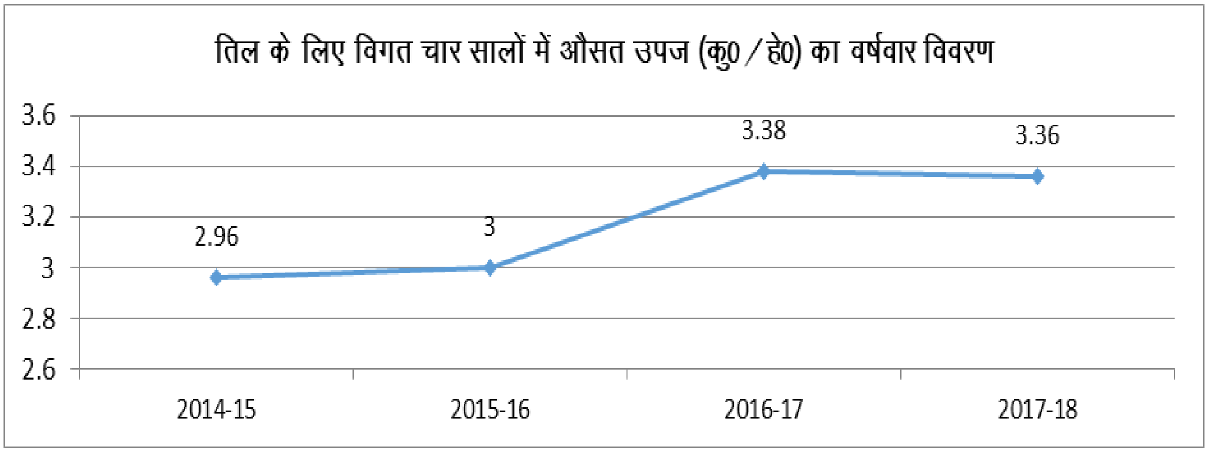

विगत चार सालों में सोयाबीन के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2016–17 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 374 हेक्टेयर, उत्पादन में 402 मी0टन तथा औसत उपज में 0.65 कु0/हे0 की गिरावट हुई है जिसका विवरण निम्नवत ग्राफों में दर्शाया गया है।

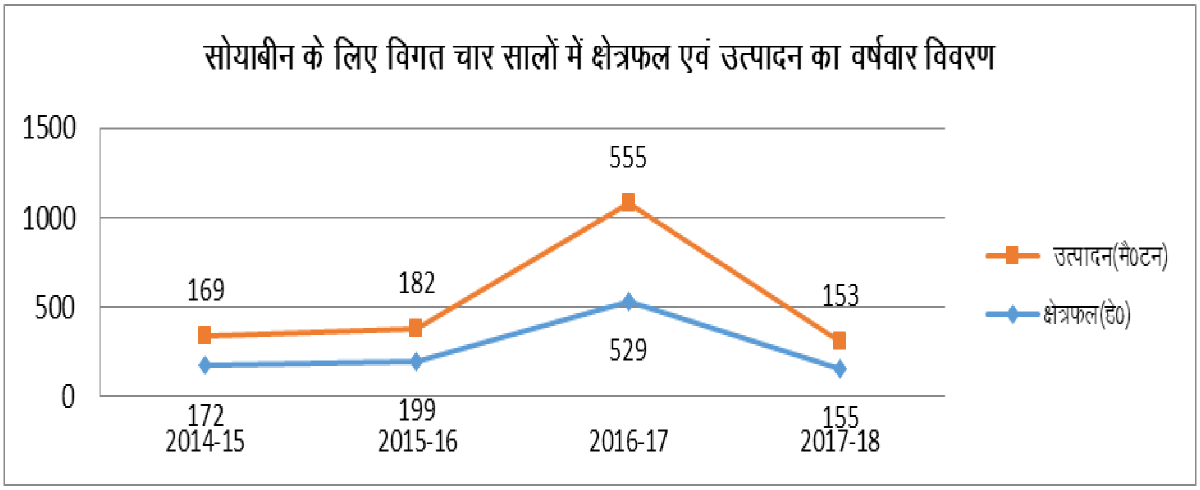

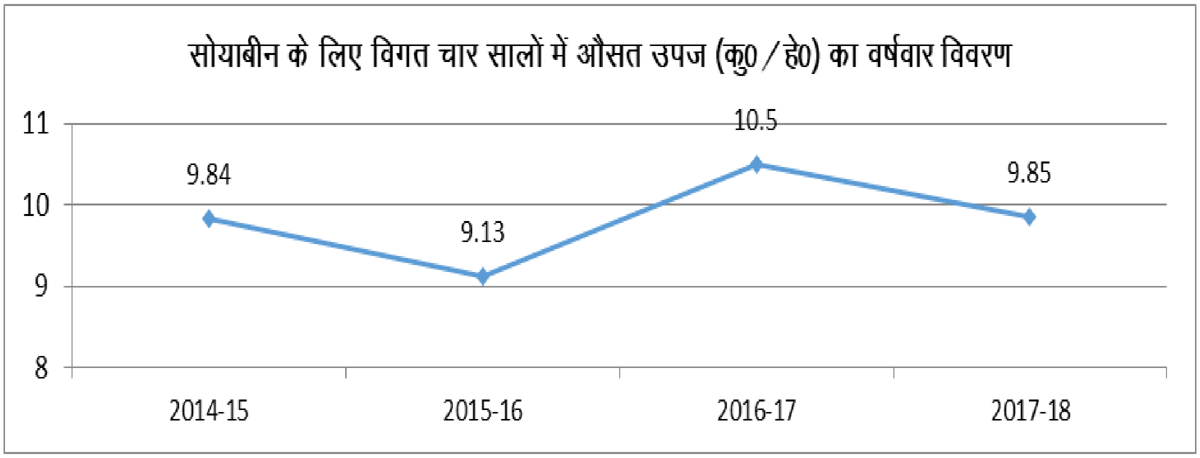

जनपद में विगत चार सालों में खरीफ की फसलों के लिए क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 2183 हेक्टेयर, वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के बीच उत्पादन में 3075 मी0टन तथा औसत उपज में वर्ष 2016–17 से वर्ष 2017–18 के मध्य 12.69 कु0/है0 की गिरावट हुई है जिसके आंकड़ों का विवरण उपरोक्त तालिका एवं निम्नवत ग्राफों में दिया गया है।

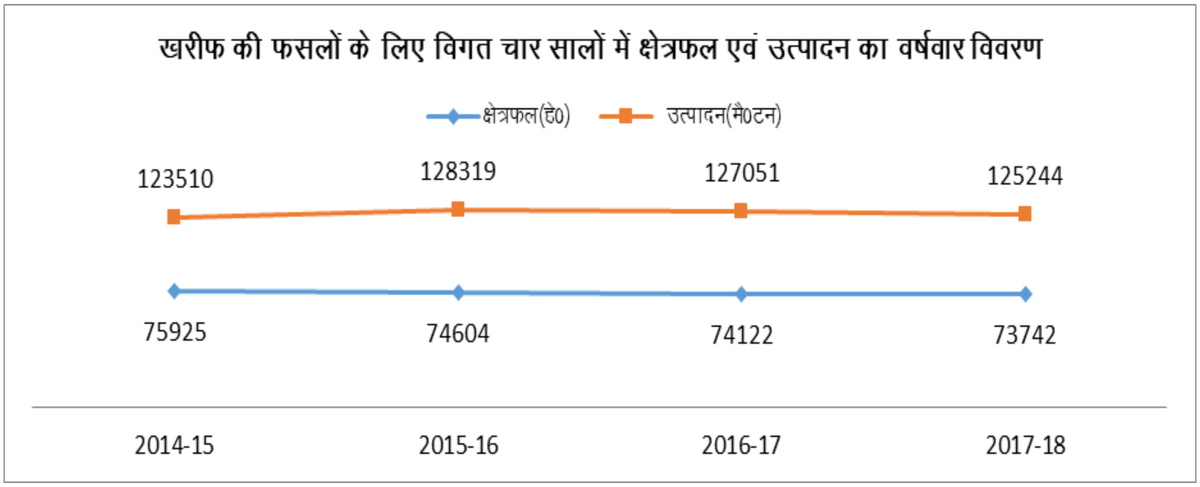

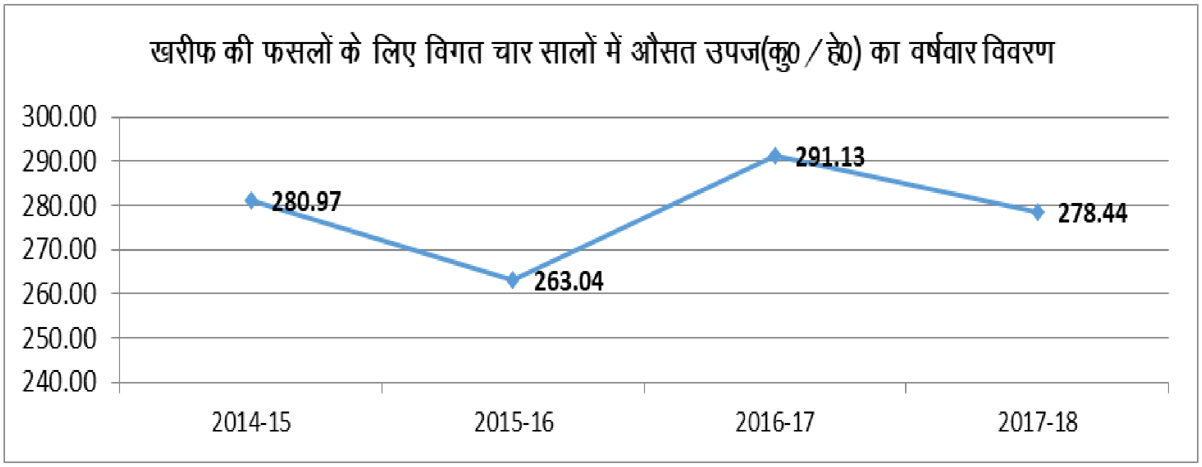

जनपद में कृषि विभाग द्वारा कई योजनायें कृषि क्षेत्र को बढावा दिये जाने हेतु संचालित की जा रही है जिनको संचालित करने में विभाग द्वारा जिला योजना में रूपये 83.48 लाख, राज्य सैक्टर में रूपये 118.43 लाख तथा केन्द्र सैक्टर में रूपये 710.50 लाख का परिव्यय वर्ष 2019–20 में किया गया, परन्तु फिर भी रबी और खरीफ की फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों में गिरावट देखी जा सकती है, अर्थात कृषकों में कृषि के प्रति रूचि में कमी आई है या विभाग कृषकों को आधुनिक कृषि करने की जानकारी पूर्णरूप से उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। विभाग को चाहिए कि कृषकों के साथ विचार विमर्श करते हुए कार्ययोजना तैयार करने पर बल दे।

अध्याय–5

विश्लेषण एवं सिफारिशें

जनपद उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड, के सुदूर पश्चिमी भाग में स्थित है, इस जनपद की स्थापना 24 फरवरी 1960 को हुई। यह जनपद राज्य के शीर्ष के उत्तर–पश्चिम कोने में 8016 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 15% है। उत्तरकाशी भागीरथी नदी के किनारे पर स्थित है। अधिकांश इलाका पहाड़ी और ऊँची–ऊँची चोटियों, पहाडियों और पठारों से युक्त हैं, जहाँ हिमालय पर्वतमाला, गंगा और यमुना नदियों का उद्गम स्थान भी मौजूद है, जो हजारों तीर्थयात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उत्तरकाशी जनपद उत्तर में हिमाचल प्रदेश और तिब्बत क्षेत्र, पश्चिम में देहरादून जनपद, पूर्व में चमोली तथा दक्षिण में टिहरी गढ़वाल और रूद्रप्रयाग जनपद से घिरा हुआ है।

जनपद से पिछले 10 वर्षो में (वर्ष 2018 तक) 376 ग्राम पंचायतों से कुल 19893 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में (वर्ष 2018 तक) 111 ग्राम पंचायतों से 2727 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आंकड़ें दर्शातें हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है। पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं में कमी है। आकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 36 प्रतिशत पलायन 26 से 35 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया गया है।

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गन्तव्य का विश्लेषण कर सामने आये आकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से लगभग 22 प्रतिशत पलायन राज्य के अन्य जनपदों में है जबकि 17 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है। सबसे अधिक पलायन नजदीकी कस्बों में हुआ है (39%)।

Demographic Data

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तरकाशी की कुल जनसंख्या 3.29 लाख है, जो राज्य की कुल आबादी का 3.25 प्रतिशत है। उत्तरकाशी में प्रति वर्ग किमी में 41 लोगों का जनसंख्या घनत्व है जो उत्तरकाशी को सबसे कम घनी आबादी वाला जनपद का दर्जा देता है। राज्य की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 19.17% है जबकि उत्तरकाशी जनपद की वृद्धि दर 11.75% है। जनपद में शहरी जनसंख्या 7.35% है जबकि राज्य में शहरी जनसंख्या 30.55% है।

जनपद उत्तरकाशी की जनसंख्या वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल 2,95,013 है, जो वर्ष 2011 की जनगणना में बढ़कर 3,30,086 हुई, इनमें 1,68,597 पुरूष तथा 1,61,489 महिलाएं हैं। जनपद उत्तरकाशी की जनसंख्या, सम्पूर्ण प्रदेश की जनसंख्या का कुल 3.25 प्रतिशत है, जिसका जनसंख्या घनत्व 41 व्यक्ति प्रति वर्गकिलोमीटर है, जो वर्ष 2001 में 37 व्यक्ति प्रति वर्गकिलोमीटर था।

जनपद में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या वृद्धि दर 23.07% थी जो वर्ष 2011 में 11.18% गिरावट होने के पश्चात 11.89% हो जाता है। वर्ष 2001 की अपेक्षा वर्ष 2011 में जनसंख्या में 11% की वृद्धि हुई है जो कम है।

वर्ष	जनपद	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	जनसंख्या वृद्धि दर	कुल जनसंख्या			जनसंख्या घनत्व
				पुरूष	महिला	योग	
2001	उत्तरकाशी	8016	**23.07%**	152016	142997	295013	37
2011	,,	8016	**11.89%**	168597	161489	330086	41
दशकीय परिवर्तन ±			**11.18%**	**16581**	**18492**	**35073**	**4**
			–	**10.91%**	**12.93%**	**11.89%**	**11%**

उत्तरकाशी जनपद में वर्ष 1901 से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में हुए दशकीय बदलाव को निम्न तालिका में दर्शाया गया है, जिसमें वर्ष 1951 से वर्ष 1981 के मध्य जनसंख्या में तेज वृद्धि दर देखी गयी है जबकि वर्ष 1981 में बढ़कर 29.19% हो गया था। वर्ष 1991 से जनसंख्या में हर दशक में गिरावट होते हुए वर्ष 2011 तक जनसंख्या में 11.89% की वृद्धि दर पर पहुँच चुकी है, जिससे जनपद से पलायन की पुष्टि होती है।

वर्ष 1901 की स्थिति से वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या में दशकीय बदलाव						
जनपद	जनगणना वर्ष	जनसंख्या	पूर्ववर्ती जनगणना के बाद से बदलाव		पुरूष	महिला
			शुद्ध बदलाव	प्रतिशत		
उत्तरकाशी	1901	69,209	–	–	34,343	34,866
	1911	77,429	+8,220	+11.88	38,213	39,216
	1921	81,958	+4,529	+5.85	40,282	41,676
	1931	89,978	+8,020	+9.79	44,611	45,367
	1941	1,02,280	+12,302	+13.67	51,758	50,522
	1951	1,06,058	+3,778	+3.69	53,214	52,844
	1961	1,22,836	+16,778	+15.82	62,534	60,302
	1971	1,47,805	+24,969	+20.33	77,832	69,973
	1981	1,90,948	+43,143	+29.19	1,01,533	89,415
	1991	2,39,709	+48,761	+25.54	1,24,978	1,14,731
	2001	2,95,013	+55,304	+23.07	1,52,016	1,42,997
	2011	3,30,086	+35,073	+11.89	1,68,597	1,61,489

Decadal change in population of Tehsils, 2001-2011

Sl. No.	Tehsil	Population						Percentage decadal variation 2001-2011		
		2001			2011					
		Total	Rural	Urban	Total	Rural	Urban	Total	Rural	Urban
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	Purola	28720	28720	0	33792	33792	0	17.66	17.66	0
2	Mori	34074	34074	0	40491	40491	0	18.83	18.83	0
3	Rajgarhi	62274	56179	6095	70564	63844	6720	13.31	13.72	10.25
4	Dunda	56239	56239	0	60283	60283	0	7.19	7.19	0
5	Chiniyalisaur	43860	43860	0	49900	49900	0	13.77	13.77	0
6	Bhatwari	69846	53023	16823	75056	57471	17585	7.46	8.39	4.53
	Uttarkashi	295013	272095	22918	330086	305781	24305	11.89	12.38	6.05

जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण वर्ष 2011

श्रमिक और गैर श्रमिक							
कुल श्रमिक	मुख्य कर्मकरों की जनसंख्या	सीमान्त कर्मकरों की जनसंख्या	गैर श्रमिक की जनसंख्या	कुल श्रमिकों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	सीमान्त कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	गैर श्रमिक का कुल जनसंख्या से प्रतिशत
157276	128367	28909	172810	47.65%	38.89%	8.76%	52.35%

❖ अर्थव्यवस्था

जनपद उत्तरकाशी में मौजूदा कीमतों पर अर्थव्यवस्था का सकल घरेलू उत्पाद अर्थात् जीडीपी वर्ष 2011–12 में 227097 लाख रूपये, वर्ष 2012–13 में 252692 लाख रूपये, वर्ष 2013–14 में 297209 लाख रूपये, वर्ष 2014–15 में 305338 लाख रूपये, वर्ष 2015–16 के लिए 327121 लाख रूपये अनुमानित एवं वर्ष 2016–17 के लिए अनंतिम रूप से 361225 लाख रूपये का अनुमान है। अर्थव्यस्था की वृद्धि अर्थात् जीडीपी लगातार कीमतों पर वर्ष 2011–12 में 227097 रूपये, वर्ष 2012–13 में 223977 रूपये, वर्ष 2013–14 में 252930 रूपये, वर्ष 2014–15 में 263741 रूपये, वर्ष 2015–16 के लिए 276800 एवं वर्ष 2016–17 के लिए 293578 रूपये अनंतिम रूप से अनुमानित है।

प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2011–12 में 61471 रूपये, वर्ष 2012–13 में 67402 रूपये, वर्ष 2013–14 में 76362 रूपये, वर्ष 2014–15 में 77596 रूपये, वर्ष 2015–16 के लिए 81954 एवं वर्ष 2016–17 के लिए 89190 रूपये अनंतिम रूप से अनुमानित है।

प्राथमिक क्षेत्र

उत्तराखण्ड कृषि सांख्यिकी रिपोर्ट 2009–10 के अनुसार जनपद का लगभग 88.6% भूमि जंगल से आच्छादित है, कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 3.38% खेती के लिए उपलब्ध है। चावल, गेहूँ, मक्का और बाजरा जनपद की प्राथमिक फसलें हैं। जनपद में उगाए जाने वाली मुख्य्य दालें राजमा, काले चने, गहत और सोयाबीन है। 30975 हेक्टेयर के कुल भौगोलिक क्षेत्र में से केवल 6241 हेक्टेयर में सिंचाई होती है यानी 20.15%, जबकि 79.85% क्षेत्र वर्षा पर आधारित है। जनपद की अर्थवयवस्था मुख्य रूप से कृषि और सम्बद्ध गतिविधियों पर निर्भर है।

द्वितीयक क्षेत्र

राज्य के अन्य जनपदों की तुलना में जनपद में औद्योगीकरण बहुत कम है। एक भी बड़ा और मध्यम उद्यम नहीं है, इसका कारण कठिन भूभाग और पहाड़ी क्षेत्रों के स्थलाकृति है। जिला औद्योगिक केन्द्र के अनुसार जनपद में 2349 लघु उद्योग पंजीकृत हैं जिनमें लगभग 4685 दैनिक श्रमिक काम करते हैं। वर्ष 2010–11 के लिए उद्योगों के लिए कुल निवेश 2941.32 लाख रूपये था। जनपद में कुछ प्रमुख सूक्ष्म, छोटे और रेडीमेड परिधान और कढ़ाई (610 इकाइयाँ), लकडी पर आधारित इकाइयाँ 189, कृषि–आधारित प्रसंस्करण इकाइयाँ 102, ऊनी रेशम कृत्रिम धागा आधारित वस्त्र इकाइयाँ 45, हथकरघा इकाइयाँ 29, और हस्तकला इकाइयाँ 26 आदि हैं।

तृतीयक क्षेत्र

जनपद सुन्दर, मनमोहक परिदृश्यों के दुर्लभ दृश्यों हेतु प्रसिद्ध है जो धार्मिक व साहसिक पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। जनपद दो महत्वपूर्ण तीर्थस्थानों गंगोत्री और यमुनोत्री के कारण महत्व प्राप्त करता है। इसके अलावा अन्य आकर्षक स्थलों में विश्वनाथ मन्दिर, शक्ति मन्दिर, गोविन्द नेशनल पार्क, हर की दून, दयारा बुग्याल और हर्षिल इत्यादि हैं।

Significant data from Uttarakhand HDI report 2017

Per capita income

District-Male....Rs75,600 Female.... Rs 66,600

State-Male......Rs 1,95,100 Female.... Rs 66,400

Poverty rate (%)

District-9.9 %

State-15.6 %

Share of monthly remittance from total remittance

District- 66.7%

State-75.5%

सिफारिशें

ग्रामीण विकास

मनरेगा योजना

जनपद उत्तरकाशी के 6 विकासखण्डों एवं 508 ग्राम पंचायतों में विभाग द्वारा कुल 0.856 लाख जॉब कार्ड वितरित किये गये हैं, जिनमें से अभी भी लगभग 13 प्रतिशत जॉब कार्ड निष्क्रीय हैं, जबकि पंजीकृत कुल 1.791 लाख श्रमिकों में से वर्ष 2019—20 तक लगभग 33 प्रतिशत श्रमिकों को रोजगार से वंचित रखा गया है। इसके लिए विभाग को ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाते हुए सभी जॉब कार्ड धारकों एवं श्रमिकों को आच्छादित करने की सभी विकासखण्डों में कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

जनपद में वर्ष 2016—17 से वर्ष 2019—20 के मध्य सृजित कार्य—दिवस के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में यह आंकड़ा वर्ष 2016—17 से 1.04 लाख कम हुआ है। जनपद के विकासखण्डों के आंकड़ों को देखे तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2019—20 में विकासखण्ड पुरोला (2.91 लाख मानव दिवस), विकासखण्ड मोरी (3.40 लाख मानव दिवस) एवं विकासखण्ड भटवाड़ी (3.66 लाख मानव दिवस), की स्थिति सृजित कार्य—दिवस में अच्छी नहीं है।

जनपद में मनरेगा के अन्तर्गत कुल कार्य—दिवस में अनुसूचित जनजाति के लोगों का कुल कार्य—दिवसों का प्रतिशत देखें तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2017—18 से निरन्तर गिरावट होती जा रही है जो वर्ष 2017—18 से वर्ष 2019—20 के मध्य 27 प्रतिशत हो चुकी है। इन आंकड़ों को विकासखण्ड के स्तर से देखें तो स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड चिन्यालीसौड में सबसे कम 0.02 प्रतिशत के माध्यम से अनुसूचित जनजाति के लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

मनरेगा में मजदूरी के 100 दिन पूरे करने वाले परिवारों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में अभी तक पंजीकृत कुल 0.856 लाख परिवारों में से मात्र लगभग 5 प्रतिशत परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया गया है, जो कि बहुत ही कम है जिसमें सबसे कम विकासखण्ड मोरी द्वारा 344 के माध्यम से योगदान किया गया है जिसको बढ़ाने के लिए विभाग को ठोस रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि ज्यादा से ज्यादा परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया जा सके।

मनरेगा के तहत कृषि और कृषि सम्बन्धी कार्यों पर व्यय का प्रतिशत के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि जनपद में वर्ष 2016—17 से उक्त मद में निरन्तर गिरावट दर्ज हो रही है जो वर्ष 2016—17 से 84.10 प्रतिशत गिरकर वर्ष 2019—20 तक 59.42 प्रतिशत पर पहुँच गया है, जिसमें सबसे कम योगदान विकासखण्ड मोरी द्वारा 46.53 प्रतिशत के माध्यम से किया जा रहा है। उल्लिखित विवरण जनपद के ग्रामीण सामाजिक—आर्थिक विकास के लिए उचित नहीं है जबकि जनपद में 55.32 प्रतिशत लोगों का व्यवसाय कृषि ही है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

जनपद में विभाग द्वारा वर्ष 2020–21 में 126 स्वयं सहायता समूह गठित किये गये है जिनमें से 5 रिवाईव किये गये स्वयं सहायता समूह भी सम्मिलित हैं। जनपद में सबसे कम 05 स्वयं सहायता समूह विकासखण्ड भटवाड़ी में गठित किये गये जो कि बहुत ही कम है। विकासखण्ड डुण्डा के अतिरिक्त सभी विकासखण्डों की स्थिति अच्छी नहीं है, जिसमें सुधार किया जाना अति अपेक्षित है। आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विगत वर्षों में विकासखण्ड नौगांव के अन्तर्गत सबसे कम 44 ही स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया, जिसके लिए विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए ठोस रणनीति तैयार करनी चाहिए।

डी0डी0यू0जी0के0वाई0 योजना :–

योजना के अन्तर्गत जनपद के विकासखण्ड भटवाड़ी में वर्ष 2021 में ही 30 प्रशिक्षाणार्थियों का प्रशिक्षण दिया गया जबकि विगत सालों में उक्त आंकड़ा शून्य रहता है परन्तु अन्य विकासखण्ड़ों में डी0डी0यू0जी0के0वाई0 योजना के आंकड़ें उल्लेखित ही नहीं हैं।

RSETI,s:–

आरसेटी के माध्यम से जनपद में विगत तीन सालों के मध्य कुल 1402 प्रशिक्षिणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें विकासखण्ड मोरी पिछड़ा रहा जो कि जनपद के सुदृढ़ विकास के लिए उचित नहीं है। विकासखण्ड पुरोला और नौगांव की भी कोई अच्छी स्थिति नहीं है। आरसेटी को जनपद के सभी विकासखण्ड़ों में समुचित प्रशिक्षिण देने पर बल देना चाहिए। आधुनिक रूचि के अनुसार व्यवसाय एवं लघु, सूक्ष्म उद्यमों के लिए प्रशिक्षण दिया जाना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए उचित होगा।

ग्राम्य विकास के लिए निम्नलिखित सिफारिशें की जा रही हैं:–

1. ग्राम्य विकास की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कुछ विकास खण्ड़ों जैसे कि मोरी, डुण्डा एवं भटवाड़ी में और अधिक प्रगति की आवश्यकता है। मनरेगा के अन्तर्गत लगभग 50 प्रतिशत से अधिक महिलाऐं कार्य कर रही हैं। अतः महिला केन्द्रित अधिक कार्यक्रमों की आवश्यकता है। प्रतिघर प्रदान किए रोजगार के औसत दिन लगभग 50 प्रतिशत है जिसको विशेष अभियान चलाकर बढ़ाया जा सकता है। विकास खण्ड मोरी में मजदूरी के 100 दिन पूरे किए गए, हाउस होल्ड की कुल संख्या सबसे कम है। इसे बढ़ाये जाने की आवश्यकता है।

2. वर्षवार कृषि एवं कृषि सम्बन्धी कार्यों पर व्यय का प्रतिशत घट रहा है जो कि विकास खण्ड मोरी में सबसे कम (लगभग 46%) है। इस बिन्दु पर ध्यान देने से कृषि एवं कृषि सम्बन्धी कार्य बढ़ेंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

3. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्थापित स्वयं सहायता समूहों की संख्या भटवाड़ी, मोरी एवं पुरोला विकास खण्ड़ों में कम है। इन पर भी अधिक ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

4. ग्राम पंचायत स्तर पर आजीविका पैदा करने के लिए प्रत्येक विकास खण्डवार विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाय, जिससे ग्रामवासियों को आय उत्पन्न करने हेतु आजीविका मिल सके।

5. RSETI के माध्यम से कराये जा रहे प्रशिक्षणों में भी प्रशिक्षितों की संख्या सबसे कम मोरी, पुरोला एवं नौगांव विकास खण्ड में है। इन कार्यक्रमों पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

कृषि

जनपद में विगत चार सालों में गेहूँ के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 1498 हेक्टेयर की कमी तथा उत्पादन में 2097 मै0टन की गिरावट देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में भी वर्ष 2016–17 से वर्ष 2017–18 के मध्य 0.43 कु0/हे0 की कमी आई है

विगत चार सालों में जौ के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2014–15 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 26 हेक्टेयर की गिरावट होती है परन्तु उत्पादन में 121 मी0टन की वृद्धि देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में भी वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य 33.81 कु0/हे0 की कमी हुई है

जनपद में विगत चार सालों में मटर के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 222 हेक्टेयर की एवं उत्पादन में 145 मी0टन की गिरावट देखी जा सकती है जबकि औसत उपज में कोई भी परिवर्तन नहीं हुआ है।

जनपद में विगत चार सालों में रबी की फसलों के लिए क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों के अध्ययन करने से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य क्षेत्रफल में 5807 हेक्टेयर तथा उत्पादन में 8831 मी0टन की गिरावट हुई है जबकि औसत उपज में वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य 26.62 कु0/हे0 की वृद्धि हुई है

रबी अभियान वर्ष 2019–20 में विभिन्न फसल गेहूँ, जो, चना, मटर, मसूर तथा सरसों के 14645 हैक्टेयर लक्ष्य के सापेक्ष 14742 हैक्टयर का आच्छादन किया गया है परन्तु जनपद में बंजर भूमि में दिनों –दिन वृद्धि देखी जा सकती है अर्थात क्षेत्राच्छादन कम मात्रा में किया जा रहा है जो पर्वतीय जनपद उत्तरकाशी के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए प्रतिकूल नहीं है, जिसके लिए विभाग को सभी विकासखण्डों में सर्वेक्षण कर क्षेत्राच्छादन को बढ़ाने की रणनीति तैयार कर कार्ययोजना बनानी चाहिए।

किसान क्रेडिट कार्डः–वर्ष 2019–20 के अन्तर्गत 14727 परिवारों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गये हैं परन्तु विभाग द्वारा यह अनुश्रवण नहीं किया गया कि कृषकों द्वारा प्राप्त किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग किस तरह से किया गया। विभाग को इसका लगातार अनुश्रवण करने की आवश्यकता है।

(क) **पौध रक्षा कार्यक्रम** :– योजना के अन्तर्गत सामान्य जाति के कृषकों को 50 प्रतिशत एवं अनु0जाति के कृषकों को 90 प्रतिशत अनुदान पर पौध रक्षा रसायन खरपतवार नाशक जैव उर्वरक, माइक्रोन्यूट्रेन्ट अनुदान पर वितरित किया जाता है जिसमें 5750.00 है0 लक्ष्य के सापेक्ष 5750.00 है0 की पूर्ति की गयी है तथा वर्ष 2019–20 में आवंटित धनराशि रूपये 5.00 लाख के सापेक्ष रूपये 5. 00 लाख व्यय किया गया है। पौध सुरक्षा के लिए लक्ष्य निर्धारित बहुत कम रखा गया है जिसकी सीमा बढ़ाने की आवश्यकता है।

(ख) **जलपंप स्प्रिकलर सेट पॉलीहाउस एवं यंत्र वितरण** :— जनपद में कृषकों के समूह तैयार कर कृषकों को यंत्र के बेसिक मूल्य पर शत् प्रतिशत अनुदान दिया गया है जिसके अन्तर्गत आवंटित लक्ष्यों के सापेक्ष विकास खण्ड स्तर पर 2—गेहूं थ्रेसर , 3—पावर वीडर, 1—चैपकटर, 2—पावर टिलर, 5—जलपम्प, 1236 छोटे कृषि यंत्र कृषकों एवं कृषि समूहों को वितरित किये गये है। विभाग द्वारा वर्ष 2019—20 में आवंटित धनराशि रूपये 57.00 लाख के सापेक्ष रूपये 57.00 लाख व्यय किया गया है। यांत्रिकी यंत्रों को अधिक मात्रा में वितरण एवं उनकी मरम्मत हेतु सेन्टर स्थापित किये जाने की आवश्यकता है।

रा0कृ0 विकास फसल उत्पादन कार्यक्रम :— योजना के अन्तर्गत खरीफ एवं रबी में कृषकों को खाद्यान्न, दलहन तिलहन फसलों के बीजों को अनुदान पर बीज वितरण, फसल प्रदर्शन कृषि रक्षा रसायन, जैव उर्वरक, सू0पो0 तत्व वितरण किया जा रहा है। योजना में रूपये 51.90 लाख आवंटन के सापेक्ष रूपये 25.32 लाख व्यय किया गया है। कार्यक्रम में रूपये 26.58 लाख का अवशेष रहना इस ओर संकेत करता है कि जनपद में उक्त योजना के लाभ से बहुत किसान वंचित हुए क्योंकि विभाग द्वारा इसके लिए कोई ठोस कार्ययोजना तैयार नहीं की गयी। विभाग सभी विकासखण्ड़ों में कलस्टर बनाते हुए उक्त कार्यक्रम को संचालित करवा सकता है।

एकीकृत मृदा एवं जल संरक्षण योजनाः— योजना के अन्तर्गत, सिंचाई टैंक, सिंचाई गूल, मुर्गी बाड़ा निर्माण, मत्स्य पालन, वृक्षारोपण आदि का कार्यक्रम सम्पादित किये जाते हैं जिसके अन्तर्गत जनपद में कार्यरत कृषि एवं भूमि संरक्षण इकाई मोरी एवं बड़कोट द्वारा कार्य सम्पादित किया गया है। योजना के अन्तर्गत रूपये 183.37 लाख व्यय किया गया है। जनपद के अन्य विकासखण्डों में भी एकीकृत मृदा एवं जल संरक्षण योजना को संचालित करते हुए इन विकासखण्ड के किसानों को भी लाभान्वित किया जाना अपेक्षित होगा।

जनपद में कृषि विभाग द्वारा कई योजनायें कृषि क्षेत्र को बढावा दिये जाने हेतु संचालित की जा रही हैं। जिनको संचालित करने में विभाग द्वारा जिला योजना में रूपये 83.48 लाख, राज्य सैक्टर में रूपये 118.43 लाख तथा केन्द्र सैक्टर में रूपये 710.50 लाख का परिव्यय वर्ष 2019—20 में किया गया। परन्तु फिर भी रबी और खरीफ की फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन और औसत उपज के आंकड़ों में गिरावट देखी जा सकती है, अर्थात कृषकों में कृषि के प्रति रूचि में कमी आई है या विभाग कृषकों को आधुनिक कृषि करने की जानकारी पूर्णरूप से उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। विभाग को चाहिए कि कृषकों के साथ विचार—विमर्श करते हुए कार्ययोजना तैयार करने पर बल दे।

कृषि विकास के लिए निम्नलिखित सिफारिशें की जा रही हैंः—

1. यह स्पष्ट है कि कृषि क्षेत्र के विविधीकरण से ही स्थानीय निवासियों की आय बढ़ेगी तथा पलायन कम होगा। इसका उल्लेख उत्तराखण्ड विजन 2030 में भी किया गया है।

2. कृषि प्रसंस्करण सुविधाओं की कमी है तथा ऐसी इकाईयों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। कृषि विभाग को जनपद के सभी विकास खण्डों में कृषि फसलों के उत्पादन का व्यापक सर्वेक्षण

करके विस्तृत आंकड़े उपलब्ध कराने चाहिए ताकि सम्भावित निवेशकार उपलब्ध कृषि उत्पादों की मात्राओं के बारे में जानकारी प्राप्त करके निवेश कर सकें।

3. जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में बीज उत्पादन समूहों का गठन करके इस गतिविधि को बढ़ावा दिया जाना चाहिए इससे किसानों की आय बढ़ेगी तथा पलायन की समस्या पर भी अंकुश लगेगा।

4. विशेष क्षेत्र या विकास खण्डों की प्रमुख कृषि उपज को देखते हुए जिले में एफ.पी.ओ. (किसान उत्पादक संगठन) भी बनाए जा सकते हैं। यह किसानों को कृषि उपज के लिए भूमि पूलिंग, कृषि मशीनीकरण, कृषि उत्पादन में वृद्धि और बेहतर मोलभाव शक्ति की सहूलियत प्रदान कर सकता है।

5. कृषि विभाग को प्रत्येक विकास खण्ड में मौजूदा विपणन शैली का अध्ययन करने और इसे सुदृढ़ बनाने के लिए व्यवहारिक उपाय के साथ आने की आवश्यकता है। उत्तराखण्ड विजन 2030 में भी किसानों को बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया गया है।

6. जनपद में कृषि फसलों को जंगली जानवरों से नुकसान हो रहा है इसकी रोकथाम के लिए सुअर रोधी दीवार तथा खेती को बंदरों से नुकसान से बचाने के लिए विशेष प्रयास किये जाऐं।

7. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का भी विस्तार कृषि क्षेत्र में किया जाना चाहिए।

उद्यान

उद्यान विकास के लिये निम्न सिफारिशें की जा रही हैंः–

1. फलों की पैकिंग हेतु कोरोगेटेड बॉक्स कार्यक्रम से विकासखण्ड डुण्डा और चिन्यालीसौड़ तथा फल संरक्षण में प्रशिक्षण कार्यक्रम से विकासखण्ड डुण्डा, चिन्यालीसौड़, पुरोला और मोरी वंचित रहें, जो जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है, जिसके लिए विभाग को सभी विकासखण्ड़ों में सर्वेक्षण कार्य करवाते हुए क्षेत्र विशेष में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करना उचित होगा।

2. **उद्यानीकरण (क्षेत्रफल विस्तार)** :– विकासखण्डवार आंकड़ें देखे तो ज्ञात होता है कि विकासखण्ड नौगांव में 243 हेक्टेयर सबसे अधिक व सबसे कम डुण्डा में 86 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर उद्यानीकरण का विस्तार हुआ जबकि विकासखण्ड मोरी में यह आंकड़ा शून्य रहता है। जनपद के सभी विकासखण्ड़ों में उद्यानीकरण विस्तार की अपार सम्भावनायें हैं। क्षेत्र विशेष के रूप में विकसित किये जाने के लिए विभाग को सर्वेक्षण कर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

3. **सब्जी क्षेत्रफल विस्तार योजना** :– योजना का सबसे अधिक प्रभाव विकासखण्ड मोरी के 215 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर दिखा जबकि विकासखण्ड भटवाड़ी में सबसे कम 8 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सब्जी क्षेत्रफल विस्तार का कार्य किया गया। योजना के आंकड़ें विगत चार सालों के लिए बहुत न्यून हैं, जिन्हें बढ़ाने के जनपद में अधिक अवसर मौजूद हैं।

4. **पॉलीहाउस योजना** :– उक्त योजना में 53 पॉलीहाउस को निर्मित करवा कर विकासखण्ड भटवाड़ी ने सबसे अधिक भागीदारी निभायी जबकि विकासखण्ड मोरी और चिन्यालीसौड़ द्वारा मात्र 2–2 यूनिटों का निर्माण करवाया गया। उक्त आंकड़ें चार सालों के लिए बहुत कम है, जिसे बढ़ावा दिये जाने की अति आवश्यकता है।

5. उद्यान विभाग की संचालित योजनाओं में विकासखण्ड डुण्डा, चिन्यालीसौड तथा पुरोला की भूमिका को मजबूत करने की आवश्यकता है, जबकि विकासखण्ड नौगांव, मोरी और भटवाड़ी में लाभ अच्छा मिला है। विभाग को इन विकासखण्डों के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

6. उद्यान विभाग को मौजूदा फल उत्पादन को ध्यान में रखते हुए जनपद के लिए एक बागवानी विकास योजना तैयार करने की आवश्यकता है, जो गुणवत्ता (प्रजातियों सहित), विपणन तथा खामियों को इंगित करती हो। प्रत्येक विकासखण्ड में उन्नत बागवानी के विकास को ध्यान में रखने के साथ–साथ उच्च गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री से लेकर प्रसंस्करण और विपणन के उपयुक्त पैकेजों के लिए सही किस्म/प्रजातियों जैसे सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

7. जनपद में निजी क्षेत्र की फल नर्सरियों की संख्या कम है। फल पौध के उत्पादन हेतु निजी या स्वयं सहायता समूहों द्वारा नर्सरियाँ बनायी जाऐं जिससे स्थानीय लोगों की बागवानी में रूचि बढ़ेगी एवं अतिरिक्त आजीविका उत्पन्न होगी।

8. फल प्रसंस्करण इकाईयों की संख्या कम है अलग–अलग मौसम में फलों की उपलब्धता के आधार पर प्रसंस्करण इकाईयाँ स्थापित करने के लिए निजी उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

ग्राम मुगरा, विकासखण्ड़ नौगांव

- वि0ख0 नौगांव, ग्राम मुगरा के हरिमोहन सिंह परमार से वार्ता में स्पष्ट हुआ कि उनका सेब का व्यापार के साथ होटल, कैम्प आदि का कार्य भी बहुत अच्छा चलता है।
- जिस कारण उन्होंने अपने पुत्र जो **इंगलैण्ड में रह रहा था उसे अपने घर वापस बुलाया है** और आज वो भी इन्हीं कार्यों में अपने पिता के साथ हाथ बटा रहे हैं।
- उन्हें सेब के व्यापार से लगभग 30 लाख का टर्न ओवर हर साल हो जाता है।
- उनके बाग में इस साल 1000 कु0 सेब उत्पादन हुआ है।

पशुपालन एवं डेयरी विकास

पशुपालन विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विभाग द्वारा कई कार्यक्रमों में लक्ष्य से भी ऊपर कार्य किया जा रहा है परन्तु रोजगार परक योजनाओं में विभाग की प्रगति कम है। वर्ष 2016–17 से जनपद में मात्र 132 दुग्ध समितियों में से मात्र 98 समितियाँ ही कार्य कर रही हैं

जिससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दूध के उत्पादन में कमी आयी है। जनपद में विगत चार सालों में गौ पालन में 190 इकाई, भेडपालन में 93 इकाई तथा बकरीपालन में 80 इकाई स्थापित की गई हैं, जो 451 ग्राम पंचायतों में बहुत कम है। उक्त स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए उचित नहीं है। विभाग को रोजगार परक योजनाओं की ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्ययोजना तैयार कर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में पशुपालन के अहम भूमिका को जीवित करना होगा।

पषुपालन एवं डेयरी विकास के लिए निम्नलिखित सिफारिशें की जा रही हैंः–

1. पशुओं की गुणवत्ता बढ़ाए जाने हेतु एक विशेष अभियान चलाया जाए जिससे पशुपालन अधिक परिवारों की आय का मुख्य स्रोत बन सके न कि एक वैकल्पिक स्रोत के रूप में रह जाए।

2. दुग्ध उत्पादन जनपद में आवश्यकता के अनुपात में कम है। इसके उत्पादन को बढ़ाये जाने से स्थानीय लोगों की आय भी बढ़ेगी।

3. जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में पशुओं की नस्ल, दुग्ध उत्पादन, स्वास्थ्य, पैकेजिंग एवं विपणन का सघन अध्ययन किए जाने से इस क्षेत्र के विस्तार एवं विकास की रणनीति बनेगी।

4. बेहतर लाभ के लिए दुग्ध उत्पादकों को उनकी उपज के प्रसंस्करण में पनीर, घी आदि का प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

5. जनपद में बकरी एवं भेड़पालन भी एक अच्छा व्यवसाय है किन्तु इसका विकास योजनाबद्ध रूप से नहीं हो पा रहा है। इसके लिए भी प्रत्येक विकास खण्ड में विशेष योजना बनायी जाए।

6. मुर्गी पालन भी एक महत्पूर्ण गतिविधि है जोकि मुख्यतया बैकयार्ड पौल्ट्री के रूप में चल रही है। इसे भी Upscale किया जा सकता है ताकि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति की जा सके।

मत्स्य

जनपद में मत्स्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में मत्स्य पालन के प्रति ग्रामीणों में हर साल रूचि बढ़ी है जो इस क्षेत्र में रोजगार के सुअवसर उपलब्ध होने के संकेत प्रदान करता है जिसका विवरण उपरोक्त तालिका में दिया गया है।

मत्स्य पालन विकास हेतु निम्नलिखित सिफारिशें की जा रही हैंः–

1. जनपद के कई क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा तालाब में मत्स्य पालन का कार्य आरम्भ किया गया है। आगामी वर्षों में इसे और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमो के साथ मत्स्य विकास कार्यक्रमों का Convergence किया जाए।

2. जब मत्स्य उत्पादन बढ़ेगा तो विपणन की रणनीति भी बनानी आवश्यक होगी। इसके लिए अभी से कार्य किया जाना आवश्यक है।

ग्राम डालाना मंगलपुर, विकासखण्ड़ भटवाड़ी

- 28 वर्षीय श्री संजीव नौड़ियाल पुत्र दिनेश चन्द्र, जिन्होने स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त की हैं। उत्तरप्रदेश में पण्डितगिरी से लगभग 30 से 35 हजार रूपये की आमदनी हो जाया करती थी। कोरोना काल में इनको भी अपनी आजीविका के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा जिस कारण वह अपने गांव डालाना मंगलपुर में वापस लौटना पड़ा।

- श्री नौड़ियाल द्वारा स्पष्ट किया गया कि इनके द्वारा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत दुग्ध व्यवसाय हेतु आवेदन कर बैंक से रूपये 80 हजार रूपये का ऋण लिया गया, जिससे उन्होंने अपना डेयरी का कार्य प्रारम्भ कर लिया है जिसे वह अभी स्वयं ही संचालित कर रहे हैं जिसमें आने वाले समय में गांव के अन्य लोगों को जोडने की इच्छा भी रखी हुई है।

- आज शुरूवाती दौर में दुग्ध व्यवसाय से इनको अभी लगभग 8000 रूपये की आमदनी प्रति माह हो रही है जिससे वो आने वाले समय में विस्तृत करना चाहते है।

पर्यटन

जनपद उत्तरकाशी में भारी मात्रा में पर्यटक आते है, जो मुख्तया तीर्थयात्री एवं श्रद्धालु हैं इसके अतिरिक्त अन्य पर्यटक साहसिक पर्यटन एवं सामान्य पर्यटन अर्थात् दर्शनीय स्थलों पर भ्रमण के लिए भी आते हैं, जिनकी संख्या कम है।

पर्यटन विकास के लिए निम्नलिखित सिफारिशें की जा रही हैः–

1. जनपद में होमस्टे के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में वर्तमान में 254 होमस्टे संचालित हो रहें हैं जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड़ मोरी में 92 होमस्टे तथा सबसे कम विकासखण्ड डुण्डा में 3 होमस्टे संचालित हो रहे हैं जबकि विकासखण्ड़ पुरोला और चिन्यालीसौड में कोई भी होमस्टे संचालित नहीं हैं। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में हर वर्ष होमस्टे की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है जो जनपद में होमस्टे में रोजगार की अपार सम्भावनाओं की ओर संकेत करता है। विभाग को इस योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए युवाओं को इस योजना से जोडने की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

2. उत्तराखण्ड़ के चार तीर्थस्थानों में से दो धाम उत्तरकाशी जनपद में ही अवस्थित है जिन्हें गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के नाम से पूरे विश्व में जाना जाता है। जहाँ विगत चार वर्षों में 30,80,532 तीर्थयात्री पहुँचे, जिसमें गंगोत्री धाम में 16,67,089 तथा यमुनोत्री धाम में 14,13,443 श्रद्धालु आये। श्रद्धालुओं की संख्या में हर साल वृद्धि होना, जनपद का पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित होना है, जो जनपद के युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के सुअवसर प्रदान करता है।

3. जनपद की एक पर्यटन विकास योजना तैयार की जा सकती हैं जो पूरे जनपद के लिए एक व्यापक योजना को जोड़ते हुए विकास खण्ड स्तर पर विभिन्न स्थलों की पहचान करेगी। इसे आजीविका के अवसरों की पहचान करना और विभिन्न योजनाओं के तहत क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के साथ अभिसरण करना चाहिए।

4. प्रकृति–पर्यटन के लिए विशिष्ट गंतव्य और रमणीक स्थानों पर आधारित उप–योजनाएं विकसित की जा सकती हैं, जिसमें प्रकृति पर्यटन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर ध्यान केन्द्रित किया जाए ताकि उन्हें लाभ मिल सके।

5. हाल ही में राज्य सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली योजना एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना प्रारम्भ की गयी है। स्थानीय निवासी इन योजनाओं का लाभ उठाकर पर्यटन के माध्यम से स्वरोजगार उत्पन्न कर सकते हैं।

6. चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे का विस्तार करना।

ग्राम रैथल, विकासखण्ड़ भटवाड़ी

- श्री विजय सिंह राणा एवं श्री रविन्द राणा, ग्राम व पो0 रैथल, वि0ख0 भटवाड़ी मात्र दो कमरों में होमस्टे संचालित कर रहे हैं जिनसे उन्हें साल में 40 से 50 हजार रूपये की आमदनी हो जाती है।

- इनके द्वारा पर्यटकों को मात्र 800 रूपये में खाना और रहने की व्यवस्था के साथ पर्यटकों को अपने होमस्टे में ठहरने की व्यवस्था की जाती है।

- साथ ही द्रोपदी पीक, श्रीकृष्ण पीक, बन्दर पूँछ, सूर्यटॉप, बकरीटॉप और दयारा बुग्याल का भी भ्रमण करवाते हैं जिनसे इन्हें अतिरिक्त आय होती है।

- उनके द्वारा ये भी जानकारी दी गयी कि रंग बिरंगे फूलों के मध्य दूध दही की होली का आनन्द सिर्फ दयारा बुग्याल में ही देखने को मिलता है जिसे देखने के लिए देश विदेश से लोग आते हैं, जो 11000 हजार की ऊँचाई पर है।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड

इस बोर्ड के तहत जनपद में आटा/धान चक्की, रेडिमेड गारमेन्ट, ढाबा, दुग्ध उत्पाद, शटरिंग, पूजा सामग्री निर्माण, अनाज दाल/मसाले प्रशोधन पैंकिंग, फोटोस्टेट लेमिनेशन जॉव वर्क, कम्प्यूटर डाटा एन्ट्री, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, फर्नीचर, टैन्ट हाउस, बैल्डिंग वर्क शॉप, मोबाइल रिपेयरिंग, लौह कला, इलैक्ट्रीकल, इलैक्ट्रोनिक उपकरण मरम्मत, आइसक्रीम निर्माण, दो पहिया वाहन सर्विस सेन्टर, ज्वेलरी वर्कस, हौजरी, निटिंग, साइबर कैफे, हथकरघा, टाईल्स/सैनेट्री आदि के लिए सहायता प्रदान की गयी है।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के तहत पर्वतीय जनपदों में प्रचलित व्यवसायों के साथ–साथ पहाड़ी भड्डू चिकन मटन शॉप, पहाड़ी नमक चट्नी शॉप, पहाड़ी शाक भाजी शॉप, पहाडी खाद्यान्न शॉप, पहाड़ी प्राकृतिक गुलाल शॉप, पहाड़ी भोजनालय शॉप, पहाड़ी मिठाई शॉप, पहाड़ी अचार शॉप, पहाडी गारमेन्ट शॉप, पहाडी काष्ठ नक्काशी केन्द्र, पहाडी ज्वैलरी शॉप आदि सूक्ष्म लघु उद्यमों को भी बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एम.एस.एम.ई.)

एम.एस.एम.ई. विकास के लिये निम्न सिफारिशें की जा रही हैं:–

1. विगत चार सालों के मध्य आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है विकासखण्ड भटवाड़ी में सबसे अधिक 249 इकाई स्थापित करने में रूपये 1705 लाख का विनियोजन करते हुए 718 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जबकि विकासखण्ड मोरी में सबसे कम 22 इकाई स्थापित करने में रूपये 125 लाख का विनियोजन करते हुए 69 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया जो बहुत कम है। जनपद के अन्य विकासखण्डों की स्थिति भी ज्यादा अच्छी नहीं है अर्थात उद्योग केन्द्र को सभी विकासखण्ड़ों में ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

2. उद्योग केन्द्र उत्तरकाशी के द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15 अगस्त, 2008 से क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना के अन्तर्गत विगत चार सालों में स्थापित किये गये इकाईयों से सम्बन्धित आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड पुरोला में सबसे अधिक 53 इकाई स्थापित करने में रूपये 42.41 लाख का विनियोजन करते हुए 182 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जबकि विकासखण्ड मोरी में सबसे कम 13 इकाई स्थापित करने में रूपये 53.79 लाख का विनियोजन करते हुए 130 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया जो बहुत कम है।

3. उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी के अन्य विकासखण्डों को छोडकर सिर्फ विकासखण्ड भटवाड़ी में 02 और विकासखण्ड पुरोला में 04 त्रिसाप्ताहिक प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जबकि दो दिवसीय प्रशिक्षण में भी सभी विकासखण्डों का कोई विशेष प्रतिभाग अच्छा नहीं रहा। ज्यादा समय के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त छोटे समय वाले प्रशिक्षण में ग्रामीणों की रूचि देखी जा सकती है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढाने की आवश्यकता है।

4. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एम.एस.एम.ई. क्षेत्र में क्षमता है। इस क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योग, फर्नीचर, रेडीमेड़ वस्त्र, मरम्मत एवं सर्विसिंग जैसे क्षेत्र को अधिक संख्या में बढ़ाया जा सकता है। प्रत्येक विकास खण्ड में ऐसी इकाईयों के लिए सम्भावनाएं तलाशी जाऐं।

5. सूक्ष्म और लघु इकाईयों के विकास को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों पर गहन विचार करते हुए विकासखण्डवार कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

6. उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम, विशेष रूप से ऐसे विकासखण्ड़ों/ग्राम पंचायतों में आयोजित किये जाने चाहिए जहां ऐसी इकाईयों की कमी है।

7. सूक्ष्म, लघु एवं कारीगर इकाईयों के विकास को बढ़ावा देने हेतु रू0 10.00 लाख से कम लागत वाली इकाईयों को बढ़ावा देने के आवश्यकता है।

ग्राम रागी, विकासखण्ड़ चिन्यालीसौंड

- चण्ड़ीगढ़ में होटल में काम करने वाले ग्राम रागी के स्नातक की शिक्षा लिए, 27 वर्षीय श्री राकेश नौटियाल पुत्र मुकन्दराम कोरोना काल में अपने गांव वापस आये।

- चण्डीगढ़ में उन्हें 15000 रूपये का पारिश्रमिक मिलता था जहाँ से वह अपने परिवार की देखभाल सही ढंग से नहीं कर पा रहे थे, परन्तु रोजगार के लिए रहना पड़ रहा था।

- आज उनके द्वारा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत आवेदन करने के उपरान्त उन्हें बैंक सें रूपये 2.00 लाख का ऋण मिला जिसके उपरान्त उन्होने परचून की दुकान का शुभारम्भ किया। आज उनके द्वारा बैंक में प्रतिमाह 3500 रूपये की किश्त जमा करना भी शुरू किया गया है।

- आज उनकी दुकान पर सभी प्रकार के पहाड़ी उत्पादित खाद्यान्न हर समय उपलब्ध रहता है। जिससे उनको एक अच्छी खासी आय प्राप्त हो जाती है। उनका कहना है कि उन्हें एक माह में 10000 रूपये की शुद्ध आय अपने घर पर ही प्राप्त होनी शुरू हो गयी है।

Annexure-I

INITIATIVES OF HIMALAYAN ACTION RESEARCH CENTRE IN UTTARKASHI DISTRICT

1- Institution Building & strengthening for promotion of self-help system:

- HARC founded the collective production & marketing based business model, which promoted more than 7 institutions (cooperative, Producers Company, society, producers groups, self help group) impacting 15000 farmers of the region.
- Developed cadre of 250 Para tech (bare foot scientist) and 155 women motivators for dissemination & sensitization to local communities on development programs.
- Trained 3000+ PRI members on reform governance system.
- Integrated Risk Management (IRM) approach under village & district development plan.
- Promoted financial inclusion & social security for local communities (SHG/FIG/farmer federation) by setting up linkages with saving & inter loaning kisan credit card, crop insurance & cash credit limit. The program impacted 4000+ people in the region.

2-Promote food and economic security though crop diversification

- To ensure sustainable livelihood of the rural community of the Rawain valley- HARC promoted more than 35 crops i.e. vegetable, fruits, pulses, & millets followed by market led approach and climate resilient practices. Impacting 11239 farmers in 660 hectare.
- Massive demonstration of local kidney beans germplasm with 4000 farmers in 160 hectares.
- 1.5 lakhs plants were grafted (wild mehul) and rejuvenated (Apple) which enhanced the income of local community -ranging from Rs. 2000 to 1 lakh.

3- Rural technology & knowledge management

- HARC promoted more than 30 rural techniques such as staking, tissue culture, sowing, harvesting, manuring, pruning & grafting, water harvesting technique etc.
- Promote soil health management practices through soil testing, crop advisory, among 2000+ producers.
- HARC also intervene & advocated for incorporating integrated risk reduction management (IRM) approach under village and local level development programs/ Schemes.

4- Supply chain management:

- HARC established 15 + commercial supply chain (12000+ MT) of vegetables, fruits, flowers in the region which is being owned & run by community based institutions i.e. farmer federations.

(Source: HARC)